



**LIFE**  
Lifestyle for  
Environment



# क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना

दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

उत्तर प्रदेश सरकार

शाहजहांपुर







# क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना



दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग  
उत्तर प्रदेश सरकार



## प्रकाशन

पर्यावरण निदेशालय, उत्तर प्रदेश (डीओई) (DOE) एवं उत्तर प्रदेश जलवायु परिवर्तन प्राधिकरण

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार

Email: doeuplko@yahoo.com; Website: www.upenv.upsdc.gov.in

## तकनीकी सहयोग

वसुधा फाउंडेशन

गोरखपुर एनवायर्नमेंटल एक्शन ग्रुप (GEAG)

## मार्गदर्शन

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार

श्री मनोज सिंह, आईएएस, अपर मुख्य सचिव

श्री आशीष तिवारी, आईएफएस, सचिव

### जिला प्रशासन

श्री उमेश प्रताप सिंह, आईएएस, जिलाधिकारी, शाहजहांपुर

श्री श्याम बहादुर सिंह, आईएएस, मुख्य विकास अधिकारी, शाहजहांपुर

### वसुधा फाउंडेशन

श्री श्रीनिवास कृष्णास्वामी, सीईओ

श्री रमन मेहता, कार्यक्रम निदेशक

डॉ. एस. सतपथी, विशेषज्ञ सलाहकार

### गोरखपुर एनवायर्नमेंटल एक्शन ग्रुप (GEAG)

डॉ. शिराज़ वजीह, अध्यक्ष

## लेखक

### वसुधा फाउंडेशन

सुश्री मेखला शास्त्री, सुश्री स्वाति गुप्ता, सुश्री शिविका सोलंकी, सुश्री रिनी दत्त

### गोरखपुर एनवायर्नमेंटल एक्शन ग्रुप (GEAG)

श्री विजय कुमार पांडे एवं श्री के. के. सिंह

## शोध समर्थन

### वसुधा फाउंडेशन

डॉ. प्रीति सिंह, सुश्री मोनिका चक्रवर्ती, श्री नवीन कुमार, सुश्री फातिमा सैला

### ग्राम प्रधान, दिलावरपुर देवकली

श्रीमती पुष्पा देवी

## क्षेत्र शोध समर्थन

### विनोबा सेवा आश्रम

श्री रमेश

## डिज़ाइन एवं लेआउट

### वसुधा फाउंडेशन

श्री संतोष कुमार सिंह, सुश्री स्वाति बंसल, सुश्री प्रिया कालिया





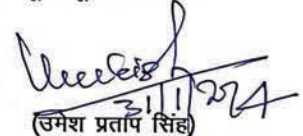


"शुभकामना संदेश"

आज के आधुनिक वातावरण में जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों के दृष्टिगत ग्राम पंचायतों को जलवायु सजग ग्राम पंचायत बनाने तथा जमीनी स्तर पर त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही किये जाने की महती आवश्यकता परिलक्षित हो रही है। जलवायु संबंधी चुनौतियों को कम करने और सतत विकास की ओर अग्रसर करने हेतु प्रभावी रणनीति बनाकर ग्राम पंचायतों को सक्रिय करने हेतु "वसुधा फाउण्डेशन, नई दिल्ली" द्वारा "क्लाईमेट स्मार्ट" परियोजना तैयार की गयी है।

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि इस योजना को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तत्वावधान में "गोरखपुर एनवायरमेंट एक्शन ग्रुप (जी0ई0ए0जी0), गोरखपुर एवं विनोबा सेवा आश्रम, शाहजहाँपुर के सहयोग से जनपद शाहजहाँपुर की ग्राम पंचायत "दिलावरपुर देवकली, विकास खण्ड-बण्डा को चयनित करते हुये "क्लाईमेट स्मार्ट" ग्राम पंचायत बनाये जाने हेतु परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

जनपद की ग्राम पंचायतों को जलवायु सजग ग्राम पंचायतों के रूप में विकसित करने तथा जलवायु संबंधी चुनौतियों को कम करते हुये जीवनोपयोगी बनाये जाने की दिशा में संचालित इस कार्यक्रम की सफलता हेतु "वसुधा फाउण्डेशन, नई दिल्ली" के उनकी सहयोगी संस्थाओं "गोरखपुर एनवायरमेंट एक्शन ग्रुप (जी0ई0ए0जी0), गोरखपुर एवं विनोबा सेवा आश्रम, शाहजहाँपुर के इस परियोजना से जुड़े सभी पदाधिकारियों व स्वयं सेवकों को उनकी जनकल्याण की भावना तथा इस दिशा में किये जा रहे कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुये हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान करता हूँ।

  
उमेश प्रताप सिंह  
जिलाधिकारी,  
शाहजहाँपुर।





**श्याम बहादुर सिंह**  
आर्.ए.एस.  
मुख्य विकास अधिकारी  
शाहजहाँपुर



(कार्या०) : 05842-225902  
(आवास) : 05842-222220  
(मो० नं०) : 09454415899  
(ई-मेल) : cdospn2019@gmail.com

अर्ख शासकीय पत्रांक सं० : 959

दिनांक : 05-02-2024

**::संदेशः**



निदेशक, पर्यावरण निदेशालय, उ०प्र० लखनऊ के पत्र संख्या 1151 दिनांक 23 जनवरी 2023 एवं निदेशक, पंचायती राज, उ०प्र० के पत्र संख्या 5/35 दिनांक 31 जनवरी, 2023 के क्रम में क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना का निरूपण गोरखपुर एनवायरमेंट एक्शन ग्रुप (जी०ई०ए०जी०), गोरखपुर एवं बसुधा फाउण्डेशन, नई दिल्ली द्वारा किया जा रहा है। उक्त संस्थाओं द्वारा ग्राम पंचायत दिलावरपुर देवकली, विकास खण्ड भावलखेड़ा की कार्ययोजना बनाई गयी है, कार्ययोजना सांकेतिक है।

ग्राम पंचायत के सर्वांगीण एवं सम्पोषणीय विकास एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता हेतु जिन सेक्टरों को चुना गया है यदि उनके जमीनी यथार्थ को समझते हुए योजना का विकास किया जाये, तो निःसंदेह रूप से यह ग्राम पंचायत के विकास हेतु लाभकारी होगा। विशेष रूप से सम्पोषणीय कृषि, जल, राशियों का संरक्षण, फलदार वनों का रोपण एवं सौर ऊर्जा का सोलर रूफ्टाप की स्थापना के माध्यम से विकसित करना ऐसे क्षेत्र है जो ग्राम पंचायतों को क्रान्तिकारी विकास की दिशा दे सकते हैं। ठोस अवशिष्ट प्रबन्धन के कुछ अवयव ऐसे हैं, जो इस कार्ययोजना में भी सम्मिलित हैं तथा पंचायती राज द्वारा भी किये जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में उक्त संस्थाओं का पंचायत राज विभाग के साथ गहन ताल-मेल आवश्यक होगा।

मैं बसुधा फाउण्डेशन एवं गोरखपुर एनवायरमेंट एक्शन ग्रुप गोरखपुर को इस योजना के सफल कार्यान्वयन एवं ग्राम पंचायत में सकारात्मक परिवर्तन हेतु शुभकामनाएं देता हूँ।

(श्याम बहादुर सिंह)  
मुख्य विकास अधिकारी  
शाहजहाँपुर।



## पुष्पा देवी

(ग्राम प्रधान)

ग्राम पंचायत- दिलावरपुर ई. देवकली  
विकासखण्ड- भावलखेड़ा  
जनपद- शाहजहांपुर।



दिलावरपुर ई. देवकली

पंचायती राज विभाग  
उत्तर प्रदेश

निवास

ग्राम - दिलावरपुर ई. देवकली  
पो0- कनेंग, थाना सेहरामऊ दक्षिणी  
ब्लाक भावलखेड़ा, तहसील- सदर  
जनपद- शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश) 242001  
मो0- 91-9621370999

पर्यांक .....

दिनांक 23.01.2024



### आभार

सर्वप्रथम आप सभी को प्रधान, ग्राम पंचायत दिलावरपुर देवकली, जनपद शाहजहांपुर की ओर से सादर नमस्कार और अभिनंदन। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप सभी स्वस्थ होंगे। मैं अपनी ग्राम पंचायत को क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत बनाने की ओर हेतु बढ़ाये गये प्रथम कदम / प्रयास को आपसे साझा करते हुए रोमांचित हूँ।

जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियाँ हर दिन अधिक स्पष्ट होती जा रही हैं और हमारे समुदाय और भावी पीढ़ियों की भलाई के लिये उन पर कार्य करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस विषय की गम्भीरता को समझते हुए सभी ग्रामवासियों की सर्वसहमति से हमने अपनी ग्राम पंचायत को क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत बनाने की प्रक्रिया को प्रारम्भ किया। सर्वप्रथम आवश्यक था ग्राम पंचायत में जलवायु परिवर्तन संबंधी समस्याओं और मुद्दों की पहचान करना जिसके लिये सामुदायिक सहभागिता के साथ ग्राम सभा की बैठक एवं समूह केन्द्रित चर्चा के आयोजन के अतिरिक्त व्यक्तिगत चर्चा की गयी और आंकड़ों को एकत्र किया गया। आंकड़े एकत्र करने की प्रक्रिया को पंचायत में क्रियान्वित करने के लिये मैं स्थानीय सहयोगी संस्था गोरखपुर एनवायरमेंट एक्शन ग्रुप (जी.ई.ए.जी), गोरखपुर तथा विनोबा सेवा आश्रम, शाहजहांपुर का तथा आंकड़ें एकत्र करने में हमारे सभी ग्रामवासियों के समर्थन और सक्रिय भागीदारी के लिये हृदय से धन्यवाद। हम सभी साथ मिलकर हमारी पंचायत में एक पर्यावरण अनुकूल वातावरण बनायेंगे जो न केवल हमारे प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करेगा अपितु प्रत्येक ग्रामीण के जीवन की समग्र गुणवत्ता को भी बढ़ायेगा।

इसके साथ ही मैं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश और तकनीकी सहयोगी पार्टनर वसुधा फाउंडेशन, नई दिल्ली, का भी आभारी हूँ जिन्होंने एकत्र किये गये आंकड़ों को कार्ययोजना का स्वरूप दिया तथा मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

मैं सभी ग्रामवासियों अपनी पंचायत को क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत बनाने के लिये हाथ मिलाकर आगे बढ़ने का आग्रह करता हूँ। आइये हम सभी एक सकारात्मक बदलाव की ओर आगे बढ़ें और दूसरों के लिये उदाहरण स्थापित करें।

धन्यवाद !

पुष्पा देवी

(पुष्पा देवी)

ग्राम प्रधान

ग्राम पंचायत दिलावरपुर देवकली।



# विषय सूची

1	कार्यकारी सारांश	1
2	ग्राम पंचायत की रूपरेखा	4
	▪ दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत एक नज़र में	4
	▪ जलवायु परिवर्तनशीलता प्रोफ़ाइल	5
	▪ प्रमुख आर्थिक गतिविधियां	6
	▪ कार्यरत महिलाएं	7
	▪ कृषि	7
	▪ प्राकृतिक संसाधन	7
	▪ दिलावरपुर देवकली में सुविधाएं	8
3	कार्बन फुटप्रिंट	9
4	व्यापक मुद्दे	10
5	प्रस्तावित सुझाव	11
	1. सतत कृषि	12
	2. जल निकायों का प्रबंधन तथा कायाकल्प	17
	3. हरित क्षेत्रों और जैवविविधता का विस्तार	21
	4. सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	24
	5. स्वच्छ, सतत, किफ़ायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच	28
	6. सतत और उन्नत गतिशीलता	37
	7. आजीविका एवं हरित उद्यमशीलता को बढ़ाना	40
6	विचारार्थ अतिरिक्त संस्तुतियों की सूची	43
7	अनुकूलन, सह-लाभ और सतत विकास लक्ष्यों से जुड़ाव	49
8	आगे की राह	55
9	अनुलग्नक	56

# चित्र

चित्र 1	: दिलावरपुर देवकली, ज़िला शाहजहांपुर का भूमि उपयोग मानचित्र	5
चित्र 2	: दिलावरपुर देवकली का औसत वार्षिक अधिकतम और न्यूनतम तापमान, 1990-2020	6
चित्र 3	: दिलावरपुर देवकली में वार्षिक वर्षा, 1990-2020	6
चित्र 4	: दिलावरपुर देवकली में प्राथमिक घरेलू आय के स्रोत	6
चित्र 5	: पारिवारिक आय आकलन, दिलावरपुर देवकली	6
चित्र 6	: दिलावरपुर देवकली के परिवार जिनके पास राशन कार्ड हैं	6
चित्र 7	: दिलावरपुर देवकली में आर्थिक गतिविधियों में संलग्न महिलाओं की संख्या	7
चित्र 8	: दिलावरपुर देवकली में कृषि पर निर्भर परिवारों की संख्या	7
चित्र 9	: 2022 में दिलावरपुर देवकली में विभिन्न गतिविधियों का कार्बन फुटप्रिंट	9
चित्र 10	: 2022 में दिलावरपुर देवकली के कार्बन फुटप्रिंट में क्षेत्रों की हिस्सेदारी	9



# कार्यकारी सारांश

उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर जिले की दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत मध्य-पश्चिमी मैदान कृषि-जलवायु क्षेत्र के अंतर्गत आती है। दिलावरपुर देवकली की क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना पंचायत स्तर पर जलवायु गतिविधियों को मजबूत करने और इसे 2035 तक जलवायु स्मार्ट/लचीला बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। कार्ययोजना में ग्राम पंचायत को विशिष्ट चरणवार गतिविधियाँ सुझाई गई हैं जिससे ग्राम पंचायत की सहनशीलता बढ़े, अनुकूली शक्ति सुदृढ़ हो तथा जोखिम और संबंधित खतरे सहित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आए। साथ ही, गांव के लिए अतिरिक्त राजस्व सृजन हो, गांव के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास के साथ गांव के लोगों के स्वास्थ्य में सुधार आए और गांव के प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर प्रबंधन हो।

उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा तैयार क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना विकास के लिए निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का संदर्भ लेते हुए तैयार की गई है। दिलावरपुर देवकली के लिए क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना (सीएसजीपीएपी) इस प्रकार से तैयार की गई है कि इसे ग्राम पंचायत की वर्तमान ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) के साथ आसानी से और प्रभावी ढंग से एकीकृत किया जा सकता है।

कार्ययोजना<sup>1</sup> में प्रमुख जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक पहलुओं, मध्य पश्चिमी मैदानी कृषि-जलवायु क्षेत्र से संबंधित मुख्य मुद्दे, जलवायु परिवर्तनशीलता, ग्राम पंचायत के कार्बन फुटप्रिंट विश्लेषण और प्राकृतिक संसाधनों की वर्तमान स्थिति से संबंधित प्रमुख मुद्दों को सम्मिलित किया गया है। कार्ययोजना में क्षेत्र सर्वेक्षण, समूह केन्द्रित चर्चा और संबंधित सरकारी विभागों और एजेंसियों के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों तथा दिलावरपुर देवकली पंचायत के समुदाय से प्राप्त सुझावों/टिप्पणियों को सम्मिलित किया गया है। इन सभी आंकड़ों का दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत के आधारभूत संचयन का निर्माण करने और इससे पंचायत में पर्यावरण संबंधी दिलावरपुर देवकली के मुद्दों की पहचान करने और चर्चा हेतु आधार बनाने में मदद मिली है।

## दृष्टिकोण

### प्राथमिक सर्वे टूल का विकास

सर्वे और प्राथमिक आंकड़ें एकत्र करना: ग्राम प्रधान और समुदाय के सदस्यों के सहयोग तथा ग्रामीण सहभागी आंकलन (PRA) तकनीक, जिसमें समूह केन्द्रित चर्चा (FGD), गाँव का भ्रमण, सामाजिक एवं संसाधन मानचित्रण आदि सम्मिलित है, द्वारा सर्वे का कार्य किया गया

### आंकड़ों का मूल्यांकन और योजना की तैयारी:

- ग्राम पंचायत की रूपरेखा तैयार करना: सर्वे प्रश्नावली से एकत्र आंकड़ों के आधार पर ग्राम पंचायत की एक विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। इस रूपरेखा में दिलावरपुर देवकली क्षेत्र की जनसांख्यिकी, जलवायु परिवर्तनशीलता, मुख्य आर्थिक गतिविधियाँ, प्राकृतिक संसाधन और सुविधाएं सम्मिलित हैं।
- मुख्य समस्याओं की पहचान करना: सर्वे प्रश्नावली और खतरा, जोखिम, संवेदनशीलता और क्षमता विश्लेषण (एचआरवीसीए) (HRVCA) रिपोर्ट से प्राप्त तथ्यों के आधार पर मुख्य विकास संबंधी और पर्यावरणीय समस्याओं की एक सूची तैयार की गई।
- कार्बन फुटप्रिंट का अनुमान: दिलावरपुर देवकली के मुख्य गतिविधियों\* के लिए कार्बन फुटप्रिंट का अनुमान लगाया गया।
- प्रस्तावित सुझाव/संस्त्रुतियाँ: पहचाने गए पर्यावरण और जलवायु संबंधी मुद्दों के आधार पर दिलावरपुर देवकली के लिए सुझाव विकसित किए गए। यह सुझाव मध्य-मैदानी इलाकों की प्रचलित कृषि-जलवायु विशेषताओं को भी ध्यान में रखती हैं। इसके अतिरिक्त, दिलावरपुर देवकली की क्षेत्रवार अनुकूलन आवश्यकताओं और शमन क्षमता का भी निर्धारण किया गया है।

कार्ययोजना की तैयारी के लिए सहभागी दृष्टिकोण अपनाया गया। इसके परिणामस्वरूप स्थानीय स्तर पर स्वामित्व और जवाबदेही की भावना को प्रोत्साहन मिला और जलवायु नेतृत्व के लिए समुदाय की क्षमता का विकास हुआ।

\*सम्मिलित गतिविधियों की सूची: बिजली की खपत, आवासीय खाना पकाना, डीज़ल पंप से होने वाले उत्सर्जन, यातायात, फ़सल अपशिष्ट जलाना, पशु उत्सर्जन, उर्वरक उत्सर्जन, धान की खेती एवं घरेलू अपशिष्ट जल।

1 ग्राम पंचायत कार्य योजना में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, शमन के साथ-साथ खतरा, जोखिम, नाजुकता और क्षमता विश्लेषण (एचआरवीसीए) के पहलुओं को भी सम्मिलित किया गया है।

जैसा कि क्षेत्रीय सर्वेक्षणों के दौरान बताया गया है की ग्राम पंचायत में एक राजस्व गांव, पांच मजरे और 559 घर हैं जिनकी कुल आबादी<sup>2</sup> 3,075 है। पंचायत में मुख्य आर्थिक गतिविधि कृषि है। एक आधारभूत मूल्यांकन से पता चलता है कि ग्राम पंचायत दिलावरपुर देवकली का कार्बन फुटप्रिंट  $\sim 1,130 \text{ tCO}_2\text{e}$  है।<sup>3</sup>

दिलावरपुर देवकली में त्वरित कार्य करने हेतु प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की गयी:

1. सतत कृषि पद्धतियों को अपनाकर कृषि क्षेत्र की अनुकूलन क्षमता बढ़ाना
2. जलभराव को कम करने और उस से होने वाले प्रभावों को कम करने के लिए सड़क और जल निकासी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना
3. नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) और ऊर्जा दक्षता समाधानों जैसे सोलर रूफटॉप की स्थापना, सौर-संचालित पंप, और घरों और सार्वजनिक उपयोगिताओं में ऊर्जा कुशल फिक्स्चर का उपयोग करना।
4. परिवहन और घरेलू खाना पकाने में जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल/डीजल) और पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करना
5. आजीविका विकल्पों में विविधता लाना और हरित नौकरियों के अवसर पैदा करना

संवेदनशील क्षेत्रों, समूह केन्द्रित चर्चाओं के दौरान उभर के आए मुद्दों, तथा ग्राम पंचायत में चल रही गतिविधियों से उत्पन्न समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सुझावों/संश्रुतियों को प्रस्तुत किया गया है।

यह सुझाव कृषि, जल, स्वच्छ ऊर्जा, हरित स्थलों को बढ़ावा देना, सतत कचरा प्रबंधन, सतत आवागमन, बेहतर आजीविका और हरित उद्यमिता के विषयों को समाहित करते हुए तैयार की गयी है। इन सुझावों के अंतर्गत गतिविधियों को 3 चरणों में विभाजित किया गया है – चरण I (2024-2027), चरण II (2027-2030) एवं चरण III (2030-2035)। गतिविधियों से जुड़े लक्ष्यों को ग्राम पंचायत अपने विवेकानुसार वार्षिक लक्ष्यों में विभाजित कर सकती है। साथ ही, चरणवार लक्ष्यों, अनुमानित लागत और सहायक योजनाओं (केंद्रीय और राज्य) के साथ दी गई गतिविधियों को पूरा करने के लिए धनराशि की व्यवस्था के लिए सुझाव भी प्रदान किए गए हैं।

दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत के लिए तैयार क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना (सीएसजीपीएपी) को इस तरह तैयार किया गया है कि इसकी गतिविधियों को सुगम और प्रभावकारी रूप से वर्तमान ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) की गतिविधियों के साथ जोड़ना संभव होगा।

इस प्रकार, सीएसजीपीएपी जीपीडीपी को और सुदृढ़ बनाएगी:

- वर्तमान विकास कार्यों और गतिविधियों में जलवायु दृष्टिकोण को सम्मिलित करेगी
- जीपीडीपी को सुझाई गई गतिविधियों के संग जलवायु परिवर्तन पर चल रहे राज्य और राष्ट्रीय कार्यक्रमों को जोड़ेगी

इस कार्ययोजना के अंतर्गत गतिविधियों और वार्षिक लक्ष्यों का अभिसरण दिलावरपुर देवकली जीपीडीपी की योजनाबद्ध गतिविधियों के साथ करना संभव है। जीपीडीपी के कार्यक्रमों के लिए आवंटित बजट के कुछ भाग का उपयोग सीएसजीपी की अनुकूलन और राहत कार्यों के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) (MGNREGA) जैसी योजनाओं के अंतर्गत तालाबों, नदियों में पानी के स्तर को बढ़ाने से ग्राम पंचायत को जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लाभ भी प्राप्त होंगे। उसी प्रकार, ग्यारहवीं अनुसूची (जीपीडीपी का आधार) के "गैर-पारंपरिक ऊर्जा" विषय के तहत तय धनराशि को नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने के लिए किया जा सकता है।

इस योजना के क्रियान्वन के माध्यम से बचाए गए/कम किए गए कुल उत्सर्जन का अनुमान  $\sim 2,681 \text{ tCO}_2\text{e}$  प्रति वर्ष है और अगले 20-25 वर्षों में पृथक्करण क्षमता  $33,000 \text{ tCO}_2\text{e}$  तक बढ़ सकती है। तीन चरणों में इस योजना के क्रियान्वन के लिए अनुमानित कुल लागत लगभग ₹25 करोड़ (11 वर्षों के लिए) है, जिसमें सामुदायिक निवेश, सार्वजनिक वित्त, निजी वित्त और संभावित कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) निधि सम्मिलित है। इस आवश्यक धनराशि का 30-35 प्रतिशत (लगभग ₹8 करोड़) केंद्रीय और राज्य योजनाओं/मिशनो/कार्यक्रमों से प्राप्त किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, पंचायत-निजी-भागीदारी (पीपीपी) समझौता ज्ञापन ग्राम पंचायत दिलावरपुर देवकली, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के बीच और इंडोरामा इंडिया प्रा. लिमिटेड के साथ ग्राम पंचायत में सीएसआर समर्थन के मार्ग को प्रशस्त करेगा। साथ ही, पंचायत-प्राइवेट-पार्टनरशिप (पीपीपी/PPP), दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत, पर्यावरण विभाग, वन और पर्यावरण परिवर्तन और रोसा (ROSA) पावर सप्लाय के बीच समझौता ज्ञापन द्वारा ग्राम पंचायत में सामाजिक दायित्व में जुटी कंपनियों (सीएसआर/CSR) से समर्थन प्राप्ति संभव होगी।

2 जनगणना 2011 डेटा नोट्स: कुल जनसंख्या- 1,580

3 ग्राम पंचायत के भीतर बिजली की खपत के कारण स्कोप 2 उत्सर्जन शामिल है (यूपीपीसीएल से प्राप्त आंकड़ों और सीईए के ग्रीड उत्सर्जन कारक के अनुसार)

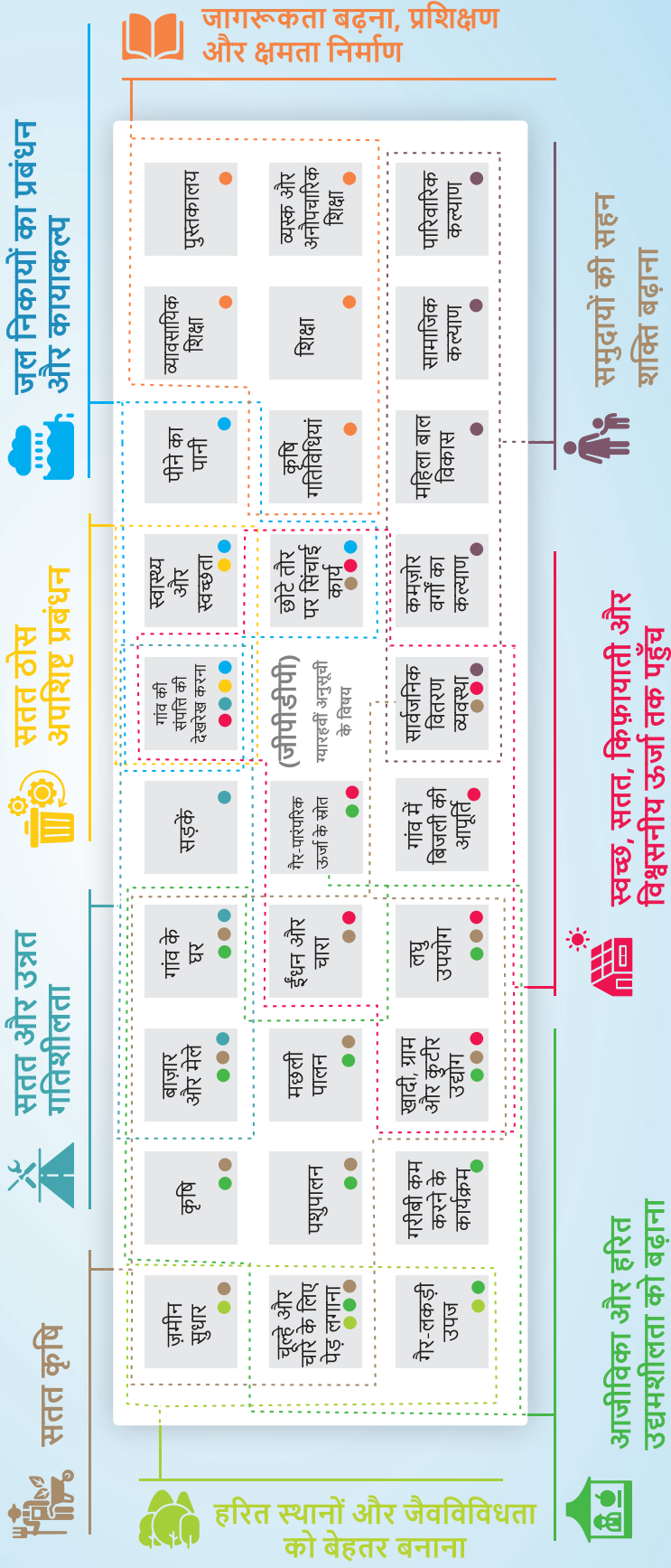


# वर्ष 2035 तक क्लाइमेट स्मार्ट और सतत ग्राम पंचायत

जलवायु संबंधी गतिविधियों को विकास कार्यों में शामिल करना

















## क्लाइमेट स्मार्ट गतिविधियाँ



## दिलावरपुर देवकली

दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत एक नज़र में<sup>†</sup>

	<b>स्थान</b>	विकास खंड भावलखेड़ा, ज़िला शाहजहांपुर
	<b>कुल क्षेत्र<sup>4</sup></b>	174.66 हेक्टेयर
	<b>संरचना</b>	2 राजस्व गांव
	<b>कुल जनसंख्या<sup>5</sup></b>	3,075
	<b>पुरुषों की संख्या</b>	1,676
	<b>महिलाओं की संख्या</b>	1,399
	<b>कुल परिवार<sup>6</sup></b>	559
	<b>पंचायत अवसंरचना</b>	4 (पंचायत भवन, 2 विद्यालय, आंगनवाड़ी केंद्र)
	<b>प्राथमिक आर्थिक गतिविधि</b>	कृषि
	<b>भूमि उपयोग<sup>7</sup></b>	159 हेक्टेयर कृषि भूमि 1.21 हेक्टेयर सार्वजनिक भूमि शेष भूमि: ~9 हेक्टेयर वन भूमि : 5 हेक्टेयर

	<b>जल संसाधन</b>	6 तालाब
	<b>कृषि-जलवायु क्षेत्र<sup>8</sup></b>	मध्य-पश्चिमी मैदान जलवायु परिस्थितियाँ: मध्यम वर्षा के साथ उपोष्णकटिबंधीय अधिकतम तापमान - 45.4 °C न्यूनतम तापमान- 4.5 °C वार्षिक वर्षा- 1032 मिमी मिट्टी का प्रकार- अधिकतर जलोढ़; पीएच सामान्य से थोड़ा क्षारीय और मध्यम मात्रा में कार्बनिक पदार्थ उपयुक्त फसलें: गेहूं, दलहन और तिलहन
	<b>ज़िले की संयुक्त संवेदनशीलता (सीवीआई) (CVI)<sup>9</sup> अधिक</b>	
	<b>ज़िले की क्षेत्रीय संवेदनशीलता</b>	आपदा प्रबंधन संबंधी जोखिम: अत्यधिक ग्रामीण विकास संबंधी जोखिम: अत्यधिक स्वास्थ्य संबंधी जोखिम: अत्यधिक वन संबंधी जोखिम: अत्यधिक पानी संबंधी जोखिम: अधिक ऊर्जा संबंधी जोखिम: अधिक कृषि संबंधी जोखिम: कम

<sup>†</sup> योजना के विकास के लिए किए गए क्षेत्र सर्वे पर आधारित

<sup>4</sup> भुवन (BHUVAN) से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर ग्राम पंचायत का क्षेत्रफल 280 हेक्टेयर है।

<sup>5</sup> जनगणना 2011 के अनुसार : कुल जनसंख्या - 1580; पुरुष- 839; महिला- 741

<sup>6</sup> 449 पक्के घर और 110 कच्चे घर (क्षेत्र सर्वे)

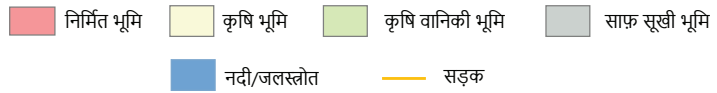
<sup>7</sup> ग्राम पंचायत के साथ कई चरणों की चर्चा के बाद प्राप्त डेटा से।

<sup>8</sup> उत्तर प्रदेश कृषि विभाग

<sup>9</sup> उत्तर प्रदेश एसएपीसीसी 2.0 (SAPCC 2.0)



**दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत**  
**भावाल्खेडा ब्लॉक**  
**शाहजहानपुर जिला**  
**उत्तर प्रदेश राज्य**



Source: स्पेस बेसड इनफार्मेशन सपोर्ट फॉर डिसेट्राइज्ड प्लानिंग  
<https://bhuvan-panchayat3.nrsc.gov.in/>

**चित्र 1:** दिलावरपुर देवकली, जिला शाहजहानपुर का भूमि उपयोग मानचित्र

## जलवायु परिवर्तनशीलता प्रोफाइल

जलवायु परिवर्तनशीलता के संबंध में आईएमडी (IMD) आंकड़ों<sup>10</sup> - तापमान और वर्षा से ज्ञात होता है की इस क्षेत्र में वर्ष 1990 से 2020 के बीच औसत वार्षिक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि हुई है (चित्र 2)। 1990 की तुलना में 2020 में औसत वार्षिक अधिकतम तापमान में 2.23 डिग्री सेल्सियस और औसत वार्षिक न्यूनतम तापमान में 2.11 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। इसी समयावधि में वार्षिक वर्षा में कमी हुई है (चित्र 3 देखें)।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन की एक नवीन रिपोर्ट बताती है कि 1991 से 2023 के बीच समग्र रूप से वैश्विक भूमि और महासागर की अपेक्षा एशिया औसत से अधिक तेजी से गर्म हुआ है और 2010-2020 के दशक में दक्षिण एशिया के बड़े हिस्से में गर्म दिनों में स्पष्ट वृद्धि हुई है।<sup>11</sup> इसी प्रकार के निष्कर्षों की पुष्टि आईपीसीसी<sup>12</sup> व पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार<sup>13</sup> द्वारा भी की गई है।

इसके अतिरिक्त, क्षेत्र सर्वेक्षण और समूह केन्द्रित चर्चा से मौसम परिवर्तन पर समुदाय के लोगों की धारणा से पता चलता है कि वर्ष 2010-2020 के दशक में, ग्राम पंचायत में गर्मी के दिनों की संख्या में औसतन 30 दिनों की वृद्धि और शीतकाल के दिनों में लगभग 40 दिनों की कमी देखी गई है। इसके साथ-साथ, उन्होंने यह भी संकेत दिया कि बारिश के दिनों की संख्या में भी लगभग 28 दिनों की कमी आई है (मानसून की शुरुआत लगभग 10-15 दिनों की देरी से होती है)।

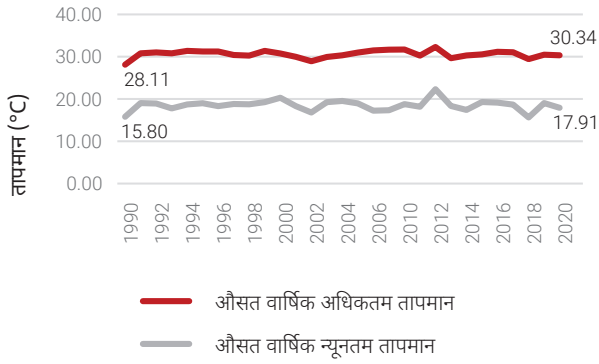
ग्राम पंचायत के लिए किए गए जलवायु परिवर्तनशीलता विश्लेषण के माध्यम से पंचायत में प्रचलित जलवायु परिवर्तनशीलता के संतुलित दृष्टिकोण को सामने लाने के लिए मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के साथ-साथ सामुदायिक धारणा दोनों को ध्यान में रखा गया।

10 दैनिक तापमान व वर्षा का डेटा बरेली, शाहजहानपुर व लखीमपुर खीरी स्थित भारतीय मौसम विभाग के मौसम केंद्र से लिया गया है

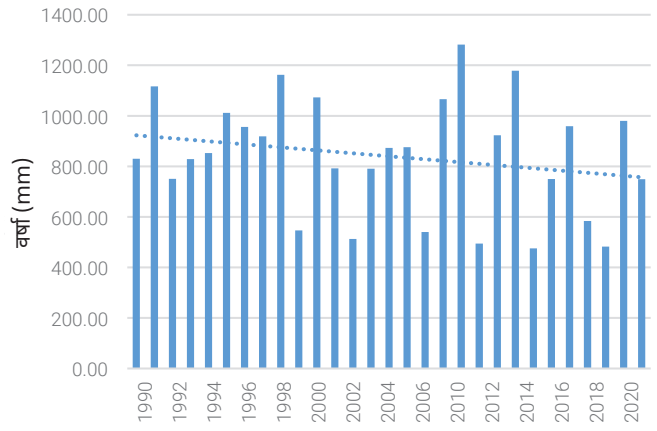
11 एशिया में जलवायु की स्थिति 2023(wmo.int)

12 AR6 Synthesis Report: Climate Change 2023 (ipcc.ch)

13 भारतीय क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन का आकलन: पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), भारत सरकार की एक रिपोर्ट | स्प्रिंगर <https://link.springer.com/book/10.1007/978-981-15-4327-2>



**चित्र 2:** दिलावरपुर देवकली का औसत वार्षिक अधिकतम और न्यूनतम तापमान, 1990-2020

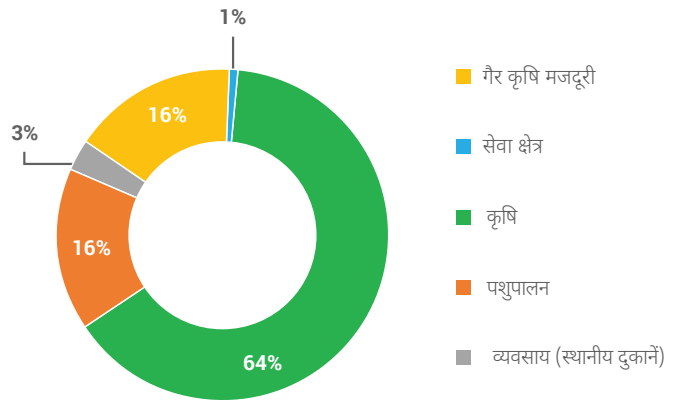


**चित्र 3:** दिलावरपुर देवकली में वार्षिक वर्षा, 1990-2020

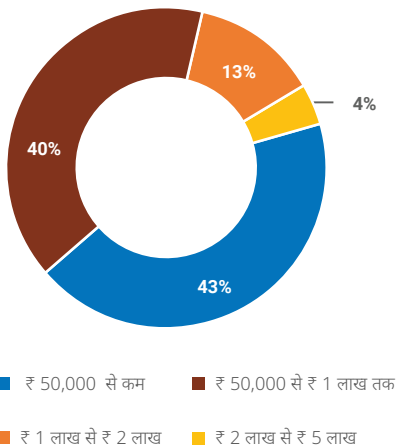
## प्रमुख आर्थिक गतिविधियां

कृषि ग्राम पंचायत में आय का मुख्य स्रोत है (चित्र 4 देखें)। इसके अतिरिक्त परिवार पशुपालन, दिहाड़ी मजदूरी, और स्थानीय व्यवसाय में संलग्न हैं।

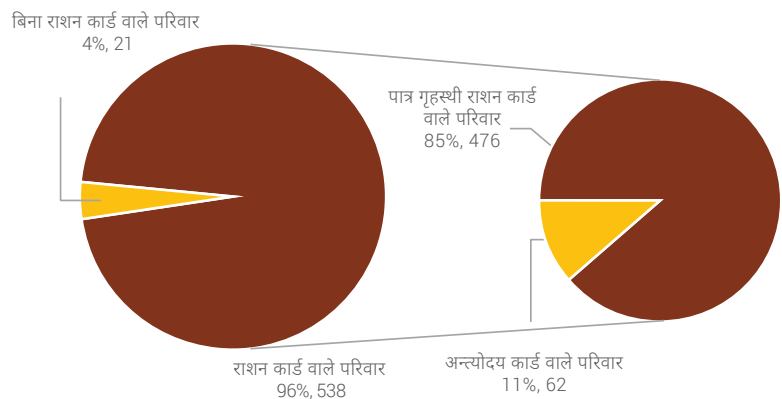
समूह केन्द्रित चर्चा के दौरान समुदाय द्वारा जानकारी दी गई कि क्षेत्र के 43% परिवारों की आय ₹50,000 से कम है और केवल 4% परिवारों की आय प्रति वर्ष ₹2,00,000 से ₹5,00,000 के बीच है (चित्र 5 देखें)। सर्वे के समय, 110 परिवार गरीबी रेखा के नीचे थे (बीपीएल) (BPL) अर्थात् कुल परिवारों का 20%। राशन कार्ड संबंधी तथ्य उजागर करते हैं की लगभग 96% परिवारों के पास राशन कार्ड हैं और ये सभी सार्वजनिक वितरण योजना का लाभ उठाते हैं, जिनमें से 11% परिवारों के पास अन्त्योदय कार्ड<sup>14</sup> हैं (चित्र 6 देखें)।



**चित्र 4:** दिलावरपुर देवकली में प्राथमिक घरेलू आय के स्रोत



**चित्र 5 :** घरेलू आय आकलन, दिलावरपुर देवकली



**चित्र 6 :** दिलावरपुर देवकली के परिवार जिनके पास राशन कार्ड हैं

14 राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोर्टल ([https://nfsa.gov.in/portal/Ration\\_Card\\_State\\_Portals\\_AA](https://nfsa.gov.in/portal/Ration_Card_State_Portals_AA))

## कार्यरत महिलाएं

दिलावरपुर देवकली में आधिकतम महिलाएं पशुपालन में संलग्न हैं। कुछ महिलाएं खेती और सिलाई जैसे अन्य कार्य करती हैं (चित्र 7 देखें)। 38 परिवारों की मुखिया महिला है<sup>15</sup> अर्थात् ग्राम पंचायत के कुल परिवारों में से 7 प्रतिशत परिवारों की मुखिया महिला है। क्षेत्र सर्वे से स्पष्ट होता है कि ग्राम पंचायत में लगभग 8 सक्रिय स्वयं सहायता समूह हैं। ये समूह पशुपालन, सिलाई/कढ़ाई के कार्य, आदि में संलग्न हैं।

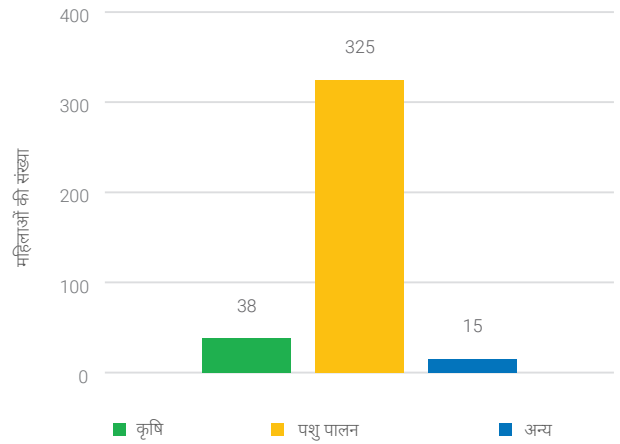
## कृषि

कुल परिवारों में से 64% परिवार कृषि संबंधी विभिन्न कार्य करते हैं<sup>16</sup> जैसा चित्र 8 में प्रदर्शित है। दिलावरपुर देवकली में शुद्ध बुआई का क्षेत्र 159 हेक्टेयर है। उगाई जाने वाली प्रमुख खरीफ़ फसल गन्ना और धान हैं (कुल कृषि भूमि का 70% से अधिक)<sup>17</sup> यहां उगाई जाने वाली प्रमुख रबी फसल गेहूं है। आलू, सरसों और परवल जैसी अन्य रबी फसलें भी यहाँ उगाई जाती हैं।

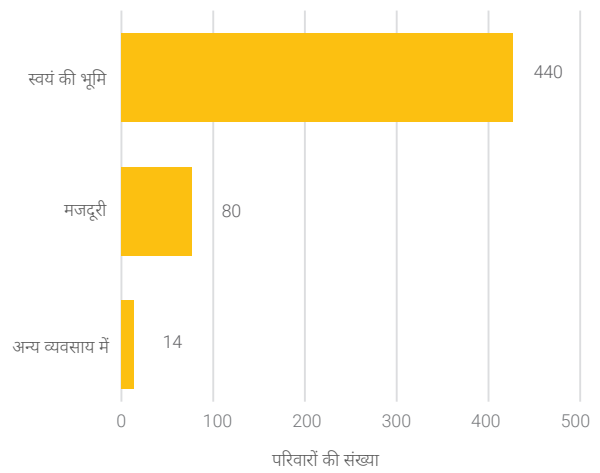
खेतों में सिंचाई हेतु पानी का मुख्य स्रोत वर्षा जल और भूमिगत जल हैं। सिंचाई के लिए 50 डीज़ल पंप और 12 इलेक्ट्रिक पंपों का उपयोग किया जाता है। ग्राम पंचायत के लगभग 16% (106) परिवार आय के लिए पशुपालन पर निर्भर हैं। कुल पशुधन आबादी 415 है जिनमें से 13 गायें (देसी और संकर), 312 भैंस (देसी), 80 बकरियां, और 10 सूअर हैं। दिलावरपुर देवकली में 03 तालाबों में मछलीपालन भी किया जाता है।

## प्राकृतिक संसाधन

दिलावरपुर देवकली में 5 हेक्टेयर चिन्हित वन क्षेत्र है। क्षेत्र सर्वे से ज्ञात होता है की 1.21 हेक्टेयर सामूहिक भूमि उपलब्ध है। यहां कुल 6 तालाब है<sup>18</sup>। कृषि वानिकी के तहत में यहां वृक्षारोपण होता है जो कि वर्तमान में 1 हेक्टेयर में फ़ैला हुआ है। इन्हें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के माध्यम से लगाया गया है। इस क्षेत्र में सामान्यतः बरगद, नीम, शीशम, नीलगिरी (यूकलिप्टस), जामुन, नींबू, और सागौन उगाए जाते हैं।



चित्र 7: दिलावरपुर देवकली में आर्थिक गतिविधियों में संलग्न महिलाओं की संख्या



चित्र 8: दिलावरपुर देवकली में कृषि पर निर्भर परिवारों की संख्या

15 महिला प्रधान परिवार वे घर हैं जहाँ महिलाएँ एकमात्र/मुख्य कमाने वाली होती हैं।

16 यह ध्यान दिया जाना आवश्यक है कि पंचायत में कई परिवार एक से अधिक तरीकों से कृषि में संलग्न हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, छोटे भूमि मालिक भी बड़े खेतों पर दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, बड़ी भूमि के मालिक किसान भी अनुबंध खेती कर सकते हैं।

17 क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान दी गयी जानकारी के अनुसार

18 क्षेत्र सर्वे के अनुसार

# दिलावरपुर देवकली में सुविधाएं

## बिजली और एलपीजी (LPG)

- बिजली की उपलब्धता: 38.28% घर
- एलपीजी (LPG) की उपलब्धता: ~74% घर

## पानी

- ग्राम पंचायत के घरों के लिए ग्राम पंचायत स्तरीय जलापूर्ति पानी का मुख्य स्रोत है - भूमिगत जल

## अपशिष्ट

पंचायत खुले में शौच से मुक्त अर्थात ओडीएफ़ (ODF) है।

## गतिशीलता और बाज़ार तक पहुंच

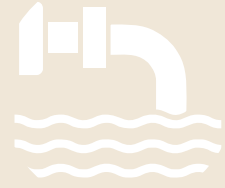
- राष्ट्रीय राजमार्ग (NH 731) से दूरी - 7 किलोमीटर
- रेलवे स्टेशन - 18 किलोमीटर
- कृषि मंडी/बाज़ार- 9 किलोमीटर
- राशन की दुकान - 2 किलोमीटर
- डाक घर - 3 किलोमीटर
- बैंक - 4 किलोमीटर

## शिक्षा

- सरकारी प्राथमिक विद्यालय
- सरकारी जूनियर/माध्यमिक विद्यालय

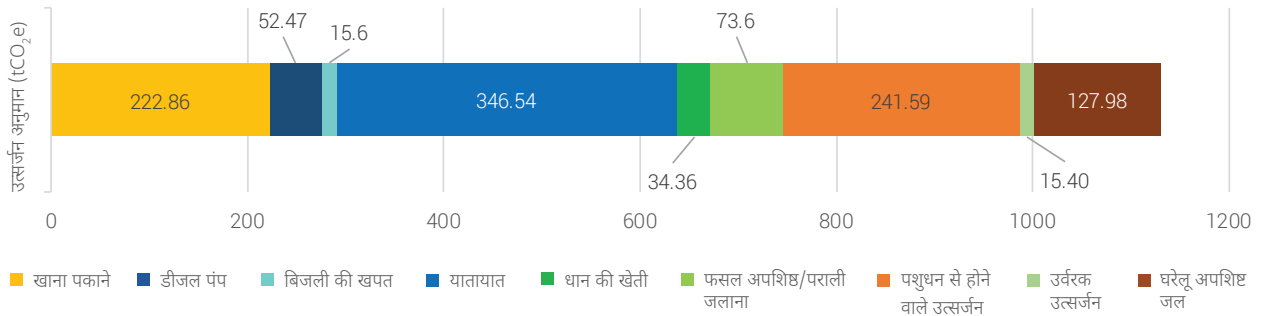
## स्वास्थ्य

- 1 आंगनवाड़ी केंद्र
- 1 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र - 4 किलोमीटर
- 1 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र - 15 किलोमीटर



ग्रामीण क्षेत्रों से कार्बन फुटप्रिंट (अर्थात, ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन) महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन इस अभ्यास का उद्देश्य ग्राम पंचायत की पूरी आधारभूत रूपरेखा विकसित करना था। इस बात पर ध्यान देना आवश्यक है कि इस योजना का उद्देश्य एक कार्बन शून्य ग्राम पंचायत नहीं, बल्कि एक क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकसित करना है। हालांकि, सुझावों में उत्सर्जन की कमी के लाभ होंगे जो शायद ग्राम पंचायत को कार्बन न्यूट्रल या कार्बन नेगेटिव बना सकते हैं। इस दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, इस अभ्यास में ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) पूर्वानुमान सम्मिलित नहीं हैं।

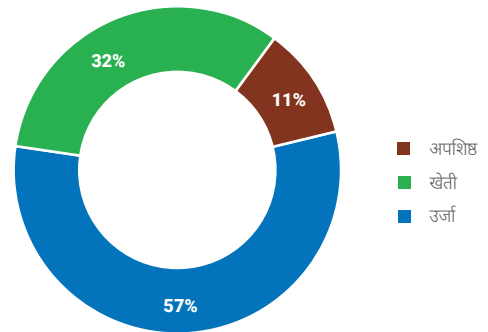
इसके अतिरिक्त, कार्बन फुटप्रिंट LIFE मिशन के सिद्धांतों के अनुरूप सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए सुझाव प्रदान करने में भी सहायता करता है। कुल मिलाकर, 2022 में, ग्राम पंचायत दिलावरपुर देवकली ने गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला से लगभग 1,130 टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष (tCO<sub>2</sub>e) उत्सर्जित किया (चित्र 9 देखें)।



चित्र 9: 2022 में दिलावरपुर देवकली में विभिन्न गतिविधियों का कार्बन फुटप्रिंट

ऊर्जा, कृषि और अपशिष्ट क्षेत्रों की गतिविधियों ने दिलावरपुर देवकली के कार्बन फुटप्रिंट में योगदान दिया है। ऊर्जा क्षेत्र का उत्सर्जन बिजली की खपत<sup>19</sup>, खाना पकाने के लिए ईंधन की लकड़ी और एलपीजी (रसोई गैस) के दहन, सिंचाई के लिए डीजल पंपों का उपयोग, पावर बैकअप के लिए जनरेटर का उपयोग और परिवहन के विभिन्न साधनों में जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल/डीजल) के दहन के कारण होता है। कृषि क्षेत्र के उत्सर्जन में धान की खेती, कृषि क्षेत्रों में उर्वरक का उपयोग, पशुधन से होने वाले उत्सर्जन और फसल अवशेष जलाने के कारण होने वाले उत्सर्जन शामिल हैं। घरेलू अपशिष्ट जल के कारण होने वाले उत्सर्जन को अपशिष्ट क्षेत्र में सम्मिलित किया गया है।

कुल उत्सर्जन में ऊर्जा क्षेत्र का हिस्सा 57 प्रतिशत था। इसमें परिवहन श्रेणी प्रमुख उत्सर्जक (~347 tCO<sub>2</sub>e) थी, इसके बाद रसोई में भोजन पकाने (~223 tCO<sub>2</sub>e) का स्थान था। कृषि क्षेत्र से होने वाला उत्सर्जन ग्राम पंचायत दिलावरपुर देवकली के कुल उत्सर्जन का 32 प्रतिशत थी, जिसमें पशुधन (~242 tCO<sub>2</sub>e) और धान की खेती (~34 tCO<sub>2</sub>e) से उत्सर्जन के प्रमुख कारण थे। कुल उत्सर्जन में अपशिष्ट क्षेत्र की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत थी (चित्र 10 देखें)।



चित्र 10: 2022 में दिलावरपुर देवकली के कार्बन फुटप्रिंट में क्षेत्रों की हिस्सेदारी

19 बिजली की खपत के कारण होने वाले उत्सर्जन को स्कोप 2 उत्सर्जन के रूप में वर्गीकृत किया गया है, क्योंकि बिजली उत्पादन के लिए ईंधन (कोयला) का दहन ग्राम पंचायत की सीमा के बाहर होता है।

पहचाने गए व्यापक मुद्दे पंचायत की आधारभूत/बेसलाइन अवस्था को स्थापित करने के लिए एकत्रित आंकड़ों और किए गए विश्लेषण, कृषि-जलवायु क्षेत्र की अंतर्निहित विशेषताओं के साथ-साथ क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान समुदाय के सदस्यों तथा समूह केन्द्रित चर्चा से प्राप्त जानकारी पर आधारित हैं। जहां भी संभव हो सका है, इस जानकारी की पुष्टि उपलब्ध सरकारी आंकड़ों के स्रोतों से भी की गई है। हालाँकि, कुछ मुद्दे पूर्ण रूप से समुदाय की जानकारी पर आधारित हैं क्योंकि इनके लिए पंचायत स्तर के आंकड़ें पुष्टि के लिए उपलब्ध नहीं थे। पंचायत में पहचाने गए मुद्दों का सारांश नीचे दिया गया है। इसके अतिरिक्त, विस्तृत मुद्दे संबंधित विषयों की संस्तुतियों को अनुभाग/सुझावों में सूचीबद्ध किया गया है।

1. मौसमी अवधि में बदलाव और अनियमित वर्षा से ग्राम पंचायत में अन्य प्रभावों के अतिरिक्त बुआई का समय, कटाई का समय और फसलों की सिंचाई की जरूरतें प्रभावित हो रही हैं।
2. जुलाई/अगस्त में बार-बार सूखा पड़ने, फरवरी/मार्च में ओलावृष्टि और जुलाई-अगस्त में जलभराव की समस्या।
3. अस्थाई कृषि और पशुपालन गतिविधियाँ
4. सीमित स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन
5. जल निकायों सहित प्राकृतिक संसाधनों के रखरखाव में कमी
6. घरों, कृषि और परिवहन की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल/डीजल) और पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता
7. पंचायत के भीतर और पंचायत से बाहर आवागमन के सीमित साधन/सीमित पैरा-ट्रांजिट
8. जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में जागरूकता का अभाव
9. स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन पर केंद्र और राज्य सरकारों की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता का अभाव



प्रत्येक विषयगत मुद्दे में शमन और अनुकूलन दोनों पर ध्यान देने के साथ कई हस्तक्षेप शामिल हैं, जो पिछले अनुभाग में पहचाने गए प्रमुख मुद्दों को संबोधित करते हैं। हस्तक्षेपों को चरणबद्ध लक्ष्यों और अनुमानित लागत के साथ वर्णित किया गया है<sup>20</sup> (जहाँ तक संभव हो)। लक्ष्य तीन चरणों में विभाजित हैं: चरण- I (2024-25 से 2026-27); चरण- II (2027-28 से 2029-30); और चरण-III (2030-31 से 2034-35)।

हर एक चरण के लक्ष्यों को वार्षिक लक्ष्यों में विभाजित किया गया है ताकि गतिविधियों का प्रभावकारी अनुश्रवण और कार्यान्वयन हो सके। वार्षिक लक्ष्यों को विकसित करने का टेम्पलेट "क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना की तैयारी हेतु मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) (SOP)" में उपलब्ध है। मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) (SOP) चरण-दर-चरण पद्धति है जिसका उपयोग ग्राम प्रधान, समुदाय के सदस्य या कोई और हितधारक अपने ग्राम पंचायत के लिए क्लाइमेट स्मार्ट कार्ययोजना तैयार करने के लिए कर सकता है।

इसके लिए आवश्यक धनराशि की व्यवस्था वार्षिक बजट द्वारा केन्द्रीय या राज्य योजनाओं, ग्राम पंचायत की विभिन्न टाइड और अनटाइड निधियों या कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व में जुटी कंपनियों के माध्यम से होगी। निम्न भाग में इससे संबंधित विस्तारित गतिविधियां प्रस्तुत हैं:

## कार्ययोजना में प्रस्तावित गतिविधियां निम्न विषयों पर केन्द्रित हैं:

1. सतत कृषि
2. जल निकायों का प्रबंधन तथा कायाकल्प
3. हरित क्षेत्रों और जैवविविधता का विस्तार
4. सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
5. स्वच्छ, सतत, किफ़ायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच
6. सतत और उन्नत गतिशीलता
7. आजीविका एवं हरित उद्यमशीलता को बढ़ाना

इसके अतिरिक्त, सुझावों का हिस्सा न बनते हुए, पंचायतों द्वारा विचार के लिए संभावित पहलों/प्रयासों की भी एक सूची बनाई गई है जो पहले भारत के कुछ हिस्सों में सफलतापूर्वक क्रियान्वित की गई हैं और यहाँ भी दोहराई जा सकती हैं। हालांकि, इन पहलों को उत्तर प्रदेश कि किसी संचालित योजनाओं/कार्यक्रमों में सम्मिलित नहीं किया गया है, इस कारण इन पहलों हेतु वित्तपोषण समुदायों द्वारा अथवा कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) और निजी स्रोतों के माध्यम से किया जा सकता है। इस कारण इन्हें मुख्य संस्क्रुतियों में सम्मिलित नहीं किया गया है।

20 प्रस्तावित लागतों को विभिन्न तरीकों के आधार पर अनुमानित कर वर्णित किया गया है जैसे: ग्राम पंचायत के प्रमुख सदस्यों से प्राप्त सुझाव, या प्रासंगिक योजनाओं और नीतियों के अनुसार लागत अनुमान, या आवश्यक इनपुट की प्रति यूनिट अनुमानित लागत या विभिन्न विभागों के दरों की अनुसूची।

# 1 सतत कृषि



## संदर्भ और मुद्दे<sup>21</sup>

- दिलावरपुर देवकली में कृषि का कुल क्षेत्रफल 159 हेक्टेयर है
- ग्राम पंचायत में 64% परिवार कृषि पर निर्भर हैं और 16% परिवार की पशुपालन पर निर्भर हैं।
- यहां उगाई जाने वाली प्रमुख फसलें गन्ना, धान, गेहूं, सरसों, आलू और अन्य सब्जियां (परवल, तोरई, लौकी आदि) हैं। क्षेत्र सर्वेक्षण से यह भी पता चला कि लगभग 2 हेक्टेयर भूमि सब्जी की खेती के अंतर्गत है।
- जैसा कि समुदाय द्वारा बताया गया है, ग्राम पंचायत में मौसमी अवधि में बदलाव और वर्षा में बदलाव की घटनाओं में वृद्धि हुई है। 2018 से 2022 तक दिलावरपुर देवकली में सालाना सूखा (जुलाई/अगस्त में) और ओलावृष्टि (फरवरी/मार्च में) की घटनाएँ घटित हुई हैं।
- इन परिवर्तनों के परिणामस्वरूप, मानसून के देर से आने के कारण धान की बुआई का मौसम जुलाई की शुरुआत से अगस्त तक स्थानांतरित हो गया है। इसी तरह, सर्दी देर से शुरू होने के कारण गेहूं की बुआई भी अब नवंबर से दिसंबर में स्थानांतरित हो गई है।
- फील्ड सर्वेक्षण में यह भी जानकारी मिली है की वर्ष 2018-2022 की अवधि में अनियमित वर्षा और बीमारियों के कारण गेहूं (~ 350 क्विंटल), धान (~ 180 क्विंटल) और सरसों (~ 60 क्विंटल) का नुकसान हुआ है। इससे रुपये 11,90,000 (संबंधित वर्षों के प्रचलित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) द्वारा पुष्टि) का अनुमानित नुकसान हुआ है।
- किसान प्रति वर्ष ~5 टन यूरिया और अन्य नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों का उपयोग करते हैं जिससे प्रति वर्ष ~321 टन CO<sub>2</sub>e का ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) का उत्सर्जन होता है। किसान कीटनाशकों और खरपतवारनाशी जैसे अन्य रासायनिक उत्पादों पर भी निर्भर हैं।
- दिलावरपुर देवकली में प्राकृतिक खेती नहीं की जाती।
- क्षेत्रीय सर्वेक्षणों में बताया गया है कि कृषि में सिंचाई हेतु जल का उपयोग बढ़ गया है, जिसमें जल संरक्षण और बेहतर सिंचाई तकनीकों की आवश्यकता पर जोर दिया गया है।

उपरोक्त बिंदु अनुकूलन क्षमता बढ़ाने के लिए सतत और सूखा प्रतिरोधी कृषि पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं।

21 जैसा कि क्षेत्र सर्वेक्षण और समूह केन्द्रित चर्चाओं (एफजीडी) के दौरान समुदाय से समझा गया और प्रासंगिक स्रोत द्वारा पुष्टि की गई



## जलवायु परिवर्तन सहनशीलता विकसित करना

चरण

I

2024-25 से 2026-27

1. उपयुक्त कृषि भूमि पर ड्रिप सिंचाई और स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों को बढ़ावा देना और अपनाना<sup>22</sup>
2. खेतों के आसपास पेड़ वाली मेड़बन्दी बनाना
3. कृषि तालाब बनाना
4. सूखा सहन करने वाली धान की खेती करना और ड्राई डायरक्ट-सीडेड राइस अपनाना
5. सूखा सहन करने वाली गेहूं की खेती करना
6. किसान बाजरा, ज्वार, काले चने, आदि की खेती कर सकते हैं<sup>23</sup>(ऐसी फ़सलें जिन्हें कम पानी की आवश्यकता होती है)
7. किसानों को फ़सल के नुकसान से बचाव के लिए विभिन्न बीमा योजनाओं के बारे में जागरूक करना

II

2027-28 से 2029-30

1. सूक्ष्म सिंचाई का विस्तार करना
2. मेड़बन्दी के आकार में वृद्धि करना
3. अतिरिक्त कृषि तालाब बनाना
4. सूखा सहन करने वाली फ़सलों को अपनाने संबंधी चरण 1 की गतिविधियों को जारी रखना
5. बाजरा और दलहन जैसी सूखा सहन करने वाली फ़सलों सहित फ़सल चक्र और मिश्रित फ़सल अपनाना
6. किसानों को फ़सल के नुकसान से बचाव के लिए विभिन्न बीमा योजनाओं के बारे में जागरूक करना

III

2030-31 से 2034-35

1. सूक्ष्म सिंचाई प्रक्रियाओं का विस्तार करना
2. मेड़बन्दी और पेड़ों का रखरखाव करना
3. अतिरिक्त पेड़ लगाना (आवश्यकतानुसार)
4. मौजूदा कृषि तालाबों की देखरेख करना
5. अतिरिक्त चावल और गेहूं के ऐसे प्रकार लगाना जो सूखा सहन कर सकते हैं
6. ज्यादा-से-ज्यादा सूखा सहन करने वाली फ़सल जैसे बाजरा और दलहन अपनाना

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियां

लक्ष्य

1. ~34 हेक्टेयर (30%) उपयुक्त कृषि भूमि पर सूक्ष्म सिंचाई<sup>24</sup>
2. ~80 हेक्टेयर (50%) कृषि भूमि पर मेड़बन्धी करना
3. 300 m<sup>3</sup> क्षमता वाले 5 कृषि तालाब बनाना
4. सूखा सहन करने वाली फ़सलों पर जानकारी प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करना

1. उपयुक्त कृषि भूमि के अतिरिक्त ~45 हेक्टेयर (संचयी 70%) पर सूक्ष्म सिंचाई
2. शेष 79 हेक्टेयर कृषि भूमि के चारों ओर मेड़बन्धी करना (100%)
3. आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कृषि तालाब बनाना

1. अतिरिक्त ~34 हेक्टेयर उपयुक्त कृषि भूमि पर सूक्ष्म सिंचाई (संचयी 100%)
2. मेड़बन्धी और कृषि तालाबों का रख-रखाव करना

22 उपयुक्त कृषि भूमि में गन्ना, सरसों, आलू और अन्य सब्जियों के अंतर्गत आने वाली भूमि सम्मिलित है

23 ज़िले के लिए कृषि आकस्मिक योजना: शाहजहांपुर (<https://krishi.icar.gov.in/jspui/bitstream/123456789/49486/1/UP65-Shahjhanpur-26.7.2012.pdf>)

24 गन्ना और सब्जियों का क्षेत्रफल: लगभग 113 हेक्टेयर

## अनुमानित लागत

<ol style="list-style-type: none"> <li>1. सूक्ष्म सिंचाई - ₹34,00,000</li> <li>2. मेड़बन्दी बनाना: लगभग ₹1,34,100</li> <li>3. कृषि तालाब: ₹4,50,000</li> </ol> <p>कुल लागत लगभग ₹39,84,100</p>	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. सूक्ष्म सिंचाई - ₹45,00,000</li> <li>2. मेड़बन्दी बनाना - लगभग ₹1,33,350</li> <li>3. कृषि तालाब - आवश्यकतानुसार लागत</li> </ol> <p>कुल लागत लगभग ₹46,33,350</p>	<p>सूक्ष्म सिंचाई: लगभग ₹34,00,000</p>
--	---	--



## प्राकृतिक कृषि को अपनाना

### चरण

I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
<p>जैविक उर्वरक, जैव-कीटनाशकों और जैव-खरपतवारनाशकों के उपयोग के माध्यम से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>» प्रशिक्षण और प्रदर्शन</li> <li>» जैविक/प्राकृतिक कृषि प्रमाणन का प्रारंभ करना</li> <li>» बाज़ार तक पहुंच और उनके साथ संपर्कों का विस्तार करना</li> </ul>	<p>चरण I की गतिविधियों का विस्तार करना</p>	<p>पिछले चरण की गतिविधियों का विस्तार करना</p>

## सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियां

### लक्ष्य

~24 हेक्टेयर (15%) भूमि को प्राकृतिक खेती में परिवर्तित करना	अतिरिक्त ~40 हेक्टेयर (संचयी 40%) भूमि को प्राकृतिक खेती में परिवर्तित करना	अतिरिक्त ~95 हेक्टेयर (संचयी 100%) भूमि को प्राकृतिक खेती में परिवर्तित करना
--	---	--

## अनुमानित लागत

<ol style="list-style-type: none"> <li>1. प्रशिक्षण (एक बार) ₹60,000</li> <li>2. प्राकृतिक खेती अपनाना ₹24,00,000</li> </ol> <p>कुल लागत: लगभग ₹24,60,000</p>	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. प्रशिक्षण (एक बार) ₹60,000</li> <li>2. प्राकृतिक खेती अपनाना ₹40,00,000</li> </ol> <p>कुल लागत: लगभग ₹40,60,000</p>	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. प्रशिक्षण (एक बार) ₹60,000</li> <li>2. प्राकृतिक खेती अपनाना लगभग ₹95,00,000</li> </ol> <p>कुल लागत: लगभग ₹95,60,000</p>
---	---	--



## सतत पशुधन प्रबंधन

चरण

I

2024-25 से 2026-27

II

2027-28 से 2029-30

III

2030-31 से 2034-35

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियां

1. पशुधन प्रबंधन के लिए पशुपालन में लगे परिवारों की जागरूकता बढ़ाना और क्षमता निर्माण करना
2. पशुधन स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार के लिए समुदाय के सदस्यों को पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता/ पैरा-पशु चिकित्सक/पैरा-वेट के रूप में प्रशिक्षित करना
3. पशुधन से मीथेन उत्सर्जन को कम करने हेतु अनुभाग "विचारार्थ अतिरिक्त परियोजनाओं की सूची" से संदर्भ लें।

1. प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण गतिविधियों का विस्तार करना
2. आवश्यकता के अनुसार पैरा-वेट के और अधिक प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन करना

1. प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण गतिविधियों का विस्तार करना
2. आवश्यकता के अनुसार पैरा-वेट के और अधिक प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन करना

लक्ष्य

1. पशुपालन में लगे परिवारों के लिए स्थायी पशुपालन प्रथाओं, बीमारी की रोकथाम और पशुधन स्वास्थ्य के प्रबंधन पर कार्यशालाएँ आयोजित करना
2. 2 पैरा-वेट्स<sup>25</sup> के प्रशिक्षण का आयोजन

1. रोग की रोकथाम और स्थायी पशुपालन प्रथाओं पर अतिरिक्त कार्यशालाओं का आयोजन करना
2. पशुधन की देखभाल के लिए निरंतर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण

1. रोग की रोकथाम और स्थायी पशुपालन प्रथाओं पर अतिरिक्त कार्यशालाओं का आयोजन करना
2. पशुधन की देखभाल के लिए निरंतर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण

अनुमानित लागत

कार्यशाला और पैरा-वेट प्रशिक्षण की लागत: आवश्यकता के अनुसार

आवश्यकता के अनुसार

आवश्यकता के अनुसार

## वर्तमान योजनाएं और कार्यक्रम

- प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना, उत्तर प्रदेश बाजरा पुनरुद्धार कार्यक्रम, प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना, मौसम आधारित फसल बीमा योजना, ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना से धनराशि और सब्सिडी प्राप्त कर अकाल प्रबंधन और अकाल राहत गतिविधियों को किया जा सकता है।
- अकाल राहत गतिविधि, नर्सरी और बीज बैंकों के स्थापना कार्यों को मनरेगा के माध्यम से सुव्यवस्थित किया जा सकता है
- जैविक खेती गतिविधियों को विभिन्न योजनाओं के तहत प्रदान की गई धनराशि और सब्सिडी द्वारा समर्थन दिया जा सकता है, जैसे: परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) (PKVY) और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन योजना

25 पंचायत की आवश्यकता के आधार पर समुदाय-आधारित पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करना

- राष्ट्रीय और क्षेत्रीय जैविक खेती केंद्रों (एनसीओएफ और आरसीओएफ) (NCOF & RCOF), कृषि विज्ञान केंद्र तथा कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग के निकटतम जैविक खेती सेल के माध्यम से किसानों को तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ उनके लिए जैविक खेती प्रदर्शनों का आयोजन भी किया जा सकता है।
- कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) (ATMA) की सहायता से किसानों और एफपीओ (FPOs) के लिए प्रशिक्षण और क्षमता विकास सत्रों का आयोजन और उनकी प्रौद्योगिकी उन्नयन और सतत कृषि संबंधी जानकारी में वृद्धि की जा सकती है।
- कृषि रक्षा योजना विभिन्न पारिस्थितिक संसाधनों के माध्यम से कीट नियंत्रण में किसानों की सहायता करती है और जैव रसायनों के उपयोग का प्रचार भी करती है।
- राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, उत्तर प्रदेश पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण योजना और राष्ट्रीय गोकुल मिशन जैसी राज्य योजनाओं के माध्यम से पैरा-पशुचिकित्सक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण का लाभ उठाया जा सकता है।

## वित्त के अन्य स्रोत

- "स्वच्छ, सतत, किफायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच" भाग में उल्लिखित योजनाओं के अनुरूप स्थापना और संचालन
  - » कोल्ड-स्टोरेज सुविधा ताकि फसल के बाद के नुकसान को कम किया जा सके
  - » नवीकरणीय ऊर्जा संचालित पशुशालाएं
- जैविक खेती की प्रक्रियाओं और लाभों, उसके लिए आवश्यक उर्वरक और बीजों, प्रदर्शन, सूचना और मार्गदर्शन के प्रासंगिक स्रोत, पंजीकरण प्रक्रिया, सत्यापन और प्रमाणन प्रक्रिया, बाज़ार के साथ संपर्क बनाने और मौसम-आधारित सूचना सेवाओं आदि के बारे में जानकारी प्रदान करना।
  - » किसानों, एफपीओ (FPO), स्वयं सहायता समूहों और अन्य समुदाय के सदस्यों को बीमा, विभिन्न योजनाओं तथा क्लाउडमेट स्मार्ट कृषि प्रक्रियाओं के तकनीकी पहलुओं जैसे जैविक उर्वरकों को अपनाने, पारंपरिक खेती से जैविक खेती में परिवर्तन, सूखारोधी कृषि और सतत पशुधन प्रबंधन के बारे में मार्गदर्शन, प्रशिक्षण प्रदान करना और उनकी क्षमता का विकास करना।
  - » साथ ही, दिलावरपुर देवकली में सतत कृषि करने वाले किसानों, एफपीओ (FPO), स्वयं सहायता समूहों, और समुदाय के सदस्यों के क्षमता विकास का कार्य क्षेत्र के तकनीकी विशेषज्ञों और संस्थानों, स्थानीय गैर सरकारी संगठनों, सीएसओ (CSO) और कंपनियों के सहयोग से किया जा सकता है।

## मुख्य विभाग

- कृषि विभाग
- भूमि संसाधन विभाग
- जल शक्ति विभाग
- पशुपालन विभाग
- उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीनकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीएनईडीए) (UPNEDA)
- जैविक खेती हेतु क्षेत्रीय केंद्र
- कृषि विज्ञान केंद्र, शाहजहांपुर

# 2

## जल निकायों का प्रबंधन तथा कायाकल्प



### संदर्भ और मुद्दे<sup>26</sup>

- दिलावरपुर देवकली में पानी का प्राथमिक स्रोत भूजल है। यहां 380 से अधिक हैंडपंप (सरकारी और निजी दोनों) उपयोग में हैं। 2018 से 2022 के बीच जुलाई/अगस्त के महीनों में लगातार सूखे की घटनाएं घटित हुई हैं।
- पानी के लिए परिवार हैंडपंप पर निर्भर हैं। ग्राम पंचायत में 6 तालाब हैं। हालाँकि, इन तालाबों का रखरखाव भली प्रकार से नहीं किया जाता है और ये गाद, मलबे, खरपतवार और प्लास्टिक से भर हुए हैं। इससे पानी की गुणवत्ता प्रभावित होती है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होती हैं।
- दिलावरपुर देवकाली में जलभराव एक प्रमुख चिंता का विषय है, विशेषकर मानसून के मौसम में। यह असक्षम और खराब रखरखाव वाले जल निकासी बुनियादी ढांचे के कारण और भी गंभीर हो गया है। यह सड़कों को भी नुकसान पहुंचाता है ('स्थायी और उन्नत गतिशीलता' में संबोधित)।
- दिलावरपुर देवकाली सिंचाई के लिए ज्यादातर भूजल और बारिश पर निर्भर है और ग्रामवासियों के अनुसार कृषि गतिविधियों के लिए पानी की आवश्यकता पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी है।

भूजल पर निर्भरता और सूखे की लगातार घटनाएं, जल संरक्षण और भूजल संसाधनों को फिर से भरने के लिए वाटरशेड प्रबंधन की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालती हैं। दिलावरपुर देवकाली में संवेदनशीलता को कम करने, लचीलापन बनाने और पानी की उपलब्धता में सुधार के लिए निम्नलिखित गतिविधियां प्रस्तावित हैं।



### तालाबों की देखरेख

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियां	<ol style="list-style-type: none"><li>तालाबों की सफ़ाई करना, मिट्टी निकालना और उनके आसपास बाड़ लगाना</li><li>ट्री गार्ड सहित पेड़ लगाना</li></ol>	<ol style="list-style-type: none"><li>तालाबों के आसपास ट्री गार्ड सहित अतिरिक्त 1,000 पेड़ लगाना</li><li>जल निकायों का रखरखाव</li></ol>	समय-समय पर तालाबों की देखरेख करना

26 जैसा कि क्षेत्र सर्वेक्षण और समूह केन्द्रित चर्चा (एफजीडी) के दौरान समुदाय द्वारा बताया गया और प्रासंगिक स्रोतों द्वारा पुष्टि की गई

लक्ष्य	1. 6 तालाबों की सफ़ाई और उनसे मिट्टी निकालना <sup>27</sup>	1. 1,000 साधारण और लुप्तप्रायः पौधे बोना और उनकी 65% जीवित रहने की दर सुनिश्चित करना (ट्री गार्ड के उपयोग द्वारा)।	सभी जल निकायों का रखरखाव
	2. 1000 साधारण और लुप्तप्रायः पौधे बोना और उनकी 65% जीवित रहने की दर सुनिश्चित करना (ट्री गार्ड के उपयोग द्वारा)।	2. समय-समय पर नदी/तालाबों की देखरख करना और समुदाय और अन्य हितधारकों की क्षमता का विकास करना	
अनुमानित लागत	1. 6 तालाबों /नदी की सफ़ाई: ₹90,00,000	1. वृक्षारोपण के लिए कुल लागत: ₹12,70,000	6 तालाबों का रखरखाव = ₹22,50,000
	2. वृक्षारोपण के लिए कुल लागत: ₹12,70,000 <sup>28</sup>	2. 3 तालाबों का रखरखाव = ₹22,50,000	
	कुल लागत: ₹90,00,000	कुल लागत: ₹22,50,000	

## नाली व्यवस्था को बेहतर बनाना

चरण	<b>I</b> 2024-25 से 2026-27	<b>II</b> 2027-28 से 2029-30	<b>III</b> 2030-31 से 2034-35
	सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ		
लक्ष्य	1. नई नालियों का निर्माण	चरण I की गतिविधियों का कार्यान्वयन जारी रखना	चरण I की गतिविधियों का कार्यान्वयन जारी रखना
	2. जलभराव को रोकने के लिए - वर्तमान नालियों की सफ़ाई, उनसे मिट्टी निकालना और उनकी मरम्मत करना		
	1. 8 स्थानों में नालियों का निर्माण करना <sup>29</sup> - कुल लंबाई 1365 मीटर	पानी जमा होने की समस्या से बचाव के लिए सभी नालियों का नियमित रखरखाव	पानी जमा होने की समस्या से बचाव के लिए सभी नालियों का नियमित रखरखाव
	2. 5 स्थानों में वर्तमान 1900 मीटर लंबी नालियों की मरम्मत करना <sup>30</sup>		

27 नदी/तालाबों का प्रबंधन और उन्हें पहले जैसा बनाना तालाबों के स्थानों के लिए संसाधन मानचित्र देखें - तालाब 1 -0.5 हेक्टेयर; तालाब 2- 0.5 हेक्टेयर; तालाब 3- 0.4 हेक्टेयर; तालाब 4- 0.4 हेक्टेयर; तालाब 5- 0.35 हेक्टेयर; तालाब 6- 0.7 हेक्टेयर

28 वृक्षारोपण के लिए लागत जो 'हरित क्षेत्रों/हरियाली का विस्तार' अनुभाग में उल्लिखित है

29 स्थानों के विवरण जानने के लिए एचआरवीसीए (HRVCA) देखें

30 स्थानों के विवरण जानने के लिए एचआरवीसीए (HRVCA) देखें



## अनुमानित लागत

- 1.36 किलोमीटर लंबी नालियों के निर्माण के लिए कुल लागत: ₹61,00,000
  - वर्तमान नालियों की मरम्मत: ₹38,00,000
- कुल लागत: ₹99,00,000

आवश्यकतानुसार

आवश्यकतानुसार



## वर्षा जल संचयन संबंधी प्रथाएं

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियां	<ol style="list-style-type: none"> <li>सभी सरकारी इमारतों - पंचायत भवन, विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्र में वर्षा जल संचयन प्रणाली का निर्माण करना</li> <li>ग्राम स्तर पर पानी समिति या ग्राम जल और स्वच्छता समिति (वीडब्ल्यूएससी) (VWSC) या जल उपयोग समिति की स्थापना करना</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>1500 वर्ग फीट से अधिक बड़े आवासीय इमारतों में वर्षा जल संचयन प्रणाली का निर्माण करना</li> <li>सभी नई इमारतों में अनिवार्य रूप से वर्षा जल संचयन प्रणाली का निर्माण करना</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>1000 वर्ग फीट से अधिक बड़ी आवासीय इमारतों में वर्षा जल संचयन प्रणाली का निर्माण करना</li> <li>सभी नई इमारतों में अनिवार्य रूप से वर्षा जल संचयन प्रणाली का निर्माण करना</li> </ol>
लक्ष्य	4 सरकारी इमारतों - पंचायत भवन, 2 विद्यालयों, 1 आंगनवाड़ी केंद्र में वर्षा जल संचयन प्रणाली का निर्माण करना	30 पक्के घरों में 10 मीटर की औसत क्षमता वाली वर्षा जल संचयन प्रणाली का निर्माण करना।	70 पक्के घरों में 10 मीटर की औसत क्षमता वाली वर्षा जल संचयन प्रणाली का निर्माण करना।
अनुमानित लागत	4 वर्षा जल संचयन प्रणालियों की लागत: ₹1,40,000	30 वर्षा जल संचयन प्रणालियों की लागत: ₹10,50,000	70 वर्षा जल संचयन प्रणालियों की लागत: ₹24,50,000

## वर्तमान योजनाएं और कार्यक्रम

- जल शक्ति अभियान के 'कैच द रेन अभियान' के माध्यम से प्रदान किए गए प्रावधानों और संसाधनों से वर्षा जल संचयन प्रणालियों का निर्माण किया जा सकता है।
- सिंचाई विभाग के तहत उत्तर प्रदेश राज्य वार्षिक बजट का उपयोग ग्राम पंचायत स्तरीय जल स्रोतों के संरक्षण और बहाली गतिविधियों के लिए कर सकता है।
- मनरेगा के तहत वार्षिक बजट और प्रधान मंत्री सिंचाई योजना के तहत जलसंभर विकास घटक का उपयोग जलसंभर विकास गतिविधियों के लिए किया जा सकता है।

## वित्त के अन्य स्रोत

- तालाबों और कुओं के रखरखाव में कॉर्पोरेट/कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व में जुटी कंपनियों का योगदान प्राप्त करने के लिए उन्हें 'एक जल निकाय अपनाने' के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।

## मुख्य विभाग

- ग्राम्य विकास विभाग
- सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग
- उत्तर प्रदेश भूमि संसाधन विभाग

# 3

## हरित क्षेत्रों और जैवविविधता का विस्तार



### संदर्भ और मुद्दे<sup>31</sup>

- दिलावरपुर देवकली में ~1 हेक्टेयर क्षेत्र में वृक्षारोपण है। बरगद, नीम, शीशम, नीलगिरी, जामुन, नींबू, सागौन और आम की प्रजातियों को रोपित किया गया है।
- ग्राम पंचायत के पास ~5 हेक्टेयर की सीमांकित वन भूमि भी है।

हालाँकि ये गतिविधियाँ दिलावरपुर देवकली में की जा रही हैं, कुछ सामान्य भूमि की उपलब्धता के साथ दिलावरपुर देवकली में हरित स्थानों को बढ़ाने की और संभावना है। इससे न केवल तापमान में कमी आएगी और छाया मिलेगी अपितु ग्राम पंचायत में कार्बन सिंक को बढ़ाने के अलावा, लंबी अवधि में मिट्टी के स्वास्थ्य और जल स्तर में सुधार करने में भी मदद मिलेगी।

### हरित क्षेत्रों/ हरियाली को बेहतर बनाना

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियाँ	<p>विभिन्न अभियानों के माध्यम से वार्षिक सामुदायिक वृक्षारोपण गतिविधियों का आयोजन करना:<sup>32</sup></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>» विद्यार्थियों के लिए हरित प्रबंधन कार्यक्रम<sup>33</sup> का आयोजन (5 विद्यार्थियों का चयन होगा)</li> <li>» देसी फ़लों के पेड़ लगाकर खाद्य वनों का निर्माण</li> <li>» आरोग्य वन तैयार करना - भूमि का चयन कर उसे तैयार करना, जड़ी-बूटियों, छोटे पौधों और वृषों का चयन कर उन्हें बोना<sup>34</sup></li> </ul>	<ol style="list-style-type: none"> <li>बाल वन तैयार कर वृक्षारोपण की गतिविधियों को जारी रखते हुए उनका विस्तार करना<sup>35</sup></li> <li>किसानों को कृषि वन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना<sup>36</sup></li> <li>आरोग्य वन तैयार करना</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>वृक्षारोपण की गतिविधियाँ जारी रखना - बाल वन, खाद्य वन और अन्य वृक्षारोपण कार्य</li> <li>कृषि-वन प्रयास के तहत 20 हेक्टेयर (कृषि वन के लिए उपयुक्त भूमि का 100% भूमि पर कृषि वन तैयार करना</li> <li>आरोग्य वन को बनाए रखना और प्राकृतिक औषधियों और अनुपूरकों का उत्पादन जारी रखना</li> </ol>

31 जैसा कि क्षेत्र सर्वेक्षण और समूह केन्द्रित चर्चा (एफजीडी) के दौरान समुदाय से समझा गया और प्रासंगिक स्रोतों द्वारा पुष्टि की गई।

32 संलग्नक VI में वृक्षों के नामों की सूची है

33 स्कूली बच्चों से पौधे लगवाए जाएंगे और हर एक कक्षा से विद्यार्थी मार्गदर्शकों को चुना जाएगा जो ग्राम पंचायत में अपने जैसे अन्य विद्यार्थियों को पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

34 संलग्नक VI में वृक्षों को नामों की सूची है

35 नए माता-पिताओं को उनके बच्चे के जन्म के अवसर पर देसी सदाबहार पेड़ों के पौधे दिए जाएंगे और उन्हें अपने बच्चे के साथ-साथ उन पौधों की देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा

36 उपयुक्त भूमि में कृषि वन तैयार किया गया। यहाँ, हमने 20 हेक्टेयर भूमि का चयन किया है (गेहूँ, आलू, परवल और सरसों)

## लक्ष्य

<ol style="list-style-type: none"> <li>1,000 साधारण और लुप्तप्रायः पौधे बोना और उनकी 65% जीवित रहने की दर सुनिश्चित करना (ट्री गार्ड के उपयोग द्वारा)।             <ul style="list-style-type: none"> <li>» 15-20 वर्षों में 2,800 tCO<sub>2</sub> से 3,600 tCO<sub>2</sub> को कम करना।</li> </ul> </li> <li>लगभग 0.2 हेक्टेयर भूमि आरोग्य वन के लिए आवंटित करना</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>सड़कों, पगडंडियों के किनारे और नदी/तालाबों के आसपास अतिरिक्त 1,000-1,500 पौधे लगाना             <ul style="list-style-type: none"> <li>» 15-20 वर्षों में 2,800 tCO<sub>2</sub> से 4,800 tCO<sub>2</sub> को कम करना।</li> </ul> </li> <li>10 हेक्टेयर भूमि में कृषि वन तैयार करना (1000 वृक्षारोपण करना)             <ul style="list-style-type: none"> <li>» (20 वर्षों में सागौन की अधिग्रहण संभवना = 5,600 tCO<sub>2</sub> से 9,900 tCO<sub>2</sub>)</li> </ul> </li> <li>आरोग्य वन तैयार करना और उसे बनाए रखना             <ul style="list-style-type: none"> <li>» महिला समूहों, युवा समूहों का क्षमता निर्माण करना ताकि वे प्राकृतिक औषधियों और अनुपूरकों का निर्माण और उनका प्रचार कर सकें</li> </ul> </li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>सड़कों, पगडंडियों के किनारे और नदी/तालाबों के आसपास अतिरिक्त 1,000-1,500 पौधे लगाना             <ul style="list-style-type: none"> <li>» 15-20 वर्षों में 2,800 tCO<sub>2</sub> से 4,800 tCO<sub>2</sub> को कम करना।</li> </ul> </li> <li>अतिरिक्त 10 हेक्टेयर भूमि में कृषि वन तैयार करना, 1000 वृक्षारोपण करना             <ul style="list-style-type: none"> <li>» (20 वर्षों में सागौन की अधिग्रहण संभवना = 5,600 tCO<sub>2</sub> से 9,900 tCO<sub>2</sub>)</li> </ul> </li> <li>आरोग्य वन को बनाए रखना और प्राकृतिक औषधियों और अनुपूरकों का उत्पादन जारी रखना             <ul style="list-style-type: none"> <li>» (इसकी विस्तृत व्याख्या "आजीविका को बढ़ाना और हरित उद्यमिता/व्यवसाय" अनुभाग में की गई है)</li> </ul> </li> </ol>
---	---	--

## अनुमानित लागत

<p>वृक्षारोपण के लिए कुल लागत: ₹12,70,000</p>	<ol style="list-style-type: none"> <li>वृक्षारोपण: ₹12,70,000 - ₹19,05,000</li> <li>कृषि-वन गतिविधियां: ₹4,00,000</li> </ol> <p>कुल लागत: ₹19,87,500</p>	<ol style="list-style-type: none"> <li>वृक्षारोपण: ₹12,70,000 - ₹19,05,000</li> <li>कृषि-वन गतिविधियां: ₹4,00,000</li> </ol> <p>कुल लागत: ₹19,87,500</p>
---	--	--



## जन जैवविविधता रजिस्टर

## सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियां

I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
<ol style="list-style-type: none"> <li>जन जैवविविधता रजिस्टर को अद्यतन करना</li> <li>समुदाय और लोगों में जागरूकता बढ़ाना</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>जन जैवविविधता रजिस्टर का नियमित अद्यतन करना जारी रखना</li> <li>सभी हितधारकों के बीच जागरूकता बढ़ाना जारी रखना</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>जन जैवविविधता रजिस्टर का नियमित अद्यतन करना जारी रखना</li> <li>सभी हितधारकों के बीच जागरूकता बढ़ाना जारी रखना</li> </ol>
<ol style="list-style-type: none"> <li>जैवविविधता समिति का निर्माण और उसकी क्षमता बढ़ाना</li> <li>जन जैवविविधता रजिस्टर को अद्यतन करना</li> </ol>	<p>जन जैवविविधता रजिस्टर का अद्यतन करना जारी रखना</p>	<p>जन जैवविविधता रजिस्टर का अद्यतन करना जारी रखना</p>

## लक्ष्य

## वर्तमान योजनाएं और कार्यक्रम

- वृक्षारोपण की गतिविधियों को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की पहल 'भारत में जंगलों के बाहर पेड़', हरित भारत मिशन, जल जीवन मिशन, और उत्तर प्रदेश राज्य वृक्षारोपण लक्ष्यों के तहत किया जा सकता है।
- राज्य प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण निधि (राज्य सीएएमपीए (CAMPA) निधि) के तहत वार्षिक बजट से प्राप्त धनराशि का उपयोग निम्नलिखित के लिए किया जा सकता है:
  - » ग्राम पंचायत में वनरोपण, जैवविविधता का संवर्धन, वन्यजीव आवास में सुधार, और मिट्टी और जल संरक्षण गतिविधियां
- वृक्षारोपण गतिविधियों को मनरेगा के साथ सम्मिलित किया जा सकता है और स्थानीय समुदाय को श्रमदान प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित कर सम्मिलित किया जा सकता है
- सतत कृषि पर राष्ट्रीय मिशन के तहत कृषि वानिकी पर उप-मिशन के लाभ उठाए जा सकते हैं:
  - » कृषि वानिकी वृक्षारोपण से प्रति हेक्टेयर के लिए ₹28,000 का लाभ उठा सकते हैं
  - » वृक्षारोपण के लिए सहायता चार वर्षों के लिए 40:20:20:20 के वर्ष-वार अनुपात के रूप में प्राप्त की जा सकती है
- केंद्रीय औषधीय एवं संगंध पौधा संस्थान, लखनऊ का कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्राम पंचायत में आरोग्य वन को तैयार करने में सहायक हो सकता है।
- जैवविविधता प्रबंधन समिति (बीएमसी) (BMC) के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय जैवविविधता प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड के कार्यक्रमों का लाभ उठाया जा सकता है

## वित्त के अन्य स्रोत

- 15वें वित्त आयोग और स्वयं स्रोत राजस्व (ओएसआर) (OSR) के तहत ग्राम पंचायत को आवंटित संसाधन।
- छोटे पौधों की खरीद, वृक्षारोपण अभियान का आयोजन, लगाए गए पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्री गार्ड लगाने के लिए सीएसआर (CSR) के माध्यम से प्राप्त धनराशि का उपयोग किया जा सकता है। सीएसआर (CSR) के माध्यम से प्राप्त धनराशि का उपयोग आरोग्य वन को तैयार करने और जड़ी-बूटी उत्पादों के लिए उत्पादन इकाई स्थापित करने के लिए किया जा सकता है जिसकी व्याख्या "आजीविका बढ़ाने और हरित उद्यमिता/व्यवसायों को प्रोत्साहन देने" के सुझावों में प्रस्तुत है।

## मुख्य विभाग

- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
- राज्य जैवविविधता बोर्ड
- पंचायती राज विभाग
- ग्राम्य विकास विभाग
- केंद्रीय औषधीय एवं संगंध पौधा संस्थान, लखनऊ

37 जैव विवधता समिति के संचालन संबंधी मार्गदर्शन, 2013, राष्ट्रीय जैवविविधता प्राधिकरण।

# 4

## सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन



### संदर्भ और मुद्दे<sup>38</sup>

- ग्राम पंचायत में सभी घरेलू गतिविधियों (घरेलू, सार्वजनिक और अर्ध-सार्वजनिक स्थानों और वाणिज्यिक क्षेत्रों) से उत्पन्न कुल कचरा लगभग ~246 किलोग्राम प्रति दिन है, जिसमें लगभग 143 किलोग्राम बायोडिग्रेडेबल/जैविक कचरा और लगभग 103 किलोग्राम गैर-बायोडिग्रेडेबल/अजैविक कचरा है<sup>39</sup>।
- ग्राम पंचायत में कुल पशुधन आबादी 415 है (गायों, भैंसों, सूअरों और बकरियों सहित) और अनुमानित गोबर उत्पादन लगभग 5 टन प्रति दिन है।<sup>40</sup> सर्वेक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी से पता चलता है कि ग्राम पंचायत को सार्वजनिक स्थानों पर फेंके गए जानवरों के कचरे के मुद्दे/समस्या का सामना करना पड़ता है (इसे बायोगैस संयंत्रों के निर्माण के माध्यम से प्रबंधित किया जा सकता है, "स्वच्छ, सतत, किफायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच" देखें)।

इस पृष्ठभूमि में, 100% ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित करने के साथ-साथ अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और आजीविका के नए अवसर तैयार करने के लिए निम्नलिखित समाधान प्रस्तावित हैं।



### वर्तमान अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था का विस्तार करना

चरण

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियां

	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
1.	कचरे के लिए ग्राम पंचायत स्तरीय पृथक्करण और भंडारण सुविधा स्थापित करना	ग्राम पंचायत स्तरीय पृथक्करण और भंडारण सुविधा का रख-रखाव करना	ग्राम पंचायत स्तरीय पृथक्करण और भंडारण सुविधा का रख-रखाव करना
2.	कचरा एकत्रित करने और उसे ले जाने के लिए 1 इलेक्ट्रिक वाहन: a. घरों से ग्राम पंचायत स्तरीय भंडारण सुविधा तक	वर्तमान कूड़ेदानों का रखरखाव करना और आवश्यकतानुसार नए स्थानों में अतिरिक्त कूड़ेदान रखना।	वर्तमान इलेक्ट्रिक वाहनों और कूड़ेदानों का रखरखाव करना
3.	सार्वजनिक स्थानों में कूड़ेदान रखना (बाज़ार, विद्यालय, दुकानें, चाय स्टाल, अनौपचारिक कचरा बीनने वालों, कबाड़ी वालों, स्थानीय व्यवसायों और सूक्ष्म, लघु और माध्यम व्यवसायों के बीच सहभागिता स्थापित करना	ग्राम पंचायत के बाहर अन्य गावों/जिलों के साथ सहभागिता	ग्राम पंचायत के बाहर अन्य गावों/जिलों के साथ सहभागिता

38 जैसे क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान समझा गया।

39 अनुमान पद्धति के लिए अनुबंध IV देखें।

40 अनुमानित है कि गाय प्रति दिन 10 किलो गोबर पैदा करती है, भैंस 15 किलो/दिन गोबर पैदा करती है और बकरियां 150 ग्राम गोबर/दिन का उत्पादन करती हैं।

## लक्ष्य

1. प्रतिदिन अपशिष्ट एकत्रित करने के लिए 1 इलेक्ट्रिक वाहन
2. ग्राम पंचायत की अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था में 560 घरों (100%) को सम्मिलित करना
3. 20 कूड़ेदान लगाना:
  - » दिलावरपुर देवकली में 12 कूड़ेदान
  - » साहबदादपुर नवादा में 8 कूड़ेदान
4. 1 संसाधन पुनर्प्राप्ति केंद्र (RRC) का निर्माण करना

वर्तमान केन्द्रों और अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था का रख-रखाव करना

वर्तमान केन्द्रों और अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था का रख-रखाव करना

## अनुमानित लागत

1. 1 इलेक्ट्रिक वाहन: ₹1,05,000
  2. 20 कूड़ादान/डिब्बे: ₹2,50,000
  3. संसाधन पुनर्प्राप्ति केंद्र (आरआरसी) (RRC) के निर्माण के लिए लागत : ₹8,00,000
- कुल लागत: ₹11,55,000

आवश्यकतानुसार

आवश्यकतानुसार



## जैविक अपशिष्ट का उचित प्रबंधन

### चरण

# I

2024-25 से 2026-27

1. कम्पोस्ट गड्डों का निर्माण करना
2. जैविक उर्वरक का उत्पादन करने वाले उपक्रमों की स्थापना करना (इसकी विस्तृत व्याख्या "आजीविका और हरित उद्यमशीलता को बढ़ाना" अनुभाग में की गई है)

# II

2027-28 से 2029-30

1. वर्तमान अपशिष्ट प्रबंधन की मूलभूत संरचनाओं और व्यवस्था का नियमित रख-रखाव करना
2. आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कम्पोस्ट गड्डों का निर्माण करना

# III

2030-31 से 2034-35

वर्मीकम्पोस्ट और नाडेप कम्पोस्ट गड्डों का नियमित रख-रखाव करना

## सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियां

## लक्ष्य

1. 50 कम्पोस्ट गड्डों का निर्माण करना<sup>41</sup>
2. घरेलू कचरे से बना कम्पोस्ट/ उर्वरक (जैविक): प्रति दिन 143 किलो; प्रति माह 4,290 किलो

1. 100% बायोडिग्रेडेबल/जैविक कचर का उपचार करना
2. आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कम्पोस्ट गड्डों का निर्माण करना

1. 100% बायोडिग्रेडेबल/जैविक कचर का उपचार करना
2. कम्पोस्ट गड्डों/गड्डों का रख-रखाव करना

41 स्थानों के लिए एचआरवीसीए (HRVCA) देखें

अनुमानित  
लागत

50 कम्पोस्ट गड्डों के निर्माण के लिए  
कुल लागत: ₹5,00,000

आवश्यकतानुसार लागत

आवश्यकतानुसार लागत



## एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध

चरण

I

2024-25 से 2026-27

II

2027-28 से 2029-30

III

2030-31 से 2034-35

सुझाई गई जलवायु  
स्मार्ट गतिविधियां

- जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता विकास कार्यक्रम:
  - » ग्राम जल और स्वच्छता समिति (वीडब्ल्यूएससी) (VWSC)
  - » विद्यार्थी और युवा समूह
  - » समुदाय के सदस्य और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान
- साझेदारी मॉडल: इसकी विस्तृत व्याख्या "आजीविका और हरित उद्यमशीलता को बढ़ाना" अनुभाग में की गई है

जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता विकास कार्यक्रमों को जारी रखना

- जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता विकास कार्यक्रमों को जारी रखना
- आसपास के ग्राम पंचायतों में पिछले चरणों की सफलताओं को मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर इस पहल का विस्तार किया जा सकता है

लाक्ष्य

- एकल उपयोग प्लास्टिक (एसयूपी) (SUP) पर संपूर्ण प्रतिबंध
- प्लास्टिक के अलावा अन्य सामग्रियों से बने सामान के निर्माण में 200-250 महिलाओं को सम्मिलित करना

- एकल उपयोग प्लास्टिक (एसयूपी) (SUP) पर संपूर्ण प्रतिबंध को जारी रखना
- प्लास्टिक के अलावा अन्य सामग्रियों से बनी चीजों की उपलब्धता बढ़ने से उपभोक्ता प्लास्टिक का उपयोग और भी कम करते हैं

- एकल उपयोग प्लास्टिक (एसयूपी) (SUP) पर संपूर्ण प्रतिबंध को जारी रखना
- प्लास्टिक के अलावा अन्य सामग्रियों से बनी चीजों की उपलब्धता बढ़ने से उपभोक्ता प्लास्टिक का उपयोग और भी कम करते हैं



## वर्तमान योजनाएं और कार्यक्रम

- सामुदायिक कम्पोस्ट उत्पादन केंद्र के निर्माण के लिए मनरेगा के माध्यम से प्राप्त धनराशि का उपयोग किया जा सकता है
- 15वें वित्त आयोग और स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण (एसबीएम-जी) के माध्यम से धन का लाभ उठाना

## वित्त के अन्य स्रोत

- साथ ही, सीएसआर (CSR) समर्थन जागरूकता बढ़ाने, प्रशिक्षण प्रदान करने और प्लास्टिक के अलावा दूसरी सामग्रियों से चीज़ों का उत्पादन करने में जुटे हितधारकों, कम्पोस्टिंग प्रक्रियाओं और व्यक्तिगत स्तर पर सतत उपभोग व्यवहार का प्रचार करने में सहायक सिद्ध होगा।
- इसके अतिरिक्त, प्लास्टिक-वैकल्पिक उत्पादों का उत्पादन, खाद बनाने की प्रक्रियाओं से जुड़े सभी हितधारकों की जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता विकास और व्यक्तिगत स्तर पर सतत उपभोग व्यवहार को बढ़ावा देने में सीएसआर समर्थन महत्वपूर्ण होगा<sup>42</sup>।

## मुख्य विभाग

- पंचायती राज विभाग
- सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग
- ग्राम्य विकास विभाग
- कृषि विभाग
- उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड

---

42 स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण (एसबीएम-जी) दिशानिर्देशों के अनुसार अपशिष्ट प्रबंधन के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचे को विकसित करने के लिए टाईड और अनटाईड फनड सहित पंचायत के स्वयं संसाधनों का उपयोग किया जा सकता है

# 5 स्वच्छ, सतत, किफ़ायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच



## संदर्भ और मुद्दे

- ग्राम पंचायत दिलावरपुर देवकाली में वर्ष 2022-23 में लगभग 19,093 यूनिट (kWh) बिजली की खपत हुई है। ग्राम पंचायत में ~38% घरों में बिजली का कनेक्शन है व बिजली की आपूर्ति 24\*7 नहीं है। ग्राम पंचायत में प्रतिदिन औसतन ~8 घंटे की बिजली कटौती होती है। इससे इस ग्राम पंचायत के निवासी अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पारंपरिक और जीवाश्म ईंधन पर निर्भर हैं।<sup>43</sup>
- इसके अतिरिक्त, सिंचाई के लिए 50 डीजल पंपों का उपयोग किया जाता है<sup>44</sup> जो सालाना ~20 किलोलीटर ईंधन की खपत करते हैं
- सीएफएल (कॉम्पैक्ट फ्लोरोसेंट) बल्ब और कम दक्षता वाले अन्य विद्युत फिक्स्चर और उपकरण कई घरों और सार्वजनिक उपयोगिताओं में उपयोग में हैं। इसके अतिरिक्त, ग्राम पंचायत ने अतिरिक्त स्ट्रीट लाइट (100 स्ट्रीट लाइट)<sup>45</sup> की आवश्यकता व्यक्त की है
- लगभग 80 घरों में खाना पकाने के लिए गाय के गोबर और ईंधन की लकड़ी का उपयोग किया जाता है<sup>46</sup>। स्वच्छ खाना पकाने के समाधानों में परिवर्तन की आवश्यकता है जिससे न केवल उत्सर्जन में कमी आएगी अपितु घरों के भीतर की वायु गुणवत्ता में सुधार जैसे सह-लाभ भी होंगे।
- बढ़ते तापमान के साथ, घरों के अंदर भी तापमान बढ़ रहा है और स्थायी स्थान शीतलन की आवश्यकता है।

ग्राम पंचायत की ऊर्जा संबंधी चिंताओं के आधार पर, केंद्र और राज्य सरकार के हाल ही में लॉन्च किए गए और साथ ही चल रहे कार्यक्रमों, जैसे कि पीएम सूर्य घर बिजली मुफ्त योजना, पीएम कुसुम योजना, यूपी राज्य सौर नीति 2022, आदि के संयुक्त रूप से दिलावरपुर देवकाली में कार्यान्वयन के लिए निम्नलिखित समाधान प्रस्तावित हैं। सुझाई गई गतिविधियों का उद्देश्य ग्राम पंचायत में समुदायों के लिए स्वच्छ, टिकाऊ, सस्ती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करना है। इससे न केवल उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा अपितु ऊर्जा के उत्पादन एवं उपयोग के माध्यम से आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

43 जैसा कि क्षेत्र सर्वेक्षण में समुदाय द्वारा साझा किया गया है

44 जैसा कि क्षेत्र सर्वेक्षणों के दौरान बताया गया है

45 ग्राम प्रधान से इनपुट के आधार पर

46 जैसा कि क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान बताया गया है



## सौर रूफ़टॉप की स्थापना

चरण

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियां

I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सभी सरकारी इमारतों - पंचायत भवन, विद्यालयों पर सोलर रूफ़टॉप की स्थापना	<ol style="list-style-type: none"> <li>सभी नए निर्माणों पर सौर फोटोवोल्टेक की स्थापना की जा सकती है</li> <li>180 (40%) पक्के घरों पर सोलर रूफ़टॉप की स्थापना</li> </ol>	<ol style="list-style-type: none"> <li>सभी नए निर्माणों पर सौर फोटोवोल्टेक की स्थापना की जा सकती है</li> <li>शेष 269 घरों पर सोलर रूफ़टॉप फोटोवोल्टेक की स्थापना (100% वर्तमान पक्के घर)</li> </ol>

लाक्ष्य

<p>स्थापित सोलर रूफ़टॉप की क्षमता:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>» पंचायत भवन: 14.7 kWp</li> <li>» प्राथमिक विद्यालय (190 वर्ग मीटर रूफ़टॉप क्षेत्र): 13.3 kWp</li> <li>» प्राथमिक विद्यालय 2 (200 वर्ग मीटर रूफ़टॉप क्षेत्र): 14 kWp</li> <li>» आंगनवाड़ी केंद्र (~ 60 वर्ग मीटर रूफ़टॉप क्षेत्र): 4.2 kWp</li> </ul> <p>स्थापित सोलर रूफ़टॉप की क्षमता: 46.2 kWp कुल वार्षिक बिजली उत्पादन: प्रति वर्ष 61,871 किलोवाट घंटा प्रति वर्ष (प्रति दिन 170 इकाई) ग्रीनहाउस उत्सर्जन से बचाव: प्रति वर्ष लगभग 51 tCO<sub>2</sub>e</p> <p>हाल ही में लॉन्च की गई पीएम सूर्य घर योजना के बेहद जरूरी और महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के आलोक में, घर छतों पर सोलर पीवी स्थापना के लिए भी इस चरण का हिस्सा बन सकते हैं।</p>	<p>180 पक्के घरों पर सोलर रूफ़टॉप की स्थापना</p> <p>स्थापित सोलर रूफ़टॉप की क्षमता: 540 kWp कुल वार्षिक बिजली उत्पादन: प्रति वर्ष 7,23,168 kWh<sup>47</sup> (प्रति दिन 1981 इकाई) ग्रीनहाउस उत्सर्जन से बचाव: प्रति वर्ष लगभग 593 tCO<sub>2</sub>e</p>	<p>269 पक्के घरों पर सोलर रूफ़टॉप की स्थापना</p> <p>स्थापित सोलर रूफ़टॉप की क्षमता: 807 kWp कुल वार्षिक बिजली उत्पादन: प्रति वर्ष 10,80,734 kWh<sup>48</sup> (प्रति दिन 2961 इकाई) ग्रीनहाउस उत्सर्जन से बचाव: प्रति वर्ष लगभग 886 tCO<sub>2</sub>e<sup>49</sup></p>
---	--	--

47 यह स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन जीपी की वर्तमान बिजली खपत से कई गुना अधिक है।

48 यह स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन जीपी की वर्तमान बिजली खपत से कई गुना अधिक है।

49 उत्सर्जन से बचने से पंचायत को कार्बन तटस्थता की ओर ले जाने में मदद मिलेगी।

## अनुमानित लागत

लागत: ₹23,10,000

लागत: ₹2,70,00,000  
सांकेतिक सब्सिडी<sup>50</sup>: ~40% (राज्य + सीएफए (CFA))  
प्रभावी लागत: ₹1,62,00,000

लागत: ₹4,03,50,000  
सांकेतिक सब्सिडी<sup>51</sup>: ~40% (राज्य + सीएफए (CFA))  
प्रभावी लागत: ₹2,42,10,000



## कृषि-फोटोवोल्टेक

### चरण

# I

2024-25 से 2026-27

# II

2027-28 से 2029-30

# III

2030-31 से 2034-35

## सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियां

किसानों, किसान समूहों आदि के बीच जागरूकता बढ़ाना

बागवानी और दलहन फसलों के 25% क्षेत्र में कृषि-फोटोवोल्टेक की स्थापना

बागवानी और दलहन फसलों के 50% क्षेत्र में कृषि-फोटोवोल्टेक की स्थापना

### लक्ष्य

किसानों के बीच कृषि-फोटोवोल्टेक पहल को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता अभियान और उन्मुखीकरण सत्रों का आयोजन करना

2 हेक्टेयर भूमि पर कृषि-फोटोवोल्टेक की स्थापना (10% कृषि भूमि जिस पर दलहन उगाई जाती हैं)  
स्थापित क्षमता: 500 kWp  
बिजली उत्पादन: प्रति वर्ष 6,69,600 किलोवाट<sup>52</sup> घंटा प्रति वर्ष (प्रति दिन 1,834 इकाई)  
ग्रीनहाउस उत्सर्जन से बचाव : प्रति वर्ष 549 tCO<sub>2</sub>e

2 हेक्टेयर भूमि पर कृषि-फोटोवोल्टेक की स्थापना (10% कृषि भूमि जिस पर दलहन उगाई जाती हैं)  
स्थापित क्षमता: 500 kWp  
बिजली उत्पादन: प्रति वर्ष 6,69,600 किलोवाट घंटा प्रति वर्ष (प्रति दिन 1,834 इकाई)  
ग्रीनहाउस उत्सर्जन से बचाव : प्रति वर्ष 549 tCO<sub>2</sub>e

## अनुमानित लागत

आवश्यकता के अनुसार

कुल लागत<sup>53</sup>: ₹5,00,00,000

कुल लागत: ₹5,00,00,000

- 50 सब्सिडी/अनुदान राशियाँ गतिशील होती हैं और समय-समय पर राज्य और केंद्र सरकार द्वारा तय किए गए विभिन्न मापदंडों के अनुसार परिवर्तित हो सकती हैं। इसलिए अनुमानित सब्सिडी/अनुदान राशि पिछले पूर्ववर्ती स्वरूप और औसतों पर आधारित है और संभव है कि यह राशि वर्तमान समय में सटीक न हो।
- 51 सब्सिडी/अनुदान राशियाँ गतिशील होती हैं और समय-समय पर राज्य और केंद्र सरकार द्वारा तय किए गए विभिन्न मापदंडों के अनुसार परिवर्तित हो सकती हैं। इसलिए अनुमानित सब्सिडी/अनुदान राशि पिछले पूर्ववर्ती स्वरूप और औसतों पर आधारित है और संभव है कि यह राशि वर्तमान समय में सटीक न हो।
- 52 यह स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन जीपी की वर्तमान बिजली खपत से कई गुना अधिक है।
- 53 समय के साथ प्रौद्योगिकी/तकनीकों में प्रगति हो रही है जिसके परिणामस्वरूप एग्रो-पीवी की लागत में कमी आ रही है हालाँकि जो अनुमानित लागत वर्णित की गयी है वो अधिक हो सकती है। इसके साथ ही यह माना जा रहा है कि, क्योंकि किसान बागवानी और सामान प्रकृति की अन्य फसलों हेतु निर्धारित भूमि/कृषि भूमि के लिए भी फसल चक्र अपनाते हैं इस कारण एग्रो-पीवी की स्थापना के लिए बागवानी अंतर्गत उपलब्ध भूमि का केवल 25 प्रतिशत को ही ध्यान में रखा गया है।



## सौर पंप

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियां	10 (20%) वर्तमान डीज़ल पंपों के स्थान पर सौर पंप लगाना* यदि सौर पंप लगाना संभव नहीं है तो ऊर्जा कार्यक्षम पंप (ईईएसएल (EESL) द्वारा किसान उर्जा दक्षक पंप) पर विचार किया जा सकता है	1. अतिरिक्त 15 (प्रथम चरण को जोड़ते हुए कुल 50%) डीज़ल पंप और 1 ग्रिड से जुड़े विद्युत पंप के स्थान पर सौर पंप लगाना 2. नए स्थानों पर केवल सौर पंप लगाए जा सकते हैं।	1. शेष 25 डीज़ल पंप के स्थान पर सौर पंप लगाना (100% कवरज का लक्ष्य प्राप्त) 2. नए स्थानों पर केवल सौर पंप लगाए जा सकते हैं।
लक्ष्य	1. स्थापित क्षमता: 55 किलोवाट 2. सौर ऊर्जा आधारित उत्पन्न बिजली: प्रति वर्ष 73,656 किलोवाट घंटा प्रति वर्ष 3. डीज़ल की खपत से बचाव: प्रति वर्ष 3,900 लीटर 4. ग्रीनहाउस उत्सर्जन से बचाव: प्रति वर्ष 1,098 tCO <sub>2</sub> e	1. स्थापित क्षमता: 82.5 किलोवाट 2. सौर ऊर्जा आधारित उत्पन्न बिजली: प्रति वर्ष 1,10,484 किलोवाट घंटा प्रति वर्ष 3. डीज़ल की खपत से बचाव: प्रति वर्ष 5,850 लीटर 4. ग्रीनहाउस उत्सर्जन से बचाव: प्रति वर्ष 16 tCO <sub>2</sub> e	1. स्थापित क्षमता: 137.5 किलोवाट 2. सौर ऊर्जा आधारित उत्पन्न बिजली: प्रति वर्ष 1,84,140 किलोवाट घंटा प्रति वर्ष 3. डीज़ल की खपत से बचाव: प्रति वर्ष 9,750 लीटर 4. ग्रीनहाउस उत्सर्जन से बचाव: प्रति वर्ष 26 tCO <sub>2</sub> e
अनुमानित लागत	कुल लागत : ₹30,00,000 से ₹50,00,000	कुल लागत : ₹45,00,000 से ₹75,00,000	कुल लागत : ₹75,00,000 से ₹1,25,00,000



## रसोई में स्वच्छ ईंधन का प्रयोग/ क्लीन कुकिंग

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियां	परिदृश्य 1: बायोगैस उपयोग करने वाले परिवार + एलपीजी (LPG) परिदृश्य 2: सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव + एलपीजी (LPG) परिदृश्य 3: सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव + बेहतर चूल्हे + एलपीजी (LPG)	परिदृश्य 1: बायोगैस उपयोग करने वाले परिवार + एलपीजी (LPG) परिदृश्य 2: सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव + एलपीजी (LPG) परिदृश्य 3: बेहतर चूल्हे + एलपीजी (LPG) सभी नए घरों में बेहतर चूल्हे/सौर कुकस्टोव और/या घरलू बायोगैस यंत्र	परिदृश्य 1: बायोगैस उपयोग करने वाले परिवार + एलपीजी (LPG) परिदृश्य 2: सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव + एलपीजी (LPG) परिदृश्य 3: बेहतर चूल्हे

परिदृश्य 1: 27 परिवार बायोगैस यंत्रों का उपयोग (25% परिवारों के पास मवेशी) + 533 परिवारों द्वारा एलपीजी (LPG) का उपयोग

परिदृश्य 2: 28 घरों में सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव (उच्च आय वर्ग के 25% परिवार) का उपयोग + 533 घर एलपीजी (LPG) का उपयोग

परिदृश्य 3: 28 परिवारों द्वारा सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव का उपयोग + 20 परिवारों द्वारा बेहतर चूल्हों का उपयोग (बायोमास का उपयोग करने वाले परिवारों में से 25% परिवार) + 513 परिवारों द्वारा एलपीजी (LPG) का उपयोग

परिदृश्य 1: अतिरिक्त 27 परिवार बायोगैस यंत्रों का उपयोग (अतिरिक्त 25% परिवारों के पास मवेशी) अर्थात कुल 54 परिवारों द्वारा बायोगैस यंत्र का उपयोग करते हैं + 506 परिवारों द्वारा एलपीजी (LPG) का उपयोग

परिदृश्य 2: अतिरिक्त 28 परिवारों द्वारा सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव (उच्च आय वर्ग के अतिरिक्त 25% परिवार) का उपयोग

परिदृश्य 3: अतिरिक्त 28 परिवारों द्वारा सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव का उपयोग + अतिरिक्त 20 परिवारों द्वारा बेहतर चूल्हों का उपयोग (बायोमास का उपयोग करने वाले परिवारों में से अतिरिक्त 25% परिवार)

इसमें वे परिवार भी आते हैं जिन्होंने एलपीजी (LPG) का उपयोग करना जारी रखा है

परिदृश्य 1: अतिरिक्त 54 परिवारों द्वारा बायोगैस यंत्रों का उपयोग (100% घरों में मवेशियां हैं) अर्थात कुल 108 परिवारों द्वारा बायोगैस यंत्र का उपयोग करते हैं + 452 परिवारों द्वारा एलपीजी (LPG) का उपयोग

परिदृश्य 2: अतिरिक्त 56 परिवारों द्वारा सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव (उच्च आय वर्ग के अतिरिक्त 50% परिवार) का उपयोग

परिदृश्य 3: अतिरिक्त 56 परिवारों द्वारा सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव का उपयोग (उच्च आय वर्ग के 100% परिवार) + अतिरिक्त 40 परिवारों द्वारा बेहतर चूल्हों का उपयोग (बायोमास का उपयोग करने वाले 100% परिवार)

इसमें वे परिवार भी आते हैं जिन्होंने एलपीजी (LPG) का उपयोग करना जारी रखा है

परिदृश्य 1: बायोगैस यंत्रों के लिए ₹13,50,000 (2 से 3 m<sup>3</sup> बायोगैस यंत्र के लिए ₹50,000 )

परिदृश्य 2: सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव के लिए ₹12,60,000 (1 बिना बैटरी डबल बर्नर सौर कुकस्टोव के लिए ₹45,000)

परिदृश्य 3: ₹13,20,000 = सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव के लिए ₹12,60,000 + बेहतर चूल्हों के लिए ₹60,000 (1 बेहतर चूल्हा = ₹3,000 )  
हर एक स्थिति में औसतन लागत होगी: ₹19,65,000

परिदृश्य 1: : बायोगैस यंत्र के लिए ₹16,50,000

परिदृश्य 2: : सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव के लिए ₹9,00,000

परिदृश्य 3: ₹13,20,000 = सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव के लिए ₹12,60,000 + बेहतर चूल्हे  
हर एक स्थिति में औसतन लागत होगी: ₹18,75,000

परिदृश्य 1: : बायोगैस यंत्र के लिए ₹35,00,000

परिदृश्य 2: : सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव के लिए ₹18,00,000

परिदृश्य 3: ₹26,40,000 = सौर ऊर्जा से संचालित इंडक्शन कुकस्टोव के लिए ₹25,20,000 + बेहतर चूल्हों के लिए ₹1,20,000  
हर एक स्थिति में औसतन लागत होगी: ₹25,75,000



## ऊर्जा दक्षता

### चरण

#### I

2024-25 से 2026-27

- सभी सरकारी इमारतों के वर्तमान लाइटों और पंखों के स्थान पर ऊर्जा कार्यक्षम लाइटों और पंखे लगाना (विद्यालय, पंचायत भवन, आंगनवाड़ी, आशा केंद्र, सामुदायिक केंद्र)
- सभी घरों में कम-से-कम 1 इनकैंडीसेंट बल्ब/सीएफ़एल (CFL) बल्ब के स्थान पर एलईडी (LED) बल्ब या 1 फ्लूरोसेंट ट्यूब लाइट के स्थान पर एलईडी (LED) ट्यूब लाइट लगाना  
निवासियों को अपने अन्य घरेलू उपकरणों के स्थान पर ऊर्जा कार्यक्षम उपकरण लगाने के लिए प्रोत्साहित भी करना चाहिए (बीईई (BEE) द्वारा 4-5 स्टार रेटिंग वाले उपकरण)

#### II

2027-28 से 2029-30

- सभी घरों के इनकैंडीसेंट बल्बों के स्थान पर एलईडी (LED) बल्ब और सभी फ्लूरोसेंट ट्यूब लाइटों के स्थान पर एलईडी (LED) ट्यूब लाइटें लगाना
- कम-से-कम 1 पारंपरिक पंखे के स्थान पर ऊर्जा कार्यक्षम पंखा लगाना
- निवासियों को अपने अन्य घरेलू उपकरणों के स्थान पर ऊर्जा कार्यक्षम उपकरण लगाने के लिए प्रोत्साहित भी करना चाहिए (बीईई (BEE) द्वारा 4-5 स्टार रेटिंग वाले उपकरण)

#### III

2030-31 से 2034-35

सभी घरों के पंखों के स्थान पर ऊर्जा कार्यक्षम पंखे लगाना

### सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियां

### लक्ष्य

सभी सरकारी इमारतों के लाइटों और पंखों के स्थान पर ऊर्जा कार्यक्षम लाइटों और पंखे लगाना (लगभग 25 एलईडी (LED) ट्यूब लाइट और 20 पंखे)  
560 एलईडी (LED) बल्ब और 560 ट्यूब लाइट लगाना (हर घर में 1 ऊर्जा कार्यक्षम बल्ब/ट्यूब लाइट लगाना)

घरों में कुल 1,680 एलईडी (LED) बल्ब/ट्यूब लाइट लगाए गए (हर एक घर में 3 बल्ब और 2 ट्यूब लाइट बदले गए)  
कुल 560 ऊर्जा कार्यक्षम पंखे लगाए गए (हर एक घर में 1 पंखा बदला गया)

सभी घरों में 1,120 ऊर्जा कार्यक्षम पंखे लगाए गए (हर घर में 2 पंखे बदले गए)

### अनुमानित लागत

बल्बों की कीमत: ₹39,200  
ट्यूब लाइटों की कीमत: ₹1,28,700  
पंखों की कीमत: ₹22,000  
कुल लागत: ₹1,89,900

बल्बों की कीमत: ₹1,17,600  
ट्यूब लाइटों की कीमत: ₹2,46,400  
पंखों की कीमत: ₹6,21,600  
कुल लागत: ₹9,85,600

पंखों की कीमत: ₹12,43,200



## सौर स्ट्रीट लाइट

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियां	सड़कों, सार्वजनिक क्षेत्रों और अन्य प्रमुख स्थानों में एलईडी (LED) स्ट्रीट लाइट लगाना	ग्राम पंचायत के अंदर की सड़कों के किनार और अन्य प्रमुख स्थानों में अतिरिक्त 100 एलईडी (LED) स्ट्रीट लाइट लगाना	वर्तमान स्ट्रीट लाइटों का नियमित रखरखाव और अतिरिक्त स्ट्रीट लाइट लगाना
लक्ष्य	आवश्यकतानुसार प्रमुख स्थानों में 100 सौर एलईडी (LED) स्ट्रीट लाइट लगाना	1. आवश्यकतानुसार प्रमुख स्थानों में 100 सौर एलईडी (LED) स्ट्रीट लाइट लगाना 2. वर्तमान एलईडी (LED) स्ट्रीटलाइटों के स्थान पर सौर एलईडी (LED) स्ट्रीट लाइटें लगाना जिससे कि 100% सौर स्ट्रीट लाइट कवरज का लक्ष्य पूरा हो	आवश्यकतानुसार अतिरिक्त एलईडी (LED) स्ट्रीट लाइट लगाना
अनुमानित लागत	एलईडी (LED) स्ट्रीट लाइट के लिए: ₹1,00,000	एलईडी (LED) स्ट्रीट लाइट के लिए: ₹1,00,000	आवश्यकतानुसार

## वर्तमान योजनाएं और कार्यक्रम

- उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति, 2022 के अनुसार:<sup>54</sup>
  - आवासीय क्षेत्र में सौर स्थापना पर सब्सिडी: एमएनआरई (MNRE) द्वारा केंद्रीय वित्तीय सहायता के अतिरिक्त प्रति KW ₹15,000 से अधिकतम ₹30,000 प्रति उपभोक्ता सब्सिडी
  - संस्थानों में सौर स्थापना का प्रावधान जिसके तहत रेस्को (RESCO) मोड में स्वयं या यूपीनेडा (UPNEDA) के परामर्श द्वारा जिसमें परामर्श शुल्क के रूप में संयंत्र की लागत का 3 प्रतिशत देय होगा<sup>55</sup>
- ग्रिड कनेक्टेड सौर रूफटॉप कार्यक्रम के माध्यम से एमएनआरई (MNRE) की ओर से केंद्रीय वित्तीय सहायता
  - 3 KW क्षमता तक रूफटॉप सौर (आरटीएस) (RTS) व्यवस्था के लिए 40 प्रतिशत तक केंद्रीय वित्तीय सहायता दी जाएगी। 3 KW से लेकर 10 KW की क्षमता वाले रूफटॉप सौर व्यवस्था के लिए, 40 प्रतिशत केंद्रीय वित्तीय सहायता केवल पहले 3 KW क्षमता के लिए लागू होगा और 3 KW से ऊपर (10 KW तक) की क्षमता के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता अधिकतम 20 प्रतिशत होगी।
  - समूह हाउसिंग सोसायटी/आवासीय कल्याण समितियों (जीएचएस/आरडब्ल्यूए) (GHS/RWA) हेतु सामान्य सुविधाओं, बिजली की आपूर्ति और रूफटॉप सौर संयंत्र की स्थापना के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता अधिकतम 20 प्रतिशत होगी। जीएचएस/आरडब्ल्यूए के लिए प्रति घर क्षमता योग्यता 10 kWp तक सीमित होगी और कुल 500 kWp से अधिक नहीं होगी।

54 [https://invest.up.gov.in/wp-content/uploads/2023/02/Uttar\\_Pradesh\\_Solar\\_Energy\\_Policy\\_2022.pdf](https://invest.up.gov.in/wp-content/uploads/2023/02/Uttar_Pradesh_Solar_Energy_Policy_2022.pdf)

55 तृतीय पक्ष (रेस्को मोड) {नवीकरणीय ऊर्जा आपूर्ति कंपनी}



- c) गरीब परिवारों के लिए सोलर रूफटॉप की स्थापना पीएम-सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से की जा सकती है। इस योजना में 2 किलोवाट प्रणालियों के लिए प्रणाली लागत का 60% अनुदान और 2 से 3 किलोवाट क्षमता के प्रणाली हेतु 40% का अनुदान प्रदान करती है। अनुदान को 3 किलोवाट पर सीमित किया गया है। मौजूदा निर्धारित मूल्यों पर, यह योजना 1 किलोवाट प्रणाली के लिए रुपये 30,000 अनुदान, 2 किलोवाट प्रणालियों के लिए रुपये 60,000 और 3 किलोवाट प्रणालियों या उच्चतर के लिए रुपये 78,000 का अनुदान दिया जाता है।<sup>56</sup>
- प्रधान मंत्री कुसुम योजना के अनुसार:
    - a) प्रधान मंत्री कुसुम योजना का भाग ए कृषि भूमि पर कम से कम 500 kW और उससे बड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना को बढ़ावा देता है।
    - b) प्रधान मंत्री कुसुम योजना के भाग बी और सी के अनुसार, केंद्र और राज्य सरकारें प्रति पंप पर 30 प्रतिशत की सब्सिडी प्रदान करेंगी। किसानों को केवल 10 प्रतिशत की अग्रिम लागत का भुगतान करना होगा और बाकी का भुगतान वे किश्तों में बैंक को कर सकते हैं।
  - प्रधानमंत्री कुसुम योजना में उत्तर प्रदेश सरकार का योगदान:
    - a) घटक सी-1 के अनुसार: ऑन ग्रिड पंपों को सौर पंपों में परिवर्तित कर किसानों को 60 प्रतिशत सब्सिडी (अनुसूचित जनजाति, वनटांगिया और मुसहर जाति के किसानों को 70 प्रतिशत सब्सिडी) प्रदान की जाएगी; यह सब्सिडी एमएनआरई (MNRE) के तहत प्रधानमंत्री कुसुम योजना के माध्यम से प्राप्त केंद्र सरकार की सब्सिडी के अतिरिक्त है
    - b) घटक सी-2 के अनुसार: एमएनआरई (MNRE) की प्रधानमंत्री कुसुम योजना के माध्यम से प्रदान की जा रही सब्सिडी के साथ राज्य सरकार अलग किए गए कृषि फीडरों को सौर फीडर में परिवर्तित करगी और ₹50 लाख प्रति मेगावाट की वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) (VGF) प्रदान करगी।
  - ग्राम पंचायतों में एलईडी (LED) स्ट्रीट लाइटिंग परियोजनाएं:<sup>57</sup>
    - a) ईईएसएल (EESL) अपनी लागत पर पारंपरिक स्ट्रीटलाइट के स्थान पर एलईडी (LED) स्ट्रीटलाइट की स्थापना करेगा और सात वर्षों तक खराब हुए एलईडी (LED) बल्बों के स्थान पर निःशुल्क नए बल्ब स्थापित करेगा और उनका रखरखाव करेगा।
    - b) अटल ज्योति योजना और एमएनआरई (MNRE) सौर स्ट्रीटलाइट कार्यक्रम सौर स्ट्रीटलाइट की स्थापना सहित 12 वॉट एलईडी (LED) और तीन दिन के बैटरी बैकअप के लिए सब्सिडी प्रदान करते हैं।
  - ग्राम उजाला योजना<sup>58</sup>:
    - a) किफ़ायती एलईडी (LED) बल्ब मात्र ₹10 प्रति बल्ब के दाम पर उपलब्ध हैं
    - b) ग्रामीण ग्राहकों को क्रियाशील इनकैंडीसेंट बल्बों के स्थान पर 7 वॉट और 12 वॉट के एलईडी (LED) बल्ब तीन साल की वारंटी के साथ दिए जाएंगे।
  - कोल्ड स्टोरेज स्थापित करने के लिए सब्सिडी
    - a) परियोजना लागत का 35 प्रतिशत क्रेडिट्ड बैक एंडेड सब्सिडी के रूप में सरकारी सहायता दो योजनाओं के माध्यम से उपलब्ध है
  - कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग (डीएसई एंड एफडब्ल्यू) (DAC&FW) एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) (MIDH) को लागू कर रहा है।
  - राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी) (NHB) बागवानी उत्पादों के लिए कोल्ड स्टोरेज और भंडारण के निर्माण/विस्तार/आधुनिकीकरण के लिए पूंजी निवेश सब्सिडी नामक एक योजना लागू कर रहा है।
    - b) प्रधान मंत्री किसान सम्पदा योजना के तहत केन्द्रीय सरकार गैर-बागवानी, बागवानी, डेयरी, मांस और पोल्ट्री के सुगम वितरण के लिए एकीकृत कोल्ड चेन, मूल्य संवर्धन और संरक्षण अवसंरचना के साथ मूलभूत संरचना के निर्माण के लिए 35 प्रतिशत की दर से अनुदान सहायता प्रदान करती है।<sup>59</sup> यह योजना कृषि स्तर पर कोल्ड चेन के विकास पर विशेष ध्यान देने के साथ परियोजना नियोजन में लचीलापन संभव बनाती है।
  - ईईएसएल (EESL) ने कार्बन वित्तपोषण के माध्यम से सौर-आधारित इंडक्शन कुकिंग समाधानों के लिए बाजार-आधारित हस्तक्षेप शुरू करने की योजना बनाई है।

56 एम-सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना: <https://pmsuryaghar.gov.in/>

57 ईईएसएल (EESL) द्वारा स्ट्रीट लाइटिंग राष्ट्रीय कार्यक्रम।

58 ग्राम उजाला योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में एक करोड़ एलईडी (LED) बल्बों का वितरण किया गया (फरवरी, 2023), पीआईबी (PIB)।

59 अर्थात् कृषि स्तर पर प्री-कूलिंग, वज़न, छंटाई, ग्रेडिंग, वैक्सिंग सुविधाएं, बहुउत्पाद/बहुतापमान कोल्ड स्टोरेज, सीए (CA) भंडारण, पैकिंग सुविधा, आईक्यूएफ (IQF), वितरण केंद्र और रीफर वेन में ब्लास्ट फ्रीजिंग, मोबाइल कूलिंग इकाइयां

- 15वें वित्त आयोग और स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण (एसबीएम-जी) (SBM-G) के तहत गोबरधन (गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन) योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से धनराशि की व्यवस्था करना।
  - a) एसबीएम-जी (SBM-G) के तहत गोबरधन योजना एक स्थान पर अनेक/सामुदायिक स्तर पर बायोगैस संयंत्रों की स्थापना के लिए 2020-21 से 2024-25 तक प्रति ज़िले को अधिकतम 50 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी<sup>60</sup>।
- संपीडित बायोगैस (सीबीजी) (CBG) उत्पादन संयंत्र की स्थापना के लिए भारत सरकार गोबरधन योजना के तहत प्रोत्साहन प्रदान करती है, परंतु इसके साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार की बायो-ऊर्जा योजना 2022<sup>61</sup> के तहत प्रोत्साहन प्रदान करती है, जो इस प्रकार है:
  - a) सीबीजी (CBG) उत्पादन संयंत्र स्थापित करने पर 75 लाख प्रति टन से लेकर अधिकतम 20 करोड़ तक का प्रोत्साहन
  - b) विकास प्राधिकरणों द्वारा लगाए गए विकास शुल्क पर छूट
  - c) स्टैम्प ड्यूटी और विद्युत शुल्क में 100 प्रतिशत की छूट
- एमएनआरई (MNRE) ने राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम के तहत अपशिष्ट से ऊर्जा (डब्ल्यूटीई) (WTE) कार्यक्रम लागू किया:
  - a) इस कार्यक्रम के तहत शहरी, औद्योगिक और कृषि अपशिष्ट से बायोगैस उत्पादन के लिए संयंत्रों की स्थापना का समर्थन किया जाता है
  - b) बायोगैस उत्पादन के लिए उपलब्ध वित्तीय सहायता 0.25 करोड़ प्रति 12000 घन मीटर/दिन है<sup>62</sup>

## वित्त के अन्य स्रोत

- सौर रूफटॉप, सौर पंप आदि की खरीद के लिए ऋण प्रदान करने के लिए स्थानीय बैंकों, माइक्रोफाइनेंस संस्थानों और सहकारी बैंकों के साथ गठबंधन के अवसर खोजना।
- कृषि-फोटोवोल्टेक के लिए सौर विकासकों के साथ सहभागिता के अवसर खोजना
- सीएसआर (CSR) द्वारा प्राप्त धनराशि का उपयोग इस प्रकार किया जा सकता है:
  - सौर रूफटॉप/ कृषि-फोटोवोल्टेक/ सौर पंप की स्थापना के लिए आवश्यक पूंजी लागत के लिए सूक्ष्म वित्त कंपनियों द्वारा प्रदान किए गए रिवॉल्विंग फंड मॉडल के माध्यम से धनराशि प्राप्त करना जो कि सरकारी योजना/कार्यक्रम सब्सिडी से प्राप्त धनराशि के अतिरिक्त होगी
  - समुदाय के सदस्यों/स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को ग्राम पंचायत में अपनाई गई विभिन्न स्वच्छ तकनीकों के बारे में अवगत कराने के लिए उन्हें 'संचालन और रखरखाव' प्रशिक्षण देना
  - रूफटॉप सौर (उत्तर प्रदेश सौर नीति, 2022) और सौर सिंचाई (प्रधान मंत्री- कुसुम, उत्तर प्रदेश सौर सिंचाई योजना) का प्रचार करने वाली वर्तमान सरकारी योजनाओं/कार्यक्रमों के बाहर में जागरूकता अभियानों का आयोजन करना

## मुख्य विभाग

- उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा)
- उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड(यूपीपीसीएल)
- मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
- पंचायती राज विभाग
- ग्राम्य विकास विभाग
- कृषि विभाग
- शिक्षा विभाग

60 <https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1883926>

61 <https://invest.up.gov.in/bio-energy-enterprises-promotion-programme-2022/>

62 <https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=188392>

# 6

## सतत और उन्नत गतिशीलता



### संदर्भ और मुद्दे

- ग्राम पंचायत में कुल 400 आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) वाहन हैं; 360-दोपहिया वाहन, 15 कारें, 1 जीप और 24 ट्रैक्टर। इसके अतिरिक्त, ग्राम पंचायत में 4 ई-रिक्शा हैं।<sup>63</sup>
- कृषि उपज/सामान के परिवहन के लिए किसानों द्वारा छोटा हाथी (मिनी ट्रक) या ट्रैक्टर का उपयोग किया जाता है। जिन किसानों के पास ऐसे वाहन नहीं हैं वे इन्हें पड़ोसी किसानों से किराये पर लेते हैं।<sup>64</sup>
- आईसीई वाहनों द्वारा कुल ईंधन खपत ~106 किलो लीटर (केएल) पेट्रोल और 36 किलोलीटर डीजल प्रति वर्ष है। कुल मिलाकर, परिवहन क्षेत्र में खपत किए गए ईंधन के कारण 2022 में ~347 टन CO<sub>2</sub>e उत्सर्जन हुआ है।<sup>65</sup>
- इसके अतिरिक्त, मुख्य सड़कों (राष्ट्रीय राजमार्ग 731 से जुड़ने वाली) के साथ-साथ आंतरिक सड़कों/मार्गों की खराब स्थिति और पहुंच को समुदाय द्वारा क्षेत्र सर्वेक्षण और केंद्रित समूह चर्चा के दौरान उजागर किया गया है।
- इसके अतिरिक्त, क्षेत्रीय सर्वेक्षण में पाया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ने वाली सड़क पर मरम्मत कार्य की आवश्यकता है।

इसलिए, परिवहन बुनियादी ढांचे में सुधार और ई-मोबिलिटी समाधानों में परिवर्तन शुरू करने की महत्वपूर्ण गुंजाइश है।



### वर्तमान सड़कों का रखरखाव करना<sup>66</sup>

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियां	वर्तमान ग्राम पंचायत की सड़कों की मरम्मत करना <sup>67</sup>	आवश्यकतानुसार सड़कों का रख-रखाव और उनकी मरम्मत जारी रखना	आवश्यकतानुसार सड़कों का रख-रखाव और उनकी मरम्मत जारी रखना

63 फ़ील्ड सर्वेक्षण के दौरान प्राप्त इनपुट के अनुसार

64 क्षेत्र सर्वेक्षण और ग्राम प्रधान के साथ चर्चा के दौरान समुदाय से मिली जानकारी के आधार पर

65 क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान समुदाय से प्राप्त इनपुट

66 यह अनुशंसा ग्राम पंचायत में जल जमाव की समस्या का समाधान करने में भी मदद करती है जिसका विवरण 'जल निकायों का प्रबंधन तथा कायाकल्प' अनुभाग में दिया गया है।

67 सटीक स्थान के लिए एचआरवीसीए और सामाजिक संसाधन मानचित्र देखें

लक्ष्य	कुल 1.5 किलोमीटर लंबी सड़क की मरम्मत करना	नियमित रख-रखाव और मरम्मत	नियमित रख-रखाव और मरम्मत
अनुमानित लागत	सड़क की ऊंचाई में वृद्धि: ₹15,00,000	आवश्यकतानुसार लागत	आवश्यकतानुसार लागत



## ई-वाहन और ई ट्रेक्टर

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियां	<ol style="list-style-type: none"> <li>डीज़ल ट्रेक्टरों और माल यातायात वाहनों के स्थान पर इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रचार करना</li> <li>उपभोक्ता समूहों (किसानों/संचालन स्वामियों/उद्यमियों) को डीज़ल वाहनों की तुलना में इलेक्ट्रिक वाहनों के दीर्घकालिक लाभ समझाना</li> <li>ई-ट्रेक्टरों और ई-गुड्स वाहनों को किराए पर देने के लिए केंद्र की स्थापना करना</li> </ol>	विभिन्न उपभोक्ता समूहों को इलेक्ट्रिक वाहनों के दीर्घकालिक लाभ समझाने का कार्य जारी रखना और साथ ही उन्हें लाभ प्रदान करने वाली योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी देना	विभिन्न उपभोक्ता समूहों को इलेक्ट्रिक वाहनों के दीर्घकालिक लाभ समझाने का कार्य जारी रखना और साथ ही उन्हें लाभ प्रदान करने वाली योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी देना
लक्ष्य	कुल 5 ई-ट्रेक्टरों और 5 ई-माल वाहनों की खरीदी करना	अतिरिक्त ई-वाहन और ई-ट्रेक्टर खरीदना	अतिरिक्त ई-वाहन और ई-ट्रेक्टर खरीदना
अनुमानित लागत	5 ई-ट्रेक्टरों की कीमत ~ ₹30,00,000 5 ई-वाणिज्य गाड़ियां: ₹25,00,000 रूपए - ₹50,00,000	आवश्यकतानुसार लागत	आवश्यकतानुसार लागत



## मध्यवर्ती सार्वजनिक परिवहन

चरण	I 2024-25 से 2026-27	II 2027-28 से 2029-30	III 2030-31 से 2034-35
सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियां	<ol style="list-style-type: none"> <li>ग्राम पंचायत में मौजूदा ऑटो-रिक्शा को ई-ऑटोरिक्शा से बदलना</li> <li>निजी इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रचार करने के लिए समुदाय के लिए जागरूकता अभियानों का आयोजन करना ताकि वे इलेक्ट्रिक वाहनों के लाभों से अवगत होकर उन्हें अपनाने के लिए प्रोत्साहित हों</li> </ol>	ग्राम पंचायत के बेड़े में अतिरिक्त ई-ऑटोरिक्शा जोड़ना	अतिरिक्त ई-ऑटोरिक्शा उपलब्ध कराना

## लक्ष्य

10 ऑटो-रिक्शा को ई-ऑटोरिक्शा से बदलना

आवश्यकता के अनुसार अधिक ई-ऑटोरिक्शा जोड़े गए

आवश्यकतानुसार अतिरिक्त ई-ऑटोरिक्शा सम्मिलित करना

## अनुमानित लागत

- 1 ई-रिक्शा की कीमत<sup>68</sup>: लगभग ₹3,00,000
- उपलब्ध सब्सिडी: प्रति वाहन ₹12,000
- 10 ई-रिक्शों की कीमत: ₹28,80,000

आवश्यकता के अनुसार

आवश्यकतानुसार लागत

## वर्तमान योजनाएं और कार्यक्रम

- ग्राम सड़क योजना और मनरेगा के समर्थन से सड़कों की मरम्मत और उनका विस्तार किया जा सकता है
- उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण और गतिशीलता नीति, 2022 के अनुसार
  - » खरीदारों को 100% पंजीकरण शुल्क और रोड टैक्स में छूट (पॉलिसी अवधि के दौरान)
  - » 1 वर्ष के प्रारंभिक दौर<sup>69</sup> में खरीदारी करने वाले ग्राहकों को डीलरों द्वारा खरीद सब्सिडी (केवल एक बार) ई-गुड्स कैरियर: प्रति वाहन ₹1,00,000 तक पूर्व-कारखाना लागत का @10%; 2-वीलर इलेक्ट्रिक वाहन: प्रति वाहन ₹5000 तक पूर्व-कारखाना लागत का @15%; 3-वीलर इलेक्ट्रिक वाहन: प्रति वाहन ₹12000 तक पूर्व-कारखाना लागत का @15%
- भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेज़ी से अपनाना और विनिर्माण चरण II (FAME II) योजना के तहत ई-रिक्शा के लिए सब्सिडी का भी लाभ उठाया जा सकता है।

## अन्य स्रोत:

- ग्राम पंचायत के रिसोर्स एन्वेलप और स्वयं की आय के स्रोत (ओएसआर) (OSR)
- कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व निभाने वाली कंपनियों के साथ बैंकों और सूक्ष्म-वित्तीय संस्थाओं से ऋण

## मुख्य विभाग

- अवसंरचना एवं औद्योगिक विकास विभाग
- परिवहन विभाग
- पंचायती राज विभाग
- ग्राम्य विकास विभाग

68 ई-ऑटोरिक्शा की कीमत रुपये 1,50,000 - रु. 4,00,000 और कॉन्फिगरेशन, बैटरी प्रकार और अन्य कारणों पर निर्भर करता है। ई-ऑटोरिक्शा की कीमत मुख्य रूप से परोपकार और अन्य फंडिंग एजेंसियों से संभावित सब्सिडी/अनुदान बीज पूंजी/व्यवहार्यता अंतर फंडिंग को ध्यान में रखते हुए मूल्य बैंड के मध्य में मानी जाती है।

69 सरकार की ओर से दी जाने वाली सब्सिडी में समय-समय पर बदलाव किया जाता रहता है और यह बदलाव सब्सिडी की मात्रा और लाभार्थियों की संख्या दोनों पर प्रेक्ष्य में होता है। इस कारण योजना के किसी भी अनुभाग में उल्लेखित कोई भी सब्सिडी केवल सांकेतिक है और सामान की खरीद के समय इसकी पुष्टि की जानी आवश्यक है।

# 7

## आजीविका एवं हरित उद्यमशीलता को बढ़ाना



ग्राम पंचायत के लगभग 25% परिवार आय के लिए पशुपालन और दिहाड़ी मजदूरी पर आश्रित हैं। दोनों क्षेत्रों में आजीविका संबंधी अनिश्चितता है, जिनका कारण जलवायु परिवर्तन तथा वर्तमान में पशुपालन और उद्योग में की जाने वाली अरक्षणीय प्रक्रियाएं हैं। इसके परिणामस्वरूप, आबादी की एक बड़ा भाग अनिश्चितता में फंसा हुआ है। ग्राम पंचायत में अन्य मुख्य आय के स्रोत कृषि संबंधी कार्य और/या स्थानीय व्यवसाय/दुकानें हैं। इस कार्ययोजना में प्रस्तावित गतिविधियां भविष्य में नए व्यवसाय प्रारंभ करने और नई नौकरियों के अवसरों के बारे में दिशा दिखाती है, जिनके विवरण इस प्रकार हैं



### स्वयं सहायता समूहों के योगदान से सतत उत्पादों का निर्माण करना

सुझाई गई जलवायु स्मार्ट गतिविधियां

1. प्लास्टिक के अलावा अन्य सामग्रियों से उत्पादों का निर्माण करने के लिए महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों को सम्मिलित करना (थैले, घर सजाने का सामान, पेंसिल, छुरी-कांटा, कापियां, फर्नीचर, आदि)
2. क्षमता विकास जिससे:
  - a. उत्पाद श्रेणी का विविधिकरण हो
  - b. ग्राम पंचायत के अंदर और बाहर उत्पादों का प्रचार/उनकी बिक्री हो

लक्ष्य

प्रारंभ में:

- » 100 महिलाएं
- » 17 स्वयं सहायता समूह (जो वर्तमान में सिलाई गतिविधियां करते हैं)
- » बांस जैसे ग्राम पंचायत में उगाई गई सामग्रियों का उपयोग करना

ग्राम पंचायत और आसपास के गावों की महिलाओं के साथ दीर्घकालिक सहयोग स्थापित करना

- » अतिरिक्त 200 महिलाएं
- » अतिरिक्त स्वयं सहायता समूह, सूक्ष्म, लघु और माध्यम उपक्रम, और उद्यमी



## कम्पोस्ट बनाना और जैविक कचरे को उर्वरक के रूप में बेचना

सुझाई गई जलवायु  
स्मार्ट गतिविधियां

1. कम्पोस्ट के उत्पादन और बिक्री के लिए पंचायत, समुदाय के सदस्यों और किसान समूहों के बीच साझेदारी मॉडल:
2. समुदाय के सदस्यों और किसान समूहों की क्षमता का विकास करना
  - » कम्पोस्ट बनाने की प्रक्रियाएं
  - » ग्राम पंचायत के अन्दर और बाहर कम्पोस्ट का प्रचार और उसे बेचना

लक्ष्य

तत्काल लक्ष्य

घरलू कचर से बना कम्पोस्ट (जैविक): प्रति दिन ~143 किलो; प्रति माह 4,290 किलो (वर्तमान अपशिष्ट मात्रा के अनुसार)  
दीर्घकालिक लक्ष्य: बढ़ते हुए जैविक कचर के आधार पर अधिक कम्पोस्ट बनाना (बढ़ती जनसंख्या के आधार पर)



## ई-माल वाहक और ई-ट्रैक्टर किराए पर लेने की सुविधा

सुझाई गई जलवायु  
स्मार्ट गतिविधियां

1. उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन पॉलिसी 2022 और फेम - भारत योजना चरण II के तहत व्यवसाय के लिए ई-माल वाहकों और ई-ट्रैक्टरों को किराए पर लेने की योजना प्रोत्साहनों के माध्यम से हरित उद्यमिता/व्यवसायों के लिए अवसर प्रदान करती है
2. ई-माल वाहकों और ई-ट्रैक्टरों के लाभों के बारे में लोगों (किसान/लॉजिस्टिक्स मालिकों) के बीच प्रचार करना

लक्ष्य

तत्काल लक्ष्य

1. 2 या 3 ई-ट्रैक्टर (अनुमानित लागत: प्रति ट्रैक्टर 6 लाख रुपए)
2. 2 या 3 इलेक्ट्रिक वाहन मिनी माल परिवहन ट्रक (इलेक्ट्रिक वाहन मिनी माल परिवहन ट्रक की अनुमानित लागत: लगभग 9.2 लाख रुपए)

मध्यावधि लक्ष्य:

1. अतिरिक्त 2/3 ई-ट्रैक्टर, 2/3 इलेक्ट्रिक वाहन मिनी माल परिवहन ट्रक
2. (ध्यान दें: यह माना जा रहा है कि दिलावरपुर देवकली में 35 HP ई-ट्रैक्टर की आवश्यकता होती है जिसकी कीमत लगभग 6 लाख रुपए है)



## सौर कोल्ड स्टोरेज के माध्यम से आजीविका में सुधार करना

सुझाई गई जलवायु  
स्मार्ट गतिविधियां

1. फसल कटाई के बाद के नुकसान को घटाने के लिए छोटे और मध्यम किसानों (ग्राम पंचायत और आस-पास के गांवों में) को+ सौर कोल्ड स्टोरेज किराए पर देकर उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराना
2. फलों, सब्जियों, दूध और दूध के उत्पादों के भंडारण के लिए उद्यमियों, किसान समूहों, सहकारी समितियों (जैसे पारस) और अन्य संस्थागत खरीदारों के बीच बिजनेस मॉडल/गठजोड़

लक्ष्य

5 से 10 MT क्षमता वाले कोल्ड स्टोरेज की स्थापना (सकल फसली क्षेत्र 7.62 हेक्टेयर जिसमें सब्जियों की खेती की जाती है)

लागत: लगभग ₹8 से 15 लाख

\*चूंकि ग्राम पंचायत में सब्जियों और दूध का सीमित उत्पादन होता है, इस कोल्ड स्टोरेज क्षमता द्वारा दिलावरपुर देवकली के आसपास के गांवों को सुविधाजनक बनाने पर विचार किया जा सकता है।



## प्राकृतिक औषधियों और अनुपूरकों का उत्पादन और बिक्री करने के लिए आरोग्य वन

सुझाई गई जलवायु  
स्मार्ट गतिविधियां

1. प्राकृतिक औषधियों और पूरक आहारों के उत्पादन के लिए आरोग्य वन तैयार करना और उसकी देखरेख करना जिससे समुदायों के लिए आजीविका का सृजन हो
2. कौशल विकास और प्रशिक्षण के लिए केंद्रीय औषधीय एवं संगंध पौधा संस्थान, लखनऊ के साथ साझेदारी

लक्ष्य

लगभग 0.2 हेक्टेयर भूमि में आरोग्य वन तैयार करना



## विभिन्न आरई (RE) स्थापनाओं का क्रियान्वयन और मरम्मत (O&M)

सुझाई गई जलवायु  
स्मार्ट गतिविधियां

- नवीकरणीय उर्जा (RE) रखरखाव में कौशल विकास के लिए ग्रेजुएट, युवा समूहों और किसान समूहों को प्रशिक्षण देना और उनकी क्षमता का विकास करना।
- ग्राम पंचायत में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व में जुटी कंपनियों, सौर और बायोगैस स्थापना के लिए केंद्र और राज्य सरकारों की कौशल योजनाओं और ओ एवं एम (O&M) व्यवसायों से समर्थन प्राप्त करना

## वित्तपोषण और कौशल विकास

1. हरित उद्यमिता/व्यवसायों और आजीविका को बढ़ावा देने के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों को संवेदनशील बनाना (विभिन्न ऋण योजनाओं, सहभागिता/राजस्व मॉडल के माध्यम से) सरकारी ऋण योजनाएं जैसे मुद्रा ऋण, स्त्री शक्ति योजना, आदि महिला उद्यमियों के लिए सहायक हो सकती हैं।
2. सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों द्वारा कौशल विकास करना, जैसे: विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) (DST), राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन और अटल इनोवेशन मिशन द्वारा संचालित उद्यमी विकास कार्यक्रम और मेक इन इंडिया।



इस अनुभाग में ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यान्वयन के लिए अतिरिक्त विचार के लिए संभावित संस्तुतियों की एक सूची दी गई है। इन संस्तुतियों को भारत के विभिन्न हिस्सों और भौगोलिक क्षेत्रों में सफलतापूर्वक लागू किया गया है जिनमें उत्तर प्रदेश के साथ बहुत समानताएं हो सकती हैं।

इन्हें मुख्य अनुशंसाओं में शामिल न करने का कारण यह है कि यह संस्तुतियां/परियोजनाएं उत्तर प्रदेश सरकार की किसी भी वर्तमान योजना या कार्यक्रम या केन्द्र प्रायोजित योजनाओं के दायरे में नहीं आती हैं। इसलिए इन परियोजनाओं का कार्यान्वयन वैकल्पिक वित्तपोषण विकल्पों, जैसे स्व-वित्तपोषण, CSR या ऐसे अन्य स्रोतों के माध्यम से करना होगा।

यदि यह परियोजनाएं लागू की जाती हैं, तो इनके माध्यम से समुदायों की अनुकूली क्षमताओं को और मजबूत करने की संभावना हो सकती है एवं इनके परिणामस्वरूप आजीविका में वृद्धि भी हो सकती है।

### 1. सौर ऊर्जा संचालित कोल्ड स्टोरेज इकाई (एफपीओ, एसएचजी व किसान):

- फसल कटाई के बाद की दक्षता बढ़ाने और नुकसान को कम करने के लिए सौर ऊर्जा से चलने वाली कोल्ड स्टोरेज इकाई हैं।
- यह किसानों को संकटपूर्ण बिक्री से बचने में मदद करता है और किसानों की आय में सुधार करता है।

ये गतिविधियाये "आजीविका और उद्यमिता को बढ़ाना" अनुभाग में चर्चा की गई पहलों को मजबूत करने में सहायता करेगी

#### सर्वोत्तम प्रथाएं/उदाहरण: 70, 71, 72

- हैदराबाद, तेलंगाना में कट्टनगुर फार्मर्स प्रोड्यूसर्स कंपनी लिमिटेड।
- घुम्मर किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) राजस्थान के पाली जिले की बाली तहसील के नाना गांव में स्थित है।

### 2. सौर निष्क्रिय डिजाइन और निष्क्रिय शीतलन:

नए निर्माण और रेट्रोफिटिंग के लिए (जहां भी संभव हो): ऊर्जा की मांग को कम करने और ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए आवासीय घरों और प्रशासनिक भवनों में टिकाऊ डिजाइन के साथ स्थानीय और पारंपरिक सामग्री को बढ़ावा देना चाहिए:

- घरों में सौर ज्यामिति के अनुसार भवन का अभिविन्यास करना चाहिए।
- घरों में प्राकृतिक वायु का कुशल संचलन होना चाहिए।
- घरों में सौर चिमनी के साथ पवन टॉवर का उपयोग करना चाहिए।
- घरों में प्राकृतिक प्रकाश की व्यवस्था होनी चाहिए (पारंपरिक प्रकाश यानी बिजली से चलने वाले बल्ब, ट्युबलाइट आदि को कम करना)।
- घरों में ऊर्जा संरक्षण गतिविधियाँ करनी चाहिए।
- घरों में जल निकाय और डिज़ाइन किए गए परिदृश्य (वृक्षारोपण/बागवानी) करना चाहिए।

यह गतिविधि "स्वच्छ, सतत, किफायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच" अनुभाग में चर्चित पहलों को मजबूत करेगी।

70 [https://selcofoundation.org/wp-content/uploads/2023/08/Compendium\\_Updated\\_20230922.pdf](https://selcofoundation.org/wp-content/uploads/2023/08/Compendium_Updated_20230922.pdf)

71 <https://www.opportunityindia.com/article/empowering-women-fpo-through-solar-power-ghummar-fpo-34521>

72 <https://www.ecozensolutions.com/ecofrost/fpos-leverage-agri-infra-funds-for-ecofrost.html>

## सर्वोत्तम प्रथाएं/उदाहरण:

राजकुमारी रत्नावती बालिका विद्यालय<sup>73</sup> का थार रेगिस्तान, राजस्थान में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली 400 से अधिक लड़कियों के लिए निर्माण किया गया है: जिसमें प्रमुख रूप से निम्नलिखित उपायों का उपयोग किया गया है :

- थर्मल आराम को अधिकतम करने के लिए बिल्डिंग ओरिएंटेशन पर ध्यान दिया गया है।
- प्रकाश और पंखे चलाने के लिए स्कूल के छतों पर सौर पैनल लगाये गए हैं ।
- सोलर पैनल कैनोपी और स्क्रीन स्कूल के कमरों में ज्यादा गर्मी होने से बचाते हैं ।
- छत का अण्डाकार आकार शीतलता (वायुप्रवाह) उत्पन्न करता है।
- इमारत की दीवारें हवा के प्रवाह को बढ़ाने में मदद करती हैं और धूप व रेत को स्कूल के कमरों में आने से रोकती हैं।
- निर्माण के लिए स्थानीय सामग्री का उपयोग किया गया है ।

सोलर पैसिव कॉम्प्लेक्स, पंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी (PEDA), चंडीगढ़<sup>74</sup>:

- भवन में एकीकृत सौर ऊर्जा संयंत्र से 25 किलोवाट की बिजली का उत्पादन किया जाता है ।
- सौर ज्यामिति के अनुसार अभिविन्यास किया गए हैं ।
- भवन की छत (डिज़ाइन+सामग्री) गर्मी से रहत देने के उद्देश्य से बनाई गई ।
- सौर ऊर्जा से कमरों में एयर कंडीशनर और प्रकाश की जरूरत को पूरा किया जाता है (उदाहरण के लिए, लाइट वॉल्ट, सौर चिमनी के साथ पवन टॉवर) ।
- शीतलन और वायु शोधन के लिए छोटे तालाब और वृक्षारोपण (पेड़, झाड़ियाँ और घास)।

## 3. सौर ऊर्जा संचालित RO जल शोधन प्रणाली/ जल एटीएम कियोस्क का निर्माण:

सौर-आधारित आरओ (RO) जल शोधन प्रणाली स्वच्छ पेयजल की समस्या के लिए एक सतत और लागत प्रभावी समाधान प्रदान करती है। यह पानी के पुनः उपयोग को बढ़ावा देते हुए समुदाय को सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करता है। पेयजल की गुणवत्ता की समस्या से जूझ रही ग्राम पंचायत के लिए यह पहल लाभदायक हो सकती है।

## सर्वोत्तम प्रथाएं/उदाहरण:

हिंवरा लाहे गांव, जिला-वाशिम, राज्य-महाराष्ट्र<sup>75</sup>:

- सीएसआर समर्थन से सौर ऊर्जा संचालित जल शोधन प्रणाली/ जल एटीएम कियोस्क (समुदाय आधारित) को स्थापित किया गया।
- समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार देखा गया ।
- प्रणाली के संचालन और प्रबंधन के लिए ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को सक्षम बनाया गया ।
- इसी तरह की पहल गुजरात, तेलंगाना, राजस्थान आदि राज्यों में भी की गई है।

73 <https://www.avontuura.com/rajikumari-ratnavati-girls-school-diana-kellogg-architects>

74 <https://peda.gov.in/solar-passive-complex>

75 <https://yraindia.org/wp-content/uploads/2019/12/RO-plant-Success-story-in-Village-Hiwara-HDB-project.pdf>

## 4. सौर ऊर्जा संचालित पशु शेड का निर्माण:

पशु शेड मवेशियों को तीव्र गर्मी और शीतलहर से बचाने के लिए सौर ऊर्जा संचालित अनुकूली उपाय हैं। इस पहल में पशु शेड की छतों पर सौर ऊर्जा पैनल लगाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का शमन करने में सहायक हैं। यह सौर ऊर्जा संचालित पशु शेड बिजली की मांग की भी पूर्ति कर सकते हैं। यह ऊर्जा की मांग में कमी और निष्क्रिय शीतलन और वेंटिलेशन प्रदान करने में सहायक हैं, इसके अलावा पशु शेड अन्य ऊर्जा की जरूरत को पूरा करता है जैसे की चारे की तैयारी और शेड में संचालन करने में ऊर्जा की जरूरत। अतिरिक्त उत्पादित बिजली को ग्रिड में डाला जा सकता है जिससे किसानों को अतिरिक्त आय उत्पन्न करने का स्रोत मिल सकता है।

इस तरह के पशु शेड बायोगैस उत्पादन और पशु अपशिष्ट (गोबर) से उर्वरक तैयार करने में भी मदद करेंगे। ये पशु शेड उचित पृथक और पशुओं को सुरक्षित स्थान प्रदान करके पशुओं में फैलने वाले रोगों के संचरण को कम करने में भी मदद कर सकते हैं।

यह गतिविधि संस्त्रुतियों के “ सतत कृषि” खंड में सतत पशुधन प्रबंधन सुझावों को मजबूत कर सकती है।

### सर्वोत्तम प्रथाएं/उदाहरण:

जिले: लुधियाना, बठिंडा और तरनतारन, पंजाब<sup>76,77</sup>

- यह परियोजना 3 जिलों में 1-2 हेक्टेयर भूमि और 5-15 डेयरी पशुओं वाले छोटे और सीमांत किसानों के 3000 परिवारों के लिए कार्यान्वित की गई
- पशु शेडों जलवायु को सुरक्षित करने और छोटे और सीमांत पशुधन किसानों की स्थायी आजीविका को बढ़ावा देते हैं

### निर्मल गुजरात अभियान<sup>78</sup>

- गुजरात के हिममतनगर में पशु छात्रावास गांवों को साफ रखने में मदद करते हैं।
- ऐसे पशु आश्रय स्थल (पशु छात्रावास) में बायोगैस और वर्मीकम्पोस्ट उत्पन्न करने के लिए गोबर एकत्र करने में भी प्रभावी हैं। इसके अतिरिक्त ग्राम कल्याण के लिए धन जुटाने के लिए वर्मीकम्पोस्ट बेचा जा सकता है।

इसके अतिरिक्त, एक “अनुसूचित जाति उप योजना (एससीएसपी)<sup>79</sup>” के तहत पशु शेड सब्सिडी योजना” है, जिसे गुजरात सरकार के पशुपालन, कृषि, किसान कल्याण और सहयोग विभाग निर्देशल्य द्वारा कार्यान्वित किया जाता है। इस योजना के तहत, अनुसूचित जाति के लाभार्थियों को 2 जानवरों के लिए मवेशी शेड के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता (या तो ₹30,000/- या मवेशी शेड की लागत का 50%, जो भी कम हो) दी जाती है।

## 5. कूल रूफ/ठंडी छतें

घरों, सार्वजनिक इमारतों और सरकारी भवनों की छतों को सौर-परावर्तक पेंट से रंगना।

### सर्वोत्तम प्रथाएं/उदाहरण:

जोधपुर, भोपाल, सूरत और अहमदाबाद में झुग्गी-झोपड़ी वाले घर<sup>80</sup>

- स्थानीय सामुदायिक कार्यकर्ताओं ने परिवारों को अपनी खुद की ठंडी छत को पेंट करने के लिए प्रशिक्षित किया।
- प्रदर्शन आउटरीच: 460 से अधिक छतें में पेंट किया गया।
- पारंपरिक छतों की तुलना में घर के अंदर का तापमान 2 - 5°C कम पाया गया।

यह गतिविधि “स्वच्छ, सतत, किफायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच” अनुभाग से जुड़ी है।

76 <https://pscst.punjab.gov.in/en/climate-resilient-livestock-production-system>

77 <https://moef.gov.in/wp-content/uploads/2017/08/Punjab.pdf>

78 <https://jayshaktiengg.com/gujarat-government-launches-solar-scheme-for-farmers/>

79 <https://www.myscheme.gov.in/schemes/csssscspssc>

80 <https://www.nrdc.org/bio/anjali-jaiswal/cool-roofs-community-led-initiatives-four-indian-cities>

## 6. चारे की संपूरक के उपयोग से मवेशियों से मीथेन उत्सर्जन को कम करना :

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) 12-राष्ट्रीय पशु पोषण और फिजियोलॉजी संस्थान ने पशुधन से मीथेन उत्सर्जन को कम करने में मदद के लिए फ़ीड सप्लीमेंट (हरित धारा और टैमरिन प्लस) विकसित किए हैं। यह गतिविधि “सतत कृषि” अनुभाग से जुड़ी है।

### सर्वोत्तम प्रथाएं/उदाहरण:

- इन संपूरकों के उपयोग से आंत्रिय मीथेन उत्सर्जन में 17-20% तक कम हो सकता है<sup>81</sup>।
- आईसीएआर की रिपोर्ट के अनुसार इन पूरक आहार की कीमत ₹6 प्रति किलोग्राम है।

## 7. सौर ऊर्जा संचालित ऊर्ध्वाधर चारा उगाने वाली इकाइयों (घरेलू स्तर/सामुदायिक स्तर) का निर्माण:

सौर ऊर्जा से संचालित, माइक्रोक्लाइमेट-नियंत्रित, ऊर्ध्वाधर चारा उगाने वाली इकाई उपयोगकर्ताओं को प्रतिदिन एक बाल्टी से भी कम पानी के साथ ताजा चारा काटने में सक्षम बनाती है। ऐसी इकाइयाँ सूखे की स्थिति में भी पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगी।

यह गतिविधि “सतत कृषि” अनुभाग से जुड़ा है।

### सर्वोत्तम प्रथाएं/उदाहरण:

आंध्र प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और बिहार राज्यों में<sup>82</sup>

- चारा उत्पादक इकाइयों को अपनाने से पशुधन के लिए हरे चारे की उपलब्धता में वृद्धि।
- इससे किसानों की आय में वृद्धि होती है।

## 8. पंचायत स्तरीय जल बजटिंग

जलवायु-अनुकूल कृषि-आधारित आजीविका के लिए जल प्रबंधन और ‘जल बजटिंग’

### सर्वोत्तम प्रथाएं/उदाहरण:

- वार्षिक/त्रैमासिक जल बजट की गणना।
- ग्राम स्तर पर “जल की कमी” और “जल अधिशेष” की गणना।
- पानी की उपलब्धता के आधार पर वार्षिक फसल उत्पादन योजना।
- जल बर्बादी को रोकने के लिए जल ऑडिट।

यह गतिविधि कार्ययोजना के सतत कृषि और जल संसाधन प्रबंधन अनुभागों से जुड़ी है। यह पहल फसल चयन/योजना, खेत तालाब, बेहतर सिंचाई विधियों, जल पुनर्भरण आदि जैसे कई हस्तक्षेपों को सुदृढ़ बनाएगी।

### सर्वोत्तम प्रथाएं/उदाहरण:

7 ग्राम पंचायतें (जीपी) और पड़ोसी बस्तियां, रंगारेड्डी और नागौरकुर्नूल जिले, तेलंगाना<sup>83</sup>

- यह गतिविधि पानी की खपत की वर्तमान स्थिति व खपत को अनुकूलित करने के उपाय दोनों को पहचानने में मदद करेगी।
- इस गतिविधि के द्वारा प्रत्येक कृषि मौसम यानी खरीफ़ (मानसून), रबी (सर्दी), और ज़ैद (गर्मी) के लिए योजना बनाने में भी सहायता मिल सकती है।

81 भारतीय कृषि परिषद की रिपोर्ट के अनुसार <https://testicar.icar.gov.in/content/icar-nianp-commercializes-anti-methanogenic-feed-supplement-%E2%80%99Charit-dhara%E2%80%9D>

82 <https://india.mongabay.com/2024/04/amid-fodder-crisis-hydroponics-offers-new-hope-for-indian-farmers/>

83 <https://wotr.org/2018/03/31/water-budgeting-in-telangana-the-need-and-the-objective-of-the-campaign/>

## 9. जलवायु प्रभाव क्षेत्रों में ग्रामीण महिला उद्यमियों को सक्षम बनाना

गांवों में महिलाओं के नेतृत्व वाली जमीनी स्तर की उद्यमिता सहायता पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण:

- महिलाएं स्वच्छ/हरित प्रौद्योगिकी-आधारित उत्पाद की बिक्री करें।
- महिलाएं समुदायों को स्वच्छ-प्रौद्योगिकियों के महत्व पर शिक्षित करें।
- उदाहरण के लिए, स्वच्छ खाना पकाने (सौर कुकस्टोव), पोर्टेबल सौर जल शोधक, एनर्जी एफ्फिसिएंट लाइट, आदि।
- महिलाओं को व्यवसाय विस्तार ऋण उपलब्ध कराया जाए।
- ग्रामीण विपणन और वितरण संबंधों को सुविधाजनक बनाया जाए।

ग्रामीण महिलाओं को उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र में सक्षम बनाने के लिए व्यावसायिक कौशल विकास, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण।

इस पहल का उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और जलवायु प्रभाव क्षेत्रों में महिलाओं की भूमिका और भागीदारी को मजबूत करना है। यह कार्ययोजना के आजीविका और हरित उद्यमिता को बढ़ाने वाले अनुभाग से जुड़ता है।

### सर्वोत्तम प्रथाएं/उदाहरण:

4 राज्यों (महाराष्ट्र, बिहार, गुजरात और तमिलनाडु) में 14 जिले<sup>84</sup>

स्वयं शिक्षान प्रयोग (एसएसपी) महिलाओं को उनके ग्रामीण समुदायों में स्वच्छ ऊर्जा उद्यमियों और जलवायु परिवर्तन नेताओं के रूप में सक्षम बनाता है:

- 60,000 से अधिक ग्रामीण महिला उद्यमियों को स्वच्छ ऊर्जा, सतत कृषि, स्वास्थ्य और पोषण, और सुरक्षित पानी और स्वच्छता में सक्षम बनाया गया।
- 1,000 से अधिक महिला उद्यमियों ने स्वच्छ-ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण लिया और व्यवसाय शुरू किया।

## 10. सामुदायिक बीज बैंक

- सामुदायिक बीज बैंक क्षेत्र में फसल विविधीकरण और स्थिरता को बढ़ावा देंगे जबकि स्थानीय बीज प्रणालियों को मुख्यधारा में लाएंगे, तथा जलवायु परिवर्तन के प्रति सुदृढ़ बनाएंगे।
- ऐसे बीज बैंक किसानों को सूखा-सहिष्णु और जलवायु परिवर्तन अनुरोधक फसलों को उगाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।
- किसानों के लिए सुरक्षा जाल सुनिश्चित करें, विशेष रूप से प्रतिकूल मौसम की स्थिति और भोजन की कमी के दौरान।

### सर्वोत्तम प्रथाएं/उदाहरण:

सामुदायिक बीज बैंक, डंगधोरा, जोरहाट, असम (UNEP-GEF परियोजना)<sup>85</sup>

- बीज बैंक से जुड़े किसानों को स्थानीय बाजार में उपलब्ध बीजों की तुलना में बेहतर गुणवत्ता वाले बीजों की कटाई, उपचार, भंडारण और गुणा करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।
- बीज बैंक की पहल सहभागी फसल सुधार और ज्ञान-साझाकरण रणनीतियों को बढ़ावा देती है।
- किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीजों तक सस्ते और आसान पहुंच प्रदान की जाती है व किसानों को बाजार से भी जोड़ती है।
- यह बीज प्रणालियाँ व इनकी मूल्य श्रृंखलाएँ स्थिरता और खाद्य सुरक्षा दोनों की रक्षा करती हैं।

84 <https://unfccc.int/climate-action/momentum-for-change/women-for-results/rural-community-leaders-combatting-climate-change>

85 <https://alliancebioiversityciat.org/stories/community-seed-banks-empower-farmers-address-climate-risk-india>

## 11. जैव-संसाधन केंद्र (बीआरसी) की स्थापना

जैव-इनपुट संसाधन केंद्र (बीआरसी) प्राकृतिक खेती को अपनाने की सुविधा के लिए जैव-इनपुट तैयार करते हैं और आपूर्ति करते हैं। बीआरसी से किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए जैव-इनपुट स्वयं तैयार करने की आवश्यकता नहीं रहती, क्योंकि जैव-इनपुट तैयार करना एक समय लेने वाली और श्रम-गहन गतिविधि है।

- मिट्टी के स्वास्थ्य, फसल उपज की वृद्धि, कीट या रोग प्रबंधन में सुधार के लिए उपयोगी जैविक संस्थाओं या जैविक रूप से व्युत्पन्न इनपुट का उपयोग करने वाले स्थानीय रूप से तैयार उत्पाद किसानों द्वारा खरीद के लिए उपलब्ध कराए जाते हैं।
- बीआरसी क्षेत्र के किसानों की सभी जैव इनपुट आवश्यकताओं के लिए सिंगल-स्टॉप शॉप के रूप में कार्य करता है।

### सर्वोत्तम प्रथाएं/उदाहरण:

आंध्र प्रदेश राज्य में<sup>86</sup>



- सतत जलवायु-अनुकूल कृषि में योगदान देता है।
- किसानों को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल ढलने में मदद मिलती है क्योंकि उच्च कार्बनिक पदार्थ की मात्रा मिट्टी को बाढ़, सूखे और भूमि क्षरण प्रक्रियाओं के प्रति अधिक लचीला बनाती है।
- कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र और पैदावार में स्थिरता होने के परिणामस्वरूप जोखिम कम हो जाता है, और उत्पादन लागत भी कम हो जाती है।

<sup>86</sup> <https://www.apmas.org/pdf/csv/casestudy-1.pdf>

# 7

## अनुकूलन, सह-लाभ और सतत विकास लक्ष्यों से जुड़ाव





### हरित क्षेत्रों और जैवविविधता का विस्तार

अनुशासक	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया <sup>87</sup>
<p>क. हरित क्षेत्रों/ हरियाली को बेहतर बनाना</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>जलवायु घटनाओं/आपदाओं से प्राकृतिक सुरक्षा</li> <li>सूक्ष्म जलवायु को विनियमित करने से हीटवेव और गर्मी के तनाव से अनुकूलन में सहायता मिलेगी</li> <li>औषधीय पौधों तक पहुंच से स्वास्थ्य लाभ</li> <li>बेहतर मृदा स्थिरता, जल संरक्षण और संबंधित कृषि लाभों के लिए प्रकृति-आधारित समाधान (एनबीएस)।</li> </ul>	<p>एसडीजी 11: सतत शहर और समुदाय</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 11.7</li> <li>लक्ष्य 11.4</li> </ul> <p>एसडीजी 12 : सतत खपत और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित करना</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 12.2</li> </ul> <p>एसडीजी 13: जलवायु कार्रवाई</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 13.1</li> <li>लक्ष्य 13.2</li> <li>लक्ष्य 13.3</li> </ul>
<p>ख. जन जैवविविधता रजिस्टर</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>पशुधन उत्पादकता में सुधार</li> <li>कृषिवानिकी, प्राकृतिक औषधियों के उत्पादन आदि से राजस्व सृजन।</li> <li>जैवविविधता के लिए बेहतर पर्यावरण और आवास, पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में वृद्धि</li> </ul>	<p>एसडीजी 15: भूमि पर जीवन</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 15.1</li> <li>लक्ष्य 15.2</li> <li>लक्ष्य 15.3</li> <li>लक्ष्य 15.5</li> <li>लक्ष्य 15.9</li> </ul>









87 प्रासंगिक एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों की विस्तृत सूची अनुलग्नक V में दी गई है

## जल निकायों का प्रबंधन तथा कायाकल्प

अनुशंसाएं	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया
<p>क. वर्षा जल संचयन संबंधी प्रथाएं</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>• प्रकृति-आधारित समाधान (एनबीएस) पानी की कमी और पानी से जुड़ी समस्याओं से निपटने की क्षमता को बढ़ाता है</li> <li>• बेहतर भूजल पुनर्भरण</li> <li>• पानी की गुणवत्ता में वृद्धि</li> <li>• सूखा, लू आदि जैसी आपदाओं के प्रति लचीलापन बढ़ा।</li> <li>• कृषि एवं पशुधन उत्पादकता में सुधार</li> <li>• स्थानीय जैवविविधता को बढ़ावा</li> </ul>	<p>एसडीजी 6: स्वच्छ जल और स्वच्छता</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>▪ लक्ष्य 6.1</li> <li>▪ लक्ष्य 6.4</li> <li>▪ लक्ष्य 6.5</li> </ul> <p>एसडीजी 11: सतत शहर और समुदाय</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>▪ लक्ष्य 11.4</li> </ul> <p>एसडीजी 12: सतत खपत और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित कर</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>▪ लक्ष्य 12.2</li> </ul> <p>एसडीजी 13: जलवायु कारवाइ</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>▪ लक्ष्य 13.1</li> <li>▪ लक्ष्य 13.2</li> </ul> <p>एसडीजी 15: भूमि पर जीवन</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>▪ लक्ष्य 15.1</li> <li>▪ लक्ष्य 15.5</li> </ul>     
<p>ख. तालाबों की देखरेख</p> 		
<p>ग. नाली व्यवस्था को बेहतर बनाना</p> 		

## सतत कृषि

अनुशंसाएं	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया
<p>क. जलवायु परिवर्तन सहनशीलता विकसित करना</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सूखे, गर्मी के प्रभाव, कीटों आदि से फसलों की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए इको-डीआरआर दृष्टिकोण<sup>88</sup> के माध्यम से खाद्य सुरक्षा</li> <li>• कृषि उत्पादकता एवं लाभ में वृद्धि</li> <li>• मृदा स्वास्थ्य में सुधार</li> <li>• रासायनिक आदानों के कम उपयोग के कारण पानी की गुणवत्ता में सुधार हुआ</li> <li>• शीत लहर और गर्मी की लहर के दौरान पशुधन की हानि कम हुई और उत्पादकता में वृद्धि हुई</li> <li>• वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ और उत्सर्जन में कमी आई</li> </ul>	<p>एसडीजी 2: शून्य भूख</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>▪ लक्ष्य 2.3</li> <li>▪ लक्ष्य 2.4</li> <li>▪ लक्ष्य 2.ए; अनुच्छेद 10.3.ई</li> </ul> <p>एसडीजी 6: स्वच्छ जल और स्वच्छता</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>▪ लक्ष्य 6.4</li> <li>▪ लक्ष्य 13.1</li> </ul> <p>एसडीजी 13: जलवायु कारवाइ</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>▪ लक्ष्य 13.2</li> <li>▪ लक्ष्य 13.3</li> </ul>   
<p>ख. प्राकृतिक कृषि को अपनाना</p> 		
<p>ग. सतत पशुधन प्रबंधन</p> 		

88 पारिस्थितिकी-आपदा जोखिम में कमी



## सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

अनुशंसाएं	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया <sup>87</sup>
<p>क. वर्तमान अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था का विस्तार करना</p> 	<p>a. जलभराव कम हुआ b. जल और भूमि प्रदूषण में कमी/स्वच्छता में सुधार c. 100% अपशिष्ट प्रबंधन और सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिमों और महामारी की घटनाओं में कमी के कारण अच्छा स्वास्थ्य और अपेक्षाकृत रोग-मुक्त वातावरण</p>	<p>एसडीजी 3: अच्छा स्वास्थ्य और खुशहाली</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 3.3</li> <li>लक्ष्य 3.9</li> </ul> <p>एसडीजी 6: स्वच्छ जल और स्वच्छता</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 6.3</li> <li>लक्ष्य 6.8</li> </ul>
<p>ख. जैविक अपशिष्ट का उचित प्रबंधन</p> 	<p>d. आजीविका और आय सृजन e. राजस्व और लाभ सृजन f. सतत कृषि के लिए उन्नत इनपुट</p>	<p>एसडीजी 8: सभ्य कार्य और आर्थिक विकास</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 8.3</li> </ul> <p>एसडीजी 9: उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 9.1</li> </ul> <p>एसडीजी 12: सतत खपत और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित कर</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 12.4</li> <li>लक्ष्य 12.5</li> <li>लक्ष्य 12.8</li> </ul>
<p>ग. एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध</p> 		<p>एसडीजी 13: जलवायु कार्रवाई</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 13.1</li> <li>लक्ष्य 13.2</li> <li>लक्ष्य 13.3</li> </ul> <p>एसडीजी 15: भूमि पर जीवन</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 15.1</li> </ul>










## स्वच्छ, सतत, किफ़ायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच


अनुशासण	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया <sup>87</sup>
क. सौर रूफ़टॉप की स्थापना 	<ul style="list-style-type: none"> <li>ऊर्जा सुरक्षा</li> <li>उष्ण आराम</li> <li>उन्नत आजीविका विकल्प</li> <li>अतिरिक्त राजस्व सृजन</li> <li>उच्च तापमान/धुप के संपर्क से रहत प्रदान करता है जिसके परिणामस्वरूप उपज में स्थिरता और उत्पादकता में वृद्धि होती है</li> <li>विषैले उत्सर्जन/स्थानीय वायु प्रदूषण में गिरावट</li> <li>पे-बैंक अवधि के बाद आर्थिक लाभ</li> <li>घर के अंदर वायु प्रदूषण में कमी</li> <li>विशेषकर महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार</li> <li>ईंधन की लकड़ी इकट्ठा करने के कठिन परिश्रम/शारीरिक श्रम को समाप्त करता है</li> <li>आपदाओं के दौरान ग्रिड विफलताओं से निपटने की क्षमता में वृद्धि</li> </ul>	एसडीजी :6 स्वच्छ जल और स्वच्छता <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 4.6</li> </ul> एसडीजी :7 सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 7.1</li> <li>लक्ष्य 7.2</li> <li>लक्ष्य 7.3</li> <li>लक्ष्य 7.ए</li> <li>लक्ष्य 7.बी</li> </ul> एसडीजी 9: उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 9.1</li> </ul> एसडीजी 13: जलवायु कारवाई <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 13.2</li> <li>लक्ष्य 13.3</li> </ul>
ख. कृषि-फोटोवोल्टेक 		
ग. सौर पंप 		
घ. रसोई में स्वच्छ ईंधन का प्रयोग/क्लीन कुकिंग 		
ड. ऊर्जा दक्षता 		
च. सोलर स्ट्रीट लाइट 		



## सतत और उन्नत गतिशीलता

अनुशासण	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया <sup>87</sup>	
<p>क वर्तमान सड़कों का रखरखाव करना</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>स्थानीय वायु प्रदूषण में गिरावट से मानव और पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में सुधार</li> <li>जोखिम वाले और संवेदनशील लोगों के लिए बेहतर पहुंच</li> <li>अतिरिक्त राजस्व सृजन</li> <li>वस्तुओं और सेवाओं की अंतिम-मील कनेक्टिविटी में वृद्धि</li> <li>जलभराव कम करने जैसे सह-लाभों के साथ सड़क बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के माध्यम से लचीलेपन में सुधार</li> </ul>	<p>एसडीजी 7: सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 7.2</li> </ul> <p>एसडीजी 11: सतत शहर और समुदाय</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 2.11</li> </ul> <p>एसडीजी 9: उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 9.1</li> </ul> <p>एसडीजी 13: जलवायु कार्रवाई</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 13.2</li> <li>लक्ष्य 13.3</li> </ul>	
<p>ख मध्यवर्ती सार्वजनिक परिवहन</p> 			<p>एसडीजी 7: सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा</p>  <p>एसडीजी 11: सतत शहर और समुदाय</p>  <p>एसडीजी 9: उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा</p>  <p>एसडीजी 13: जलवायु कार्रवाई</p> 
<p>ग ई-वाहन और ई ट्रेक्टर</p> 			

# आजीविका एवं हरित उद्यमशीलता को बढ़ाना

अनुशासण	अनुकूलन क्षमता और सह-लाभ	एसडीजी और संबंधित लक्ष्यों को संबोधित किया गया <sup>87</sup>
<p>क स्वयं सहायता समूहों के योगदान से सतत उत्पादों का निर्माण करना</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>जल एवं भूमि प्रदूषण में कमी</li> <li>सतत कृषि के लिए उन्नत सुझाव</li> <li>001% अपशिष्ट प्रबंधन और सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिमों और महामारी की घटनाओं में कमी के कारण अच्छा स्वास्थ्य और अपेक्षाकृत रोग-मुक्त वातावरण</li> </ul>	<p>एसडीजी 5: लैंगिक समानता हासिल करना और सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 5.5</li> </ul>
<p>ख कम्पोस्ट बनाना और जैविक कचरे को उर्वरक के रूप में बेचना</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>अतिरिक्त राजस्व सृजन</li> <li>आजीविका के उन्नत विकल्प</li> <li>औषधीय पौधों तक पहुंच से स्वास्थ्य लाभ</li> <li>कृषिवानिकी, प्राकृतिक औषधियों के उत्पादन आदि से राजस्व सृजन।</li> </ul>	<p>एसडीजी 8: सभ्य कार्य और आर्थिक विकास</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 8.3</li> </ul> <p>एसडीजी 12: सतत खपत और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित कर</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 12.2</li> <li>लक्ष्य 12.4</li> <li>लक्ष्य 12.5</li> <li>लक्ष्य 12.8</li> </ul>
<p>ग ई-माल वाहक और ई-ट्रैक्टर किराए पर लेने की सुविधा</p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>जैवविविधता के लिए बेहतर पर्यावरण और आवास, पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में वृद्धि</li> <li>स्थानीय वायु प्रदूषण में गिरावट से मानव और पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है</li> <li>वस्तुओं और सेवाओं की अंतिम-मील कनकटिविटी वृद्धि</li> </ul>	<p>एसडीजी 13: जलवायु कार्रवाई</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लक्ष्य 13.1</li> <li>लक्ष्य 13.2</li> <li>लक्ष्य 13.3</li> </ul>
<p>घ सौर कोल्ड स्टोरेज के माध्यम से आजीविका में सुधार करना</p> 		
<p>ड प्राकृतिक औषधियों और अनुपूरकों का उत्पादन और बिक्री करने के लिए आरोग्य वन</p> 		
<p>च विभिन्न आरई (RE) स्थापनाओं का क्रियान्वयन और मरम्मत (O&amp;M)</p> 		



कार्यान्वयन पर प्रस्तावित सुझाव न केवल दिलावरपुर देवकली के ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन को कम करने में ही नहीं बल्कि ऊर्जा, खाद्य और जल सुरक्षा भी हासिल करने में भी मदद करेंगे, जिससे ग्राम पंचायत की जलवायु स्मार्ट, लचीली (रेजिलेंट) और सतत बनाएगी। यह अपने निवासियों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए ग्राम पंचायत के समग्र और सतत विकास को बढ़ावा देगी। इसके अतिरिक्त, ये सुझाव प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देते हुए जीवन की गुणवत्ता में सुधार करेंगे। दिलावरपुर देवकली के लिए यह जलवायु स्मार्ट कार्य योजना ऊर्जा, कृषि इनपुट, पानी आदि पर खर्च में कमी जैसे विभिन्न पहलुओं के माध्यम से इसे 'आत्मनिर्भर' बनाएगी और आर्थिक विकास के नए रास्ते खोलेगी।

इसके अतिरिक्त, प्रस्तावित हस्तक्षेपों के कार्यान्वयन के साथ दिलावरपुर देवकली जलवायु कार्रवाई पर राज्य के दृष्टिकोण और लक्ष्यों में भी योगदान देगी, जो बदले में, जलवायु परिवर्तन को समाधान करने और सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए देश के प्रयासों में योगदान होगा। जो बदले में जलवायु को संबोधित करने के लिए देश के प्रयासों में योगदान देगा जैसे एनडीसी 2015 और इसके अद्यतन संस्करण, वर्ष 2022 में सूचीबद्ध योगदानों को बदलना और वर्ष 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करना।

जलवायु संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए स्थानीय स्तर पर अनुरूप समाधान की आवश्यकता है, जो पर्याप्त जलवायु वित्त की उपलब्धता से ही सफल हो सकता है। इसे राज्य और केंद्रीय योजनाओं के तहत समर्थित चल रही गतिविधियों को एकीकृत करके और अतिरिक्त वित्तीय संसाधन जुटाकर हासिल किया जा सकता है। इससे सभी प्रासंगिक हितधारकों: समुदाय, सरकारी प्रशासन, निर्वाचित प्रतिनिधियों और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग में वृद्धि होगी। कार्य योजना के कार्यान्वयन के बाद, नए बुनियादी ढांचे/प्रौद्योगिकी के कुशल प्रबंधन के रूप में निरंतर कार्रवाई दिलावरपुर देवकली को एक मॉडल जलवायु स्मार्ट ग्राम पंचायत बनने को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगी। वर्तमान योजना की सफलता संभवतः अन्य ग्राम पंचायतों को खुद को स्मार्ट, लचीला और सतत बनाने की प्रक्रिया का पालन करने के लिए प्रभावित करेगी। इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए, माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित लाइफ (LiFE) मिशन की तर्ज पर, एक स्थायी जीवन शैली को अपनाने के लिए सामुदायिक स्वामित्व और व्यवहार परिवर्तन की भावना को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण होगा।

## अनुलग्नक I: पृष्ठभूमि और कार्यप्रणाली

### पृष्ठभूमि

उत्तर प्रदेश (यूपी) राज्य जलवायु कार्ययोजना की दिशा के प्रति तेजी से प्रगति कर रहा है। माननीय मुख्यमंत्री, श्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी और प्रेरणादायक नेतृत्व के अंतर्गत, राज्य ने शासन के विभिन्न स्तरों पर जलवायु कार्ययोजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शुरू की है। ऐसी ही एक पहल 'क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायतों' के लिए कार्ययोजना को विकसित करना है।<sup>89</sup> इस अवधारणा की परिकल्पना उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने जून, 2022 में की थी। इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए, उत्तर प्रदेश के 39 संवेदनशील जिलों<sup>89</sup> में जलवायु अनुकूल ग्राम पंचायतों की पहचान करने के लिए एक त्वरित बहु-मानदंड आकलन किया गया था। चयनित ग्राम पंचायतों की घोषणा की गई और इनमें से कई का 5 जून, 2022 को आयोजित 'पंचायतों के सम्मेलन' (सीओपी (COP)) के दौरान अभिनंदन किया गया था।

दिलावरपुर देवकली के लिए जलवायु स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना<sup>90</sup> वसुधा फाउंडेशन और गोरखपुर एनवायरनमेंटल एक्शन ग्रुप के सहयोग से पर्यावरण, वन और जलवायु कार्ययोजना विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विकसित की गई है। कार्ययोजना का उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर जलवायु कार्ययोजना को मुख्यधारा में लाने के लिए एक अनुकूलित खाका प्रदान करना है। यह बदले में न केवल जलवायु लचीलापन बनाने के लिए स्थानीय जलवायु पहलों को मजबूत करेगा, बल्कि 2030 तक शून्य कार्बन/कार्बन तटस्थ बनने के उद्देश्य के साथ उत्सर्जन को भी कम करेगा।

इस कार्ययोजना को विकसित करने में अपनाया गया सहभागी दृष्टिकोण बॉटम-अप प्लानिंग की अवधारणा का समर्थन करता है। इस कार्ययोजना में दी गई प्रमुख सुझावों को व्यक्तिगत प्रायोगिक परियोजनाओं में परिवर्तित किया जा सकता है जिन्हें सीएसआर (CSR) निधि, वर्तमान राज्य एवं केंद्र सरकार के कार्यक्रमों, नवीन सार्वजनिक-निजी साझेदारी, कार्बन वित्त और निजी निवेश जैसे वित्तपोषण विकल्पों की एक श्रृंखला के माध्यम से वित्त पोषित किया जा सकता है।

इसे व्यवहार्य बनाने के लिए, कार्ययोजना में पंचायत-निजी-साझेदारी (पीपीपी (PPP)) विकसित करने के लिए एक रूपरेखा भी है और इस कार्ययोजना के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य अभिनेताओं और गैर-राज्य अभिनेताओं के बीच सहकार्यता और सहयोग बढ़ाया गया है।

89 उत्तर प्रदेश के जलवायु परिवर्तन पर राज्य कार्ययोजना 2.0 और डीओईएफसीसी जीओयुपी द्वारा उत्तर प्रदेश के जलवायु परिवर्तन अनुकूलन आयोजना कार्यक्षेत्र मूल्यांकन से उत्तर प्रदेश के 39 अत्यधिक अतिसंवेदनशील जिलों को चिह्नित किया गया था।

90 इस दस्तावेज़ में मुख्य जलवायु स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना संलग्न है और साथ ही इसमें अनुलग्नक के रूप में निम्न संलग्न हैं: विस्तृत कार्यप्रणाली; भरी हुई प्रश्नावली; खतरा, जोखिम, भेद्यता और क्षमता मूल्यांकन (एचआरवीसीए) रिपोर्ट, और ग्राम पंचायत का सामाजिक और संसाधन मानचित्र।

## कार्यप्रणाली

प्रस्तुत रिपोर्ट में मुख्य जलवायु स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना के साथ-साथ समुदाय के सहयोग से भरी गयी प्रश्रावली, एचआरवीसीए रिपोर्ट, अनुलग्नक के रूप में संलग्न ग्राम पंचायत का सामाजिक एवं संसाधन मानचित्र से प्राप्त जानकारी सम्मिलित हैं।

जलवायु स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना को तैयार करने के लिए, निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया :

- **सर्वेक्षण प्रश्रावली तैयार करना:** जमीनी स्तर पर स्थिति को समझने और ग्राम पंचायत के आधारभूत परिदृश्य विकसित करने के लिए प्रमुख हितधारकों और क्षेत्रीय विशेषज्ञों के इनपुट के साथ एक प्रश्रावली तैयार की गई। इस प्रश्रावली में जनसांख्यिकी, सामाजिक-आर्थिक संकेतक, जलवायु परिवर्तनशीलता, जलवायु संबंधी धारणा (पिछले 5 वर्ष), ऊर्जा, कृषि और पशुधन, भूमि संसाधन, स्वच्छता और स्वास्थ्य जैसे विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया। सर्वेक्षण का उद्देश्य ग्राम पंचायत में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं तक पहुंच को समझना भी था।
- **हितधारकों के साथ परामर्श और क्षमता निर्माण:** स्थानीय सहयोगी स्वयं सेवी संस्थाओं, ग्राम प्रधानों, पंचायत सचिवों के लिए परामर्श और क्षमता निर्माण कार्यशालाएं आयोजित की गईं। हितधारकों को जलवायु स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्य योजना के उद्देश्य और इनके घटकों, इन कार्ययोजनाओं के विकास की प्रक्रिया और इसमें उनकी व्यक्तिगत भूमिकाओं के बारे में जानकारी दी गई।
- इसके अतिरिक्त, सहयोगी स्वयं सेवी संस्थाओं को प्रमुख जलवायु परिवर्तन अवधारणाओं, अपनाई जाने वाली सर्वेक्षण तकनीकों और फोकस समूह चर्चाओं के लिए विकसित प्रश्रावली पर प्रशिक्षण भी दिया गया।
- **क्षेत्र का सर्वेक्षण:** समुदाय से अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु, प्राथमिक डेटा एकत्र करने के उद्देश्य से ग्राम सभा और समूह केन्द्रित चर्चाओं का आयोजन किया गया।
  - » क्षेत्र सर्वेक्षण में ग्राम पंचायत के सामाजिक और संसाधन मानचित्र तैयार करने के लिए ग्राम पंचायत का भ्रमद भी किया गया।
  - » ग्राम पंचायत के सामने आने वाले विभिन्न मुद्दों को समझने के लिए एक खतरा, जोखिम, संवेदनशीलता और क्षमता आकलन (एचआरवीसीए) भी किया गया था।
  - » दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत द्वारा सामना किए जाने वाले प्रमुख जलवायु परिवर्तन से संबंधित मुद्दों को चिह्नित करने के साथ-साथ पंचायत की विकास प्राथमिकताओं की पहचान करने के लिए समूह केन्द्रित चर्चाएं की गईं।
- क्षेत्र सर्वेक्षण, समुदाय एवं ग्राम प्रधान द्वारा प्राप्त जानकारी के आधार पर, यह योजना विकसित की गई और ग्राम पंचायत के लिए आधारभूत मूल्यांकन किया गया। इसमें क्लाइमेट -स्मार्ट गतिविधियों की पहचान शामिल है जो न केवल पहचाने गए पर्यावरणीय और जलवायु संबंधी मुद्दों को संबोधित करती हैं अपितु ग्राम पंचायत की प्रचलित कृषि-जलवायु विशेषताओं को भी ध्यान में रखती हैं।
- ग्राम प्रधान, समुदाय और पंचायत सचिव के साथ व्यक्तिगत रूप में चर्चा के कई दौरों के माध्यम से जानकारी संबंधी कमियों की पहचान की गई और उन्हें दूर किया गया।
- योजना की रूपरेखा की समीक्षा करने के लिए ग्राम पंचायत को प्रस्तुत किया गया था।
- ग्राम पंचायत से मिले सुझाव के आधार पर आवश्यक अपडेट को समायोजित करने के बाद, कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया गया और अनुमोदन के लिए ग्राम पंचायत को प्रस्तुत किया गया।

# अनुलग्नक II: उत्तर सहित प्रश्नावली (हिंदी)

## उत्तर प्रदेश क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत की सर्वे प्रश्नावली

ग्राम पंचायत : दिलावरपुर ई0 देवकली विकासखण्ड: भावलखेड़ा जनपद : शाहजहांपुर

### I. गाँव की रूपरेखा

	विवरण	संख्या (सूचना का स्रोत- समुदाय के सदस्य)
1	राजस्व गाँव की संख्या	2 दिलावरपुर देवकली, शाहबदादपुर नवादा
2	टोलों की संख्या	0
3	a कुल जनसंख्या	3075
	b कुल पुरुषों की जनसंख्या	1676
	c कुल महिलाओं की जनसंख्या	1399
	d विकलांगजन की जनसंख्या	17
	e कुल बच्चों की जनसंख्या	356
	f वरिष्ठ नागरिक (60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग)	32
4	कुल परिवार की संख्या	559
a	गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार की संख्या	110
5	कुल भौगोलिक क्षेत्रफल	174.66 Hct.
6 a	साक्षरता दर	56.60%
7 a	पक्का घरों की संख्या	449
b	कच्चा घरों की संख्या (मुख्य रूप से उपयोग की गई सामग्री का उल्लेख करें)	110





## II. सामाजिक आर्थिक

8	ग्राम पंचायत में केवल कृषि (प्रकार) पर आश्रित परिवार	कुल परिवारों की संख्या	
	निजी भूमि/स्वयं की भूमि	440	
	किराए की भूमि (हुण्डा)	25	
	अनुबंध खेती	0	
	दिहाड़ी मजदूर	80	
	अन्य व्यवस्था (रेहन, अधिया आदि)	14	
	अन्य सूचनाएं/जानकारी (एक से अधिक कृषि गतिविधि में शामिल परिवार, उल्लेख करें)	Nil	
9	ग्राम पंचायत में आय के स्रोत	कुल परिवारों की संख्या	
	सेवा क्षेत्र (उदाहरण: अध्यापन, बैंक, सरकारी नौकरी आदि)	9	
	कुटीर उद्योग	Nil	
	कृषि	440	
	कला/हस्तकला	Nil	
	पशुपालन	106	
	व्यवसाय (स्थानीय दुकान)	23	
	व्यवसाय/उद्यम	Nil	
	दैनिक/दिहाड़ी मजदूर (अकृषिगत)	110	
	अन्य	Nil	
10	पलायन	हां	नहीं
a	क्या पिछले पांच वर्षों में आप के ग्राम पंचायत से ग्रामीणों ने पलायन किया है?	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>
b	पलायन करने वाले स्थान	पिछले पांच वर्षों में पलायन करने वाले परिवार/व्यक्तिगत की संख्या	पलायन के मुख्य कारण
	अन्य गांव	Nil	
	निकट के शहर	Nil	
	राज्य के प्रमुख शहर	Nil	
	देश के प्रमुख महानगर	Nil	
c	क्या पिछले पांच वर्षों में आप के ग्राम पंचायत में परिवार/व्यक्ति ने प्रवास किए है?	हां	नहीं
		<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>





d	पिछले पांच वर्षों में आपके ग्राम पंचायत में कितने परिवार प्रवास किए हैं? मुख्य कारण स्पष्ट करें।	
---	--	--

11 महिलाओं की स्थिति		
a	महिला प्रमुख परिवारों की संख्या (आय का मुख्य स्रोत- महिला)	38
b	खेती में कार्यरत महिला	कुल संख्या
	निजी भूमि/स्वयं की भूमि	38
	किराएकी भूमि/हुण्डा	Nil
	अनुबंध खेती	Nil
	दिहाड़ी मजदूर	110
	अन्य व्यवस्था	50
	अन्य सूचनाएं/जानकारी (एक से अधिक कृषि गतिविधि में संलग्न महिलाएं, उल्लेख करें)	थनल
c	नौकरी/अन्य क्षेत्र में कार्यरत महिलाएं	कुल संख्या
	सेवा क्षेत्र (उदाहरण: अध्यापन, बैंक, सरकारी नौकरी आदि)	0
	कुटीर उद्योग	Nil
	कृषि	38
	कला/हस्तकला	Nil
	पशुपालन	325
	व्यवसाय (स्थानीय दुकान)	0
	दैनिक/दिहाड़ी मजदूर (अकृषिगत)	0
	अन्य	15 Sewing





12	स्वयं सहायता समूहों				
	स्वयं सहायता समूह का नाम	सदस्यों की संख्या	अपनायी गई गतिविधियाँ	वार्षिक बचत (रु०)	बैंकों से जुड़ाव/अजुड़ाव
	संजीवनी महिला स्वयं सहायता समूह	13	कुटीर उद्योग	6240	बैंक से जुड़ाव है।
	विकास दिव्यांग स्वयं सहायता समूह	6	कृषि कार्य	10280	बैंक से जुड़ाव है।
	श्रीराम महिला स्वयं सहायता समूह	12	कुटीर उद्योग	50000	बैंक से जुड़ाव है।
	राधेराधे महिला स्वयं सहायता समूह	11	कढ़ाई बुनाई	4800	बैंक से जुड़ाव है।
	जय अम्बे बृद्धा महिला स्वयं सहायता समूह	7	पशु पालन	3840	बैंक से जुड़ाव है।
	जय शिव स्वयं सहायता महिला समूह	12	पुष्पाहार वितरण	5760	बैंक से जुड़ाव है।
	अम्बेडकर महिला स्वयं सहायता समूह	12	सिलाई कार्य	12000	बैंक से जुड़ाव है।
	बलाजी महिला स्वयं सहायता समूह	10	सिलाई पशुपालन	6000	बैंक से जुड़ाव है।

13	कृषक उत्पादक संगठन (एफ०पी०ओ०)					
	एफ०पी०ओ० का नाम	क्या इस संगठन की प्रमुख महिला हैं?	प्रत्येक एफ०पी०ओ० में सदस्यों की संख्या	एफ०पी०ओ० से प्राप्त वार्षिक राजस्व/ बचत	कृषि उत्पाद	पोस्ट हार्वेस्ट की गतिविधियाँ/ गतिविधियों का क्षेत्र
	Nil	<input type="checkbox"/>				
		<input type="checkbox"/>				
		<input type="checkbox"/>				
		<input type="checkbox"/>				
		<input type="checkbox"/>				





14 अन्य समुदाय आधारितसंगठन /						
	सामाजिक संगठन / समितियों के नाम	क्या महिला प्रमुख संगठन / समिति है?	सदस्यों की संख्या	प्राप्त वार्षिक राजस्व / बचत	उत्पाद / सेवा	विपणन / लक्षित उपभोगकर्ता
	Nil	<input type="checkbox"/>				
		<input type="checkbox"/>				
		<input type="checkbox"/>				
		<input type="checkbox"/>				
		<input type="checkbox"/>				
		<input type="checkbox"/>				
		<input type="checkbox"/>				
		<input type="checkbox"/>				
		<input type="checkbox"/>				

15 योजनाएं						
	A योजना के नाम	पंजीकृत लाभार्थी की संख्या	लाभ प्राप्त लाभार्थियों की संख्या	विगत वर्ष ग्राम पंचायत में प्राप्त कुल भगतान (रु0)	अन्य कोई बकाया (रु0)	की गई गतिविधियाँ / कार्य
	मनरेगा	423	423	421164		पड़पलाइन डलवाई, मिट्टी कार्य
	प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना / एन.एफ.एस.ए.	529	529			
	प्रधानमंत्री उज्जवला योजना	160	160			गैस चूल्हा एवं सिलेन्डर
	प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना	Nil				
	प्रधान मंत्री कुसुम योजना	Nil				
	B अन्य योजनाएं	Nil				
	ग्राम उज्जवला योजना	Nil				
	ऊर्जा दक्षता योजना	Nil				
	प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम	Nil				
	प्रधानमंत्री आवास योजना	14	14	1680000		





	सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीओडीएस)	529	529			5किलो प्रति युनिट 35 किलोप्रति कार्ड अन्तयोदि
	कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम	0				
	उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन	0				
	राष्ट्रीय कौशल विकास योजना (RKVY)	0				
	मौसम आधारित फसल बीमा	0				
	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY)	0				
	मृदा स्वास्थ्य कार्ड	0				
	किसान क्रेडिट कार्ड	310				
	स्वच्छ भारत मिशन	559	559	67.08 लाख		पौचालय बन गये
	सौर सिंचाई पम्प योजना	0	0			
	नई/नवीन भारतीय बायोगैस व कार्बनिक खाद कार्यक्रम	2	2			कार्य कर रहे हैं
	विकेन्द्रित अनाज क्रय केन्द्र योजना	Nil				
	गोवर्धन योजना	0				
	जल पुनर्भरण योजना	0				
	रेनवाटर हार्वेस्टिंग	1				
	समन्वित वाटरशेड विकास कार्यक्रम	0				
	अन्य वाटरशेड विकास योजनाएं	0				
	अन्य (एक जिला-एक उत्पाद, मेक इन इण्डिया, अन्य)	0				
	उद्यमिता सहायता योजनाएं आदि	0				
	शोकफिट	0				
	Swablamban Kendra RPSCL & VSA	40	40			संचालित है

16	सक्रिय बैंक खाताधारकों की संख्या	2245
----	----------------------------------	------





17	ई-बैंकिंग/डिजिटल भुगतान एप/यू.पी.आई आदि से भुगतान करने वाले खाताधारकों की संख्या	542
----	--	-----

8	निकट कृषि बाजार/क्रय केन्द्र/सरकारी केंद्र	क्या ग्राम पंचायत द्वारा बाजार/क्रय केन्द्र का उपयोग होता है		यदि नहीं, तो बाजार/केन्द्र का उपयोग क्यों नहीं किया जाता	उत्पादित फसल(कु0)	बिक्री हुई फसल (कु0)	ग्राम पंचायत से दूरी (यदि ग्राम पंचायत से दूर है) (कि0मी0)
		हां	नहीं				
	नवीन मण्डी समिति रौजा	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>		धान 2500	1000 QTL	9 KM
	नवीन मण्डी समिति रौजा	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>		गेहूं 700	200 QTL	9 KM
	अवध शुगर मिल रौजा	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>		गन्ना 31000	25000 QTL	5 KM
		<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>				

19 शिक्षा (केवल ग्राम पंचायत में)						
	प्रकार/स्तर	उपलब्ध छत का क्षेत्रफल (वर्ग मी0)	कुल नामांकित विद्यार्थियों की संख्या	विगत वर्ष में कुल ड्रॉप आउट विद्यार्थियों की संख्या	ड्रॉप आउट के मुख्यकारण(स्वास्थ्य (1), पहुँच/उपलब्धता-(2), आर्थिक समस्या-(3), अन्य-(4) उल्लेख करें)	
a	प्राथमिक विद्यालय					
	दिलावरपुर देवकली	190 M <sup>2</sup>	193	1	3	
	सहबदादपुर नवादा	200 M <sup>2</sup>	90	0	0	
b	जू0 हाई स्कूल					
	दिलावरपुर देवकली	210 M <sup>2</sup>	76	7	3	

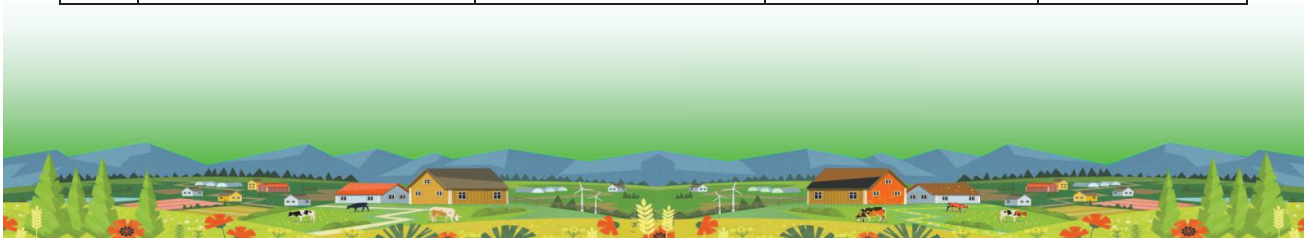




c	हाई स्कूल				
d	अन्य संस्थान				

20	कौशल विकास/व्यवसायिक प्रशिक्षण/पुनः कौशल संस्थान (केवल ग्राम पंचायत में)	उपलब्ध छत का क्षेत्रफल (वर्ग मी0)	संस्थान के प्रकार (सरकारी 1, निजी 2)	नामांकित व्यक्तियों की संख्या	नामांकित व्यक्तियों की आयु
	SWABLAMBAN CENTER स्वावलंबन केन्द्र	60	(2)	40	18-45

21	राज्य/राष्ट्रीय राजमार्ग की उपलब्धता			
	राजमार्ग का नाम	राज्य मार्ग 1, राष्ट्रीय राजमार्ग 2	ग्राम पंचायत से दूरी	सम्पर्क मार्ग की स्थिति अच्छा (1), खराब (2), घटिया (3), सबसे घटिया (4)
	शाहजहांपुर हरदोई रोड	1	0 KM	0





### III. भूमि संसाधनों संबंधित सूचनाएं/जानकारी

22	वन भूमि का विवरण	
A	वन का क्षेत्र	Nil
B	वन विभाग द्वारा अधिसूचित क्षेत्र	Nil
C	सार्वजनिक उपयोग हेतु उपलब्ध वन क्षेत्र	Nil
D	कितने क्षेत्र पर अतिक्रमण है?	Nil
E	विगत पांच वर्षों में कोई वन उन्मूलन/वन कटाई की गतिविधियां	Nil
F	अनुमानित वन उन्मूलन/वन कटाई का क्षेत्रफल (एकड़)	Nil

23	अन्य भूमि का वर्गीकरण			
A	ग्राम पंचायत के पास ग्राम सभा की कितनी भूमि उपलब्ध है?	3 Ac.		
B	कितनी भूमि पर अतिक्रमण है? (एकड़)	0		
C	ग्राम पंचायत में खनन गतिविधियां	हां <input type="checkbox"/>	नहीं <input checked="" type="checkbox"/>	आच्छादित क्षेत्रफल
	खनन के प्रकार बालू खनन 1, खनिज खनन—(उल्लेख करें) 2, अन्य (उल्लेख करें) 3	Nil		
	अतिरिक्त सूचनाएं	Nil		

24	जल निकाय क्षेत्र	हां	नहीं
a	क्या आप के ग्राम पंचायत में जल निकाय क्षेत्र है?	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
b	ग्राम पंचायत में कुल जल निकाय क्षेत्रों की संख्या	2	
c	क्या जल निकाय क्षेत्र में अतिक्रमण है?	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>
D	जल निकाय क्षेत्र में अतिक्रमण कब से है?		
E	क्या जल निकाय क्षेत्र के आस-पास के भूमि पर अतिक्रमण किया गया है?		







25		जल आपूर्ति
a	ग्राम पंचायतमें घरों हेतु जल आपूर्ति का मुख्य स्रोत क्या है? नहर (1) वर्षा जल-(2) भूमिगत जल-(3) तालाब/झील-(4) अन्य- (5)	इण्डिया मार्क 31 निजी हेण्डपम्प 350 भूमिगत जल-(3),
b	क्या उपरोक्त जल आपूर्ति के स्रोत मौसमी या बारहमासी है?	बराहमासी
c	घरों में जल आपूर्ति कैसे होती है? पाइप जलापूर्ति (1) ग्राम पंचायत में सामान्य संग्रह केन्द्र (2) पानी टंकी (3) महिलाओं/बच्चों द्वारा दूर से लाया गया (4) हैण्डपम्प (5) ऊँचा सतही जलाशय (6) कूआ (7) अन्य (8), उल्लेखित करें। अगर 4 है, तो कितनी दूर से लाया जा रहा है?	हैण्डपम्प (5)
d	कितने घरों में जलापूर्ति पाइप से है?	Nil
e	क्या पानी का बहाव/प्रवाह दर कम, अधिक या संतोषजनक है?	Nil
f	पाइप जलापूर्ति की नियमितता 24x7 घण्टे(1) काफी नियमित (2) अनियमित (3)	थनल
g	ग्राम पंचायत में कृषि सिंचाई हेतु जल आपूर्ति का मुख्य स्रोत क्या है? नहर (1) वर्षा जल (2) भूमिगत जल - (नलकूप (3A), कूआ (3B) तालाब/झील (4)	वर्षा जल (2), व्यक्तिगत बोरिंग (7)





	पानी टैंक (5) नदी (6) अन्य (7)	
h	क्या उपरोक्त जल आपूर्ति स्रोत मौसमी या बारहमासी है?	व्यक्तिगत बोरिंग का प्रयोग फसल की आवश्यकतानुसार एवं वर्षाजल मौसमी है।
i	क्या जलापूर्ति का बहाव/प्रवाह दर कम/अधिक या संतोषजनक है?	
j	अतिरिक्त जानकारी (उदाहरण : क्या घरेलू कृषि व संबंधित गतिविधियों, उद्योगों आदि के लिए जल आपूर्ति पर्याप्त है) क्या विगत वर्षों में भूजल, नदी या नहर से जल की उपलब्धता बढ़ी/घटी या सूख गया? क्या सूखे या गर्मी के मौसम में पानी की टंकियों का उपयोग बढ़ जाता है?	घरेलू प्रयोग हेतु पर्याप्त है एवं कृषि आदि हेतु जल आपूर्ति अपर्याप्त है। निल सूखे एवं गर्मी मौसम में जल का स्तर नीचे चला जाता है तब बोरिंगों में पाईप बढ़ाना पड़ता है।





#### IV. जलवायु की धारणा

तापमान व वर्षा में प्रमुख परिवर्तन/बदलाव				
26				
a	गर्मी के माह में देखा गया			
b	गर्मी के तापमान में देखे गए बदलाव (पिछले पांच वर्षों में)	गर्म दिनों में वृद्धि	गर्म दिनों में कमी	गर्म दिनों में कोई परिवर्तन नहीं
		<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
c	दिनों की संख्या	30 Days		
d	अन्य सूचनाएं (गर्मी माह में कोई परिवर्तन)			
27				
a	सर्दी के माह में महसूस किया गया			
b	सर्दियों के तापमान में कोई परिवर्तन पाया गया (विगत पांच वर्षों में)	ठण्ड दिनों में वृद्धि	ठण्ड दिनों में कमी	ठण्ड दिनों में कोई परिवर्तन नहीं
		<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
c	दिनों की संख्या	40 Days		
d	अन्य सूचनाएं (सर्दी माह में कोई परिवर्तन)			
28				
a	मानसून माह में महसूस किया गया	15 Days		
b	मानसून ऋतु की वर्षा में कोई परिवर्तन देखा गया (विगत पांच वर्षों में)	वर्षा के दिनों में वृद्धि	वर्षा के दिनों में कमी	वर्षा के दिनों में कोई परिवर्तन नहीं
		<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
c	दिनों की संख्या	28 Days		
d	अन्य सूचनाएं (मानसून माह में कोई परिवर्तन)	मानसून पहले से 10-15 दिन देरी से आता है।		
29				
a	क्या गैर मानसून ऋतु की वर्षा में परिवर्तन हुआ है? (विगत पांच वर्षों में)	वर्षा के दिनों में वृद्धि	वर्षा के दिनों में कमी	वर्षा के दिनों में कोई परिवर्तन नहीं
		<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
b	ग्रीष्म ऋतु की वर्षा में देखे गये परिवर्तन	वर्षा दिनों में वृद्धि	वर्षा दिनों में कमी	वर्षा के दिनों में कोई परिवर्तन नहीं
		<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
c	दिनों की संख्या	15 Days		
d	शरद ऋतु की वर्षा में देखे गये परिवर्तन	वर्षा के दिनों में वृद्धि	वर्षा के दिनों में कमी	वर्षा के दिनों में कोई परिवर्तन नहीं
		<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>





e	दिनों की संख्या	10 Days		
f	अन्य सूचनाएँ/जानकारी			





### चरम मौसम की घटनाएं

30 सूखा						
a	सूखे की घटना	प्रथम वर्ष (2022) <input checked="" type="checkbox"/>	द्वितीय वर्ष (2021) <input checked="" type="checkbox"/>	तृतीय वर्ष (2020) <input checked="" type="checkbox"/>	चतुर्थ वर्ष (2019) <input type="checkbox"/> X	पंचम वर्ष (2018) <input checked="" type="checkbox"/>
b	किस माह में सूखा देखा गया	Aug.	July	Aug.	नहीं	July
c	सूखे का प्रबन्धन कैसे किया गया (सरकारी सहायता, निजी सहायता, कुएं खोदा आदि)	घरेलू स्तर पर प्रबन्धन			कृषि स्तर पर प्रबन्धन अतिरिक्त सिंचाई करनी पडती है। सूखारोधी प्रजाति लगाते है।	
d	सूखे की आवृत्ति : सूखे की घटना (पिछले पांच वर्षों में)	वृद्धि <input checked="" type="checkbox"/>	कमी <input type="checkbox"/>	कोई परिवर्तन नहीं <input type="checkbox"/>		
e	अतिरिक्त सूचना कोई पुरानी प्रमुख घटना-1, स्वास्थ्य पर प्रभाव-2	2014 में सूखा से फसलों के उत्पादन में लगभग 90 प्रतिषत हानि हुई।				
31 बाढ़						
	बाढ़ की घटना Nill	प्रथम वर्ष (2022) <input type="checkbox"/>	द्वितीय वर्ष (2021) <input type="checkbox"/>	तृतीय वर्ष (2020) <input type="checkbox"/>	चतुर्थ वर्ष (2019) <input type="checkbox"/>	पंचम वर्ष (2018) <input type="checkbox"/>
b	किस माह में बाढ़ देखा गया					
c	बाढ़ का प्रबन्धन कैसे किया गया (सरकारी सहायता, निजी सहायता आदि)	घरेलू स्तर पर प्रबन्धन <input type="checkbox"/>			कृषि स्तर पर प्रबन्धन <input type="checkbox"/>	
d	बाढ़ की आवृत्ति : बाढ़ की घटना (पिछले पांच वर्षों में)	वृद्धि <input type="checkbox"/>	कमी <input type="checkbox"/>	कोई परिवर्तन नहीं <input type="checkbox"/>		
e	अतिरिक्त सूचना कोई पुरानी प्रमुख घटना-1, स्वास्थ्य पर प्रभाव-2					
32 भूस्खलन						
a	भूस्खलन की घटना Nill	प्रथम वर्ष (2022) <input type="checkbox"/>	द्वितीय वर्ष (2021) <input type="checkbox"/>	तृतीय वर्ष (2020) <input type="checkbox"/>	चतुर्थ वर्ष (2019) <input type="checkbox"/>	पंचम वर्ष (2018) <input type="checkbox"/>
b	किस माह में भूस्खलन देखी गई					
c	भूस्खलन का प्रबन्धन कैसे किया गया (सरकारी सहायता, निजी सहायता आदि)	घरेलू स्तर पर प्रबन्धन			कृषि स्तर पर प्रबन्धन	
d	भूस्खलन की आवृत्ति : भूस्खलन की घटना (पिछले पांच वर्षों में)	वृद्धि <input type="checkbox"/>	कमी <input type="checkbox"/>	कोई परिवर्तन नहीं <input type="checkbox"/>		





e	अतिरिक्त सूचना कोई पुरानी प्रमुख घटना-1, स्वास्थ्य पर प्रभाव-2					
<b>33 ओलावृष्टि</b>						
a	ओलावृष्टि की घटना जुलाई	प्रथम वर्ष (2022) <input checked="" type="checkbox"/>	द्वितीय वर्ष (2021) <input checked="" type="checkbox"/>	तृतीय वर्ष (2020) <input checked="" type="checkbox"/>	चतुर्थ वर्ष (2019) <input checked="" type="checkbox"/>	पंचम वर्ष (2018) <input checked="" type="checkbox"/>
b	किस माह में ओलावृष्टि हुई	March	March	February	March	February
c	ओलावृष्टि का प्रबन्धन कैसे किया गया (सरकारी सहायता, निजी सहायता आदि)	घरेलू स्तर पर प्रबन्धन कोई सहायता प्रबंधन हेतु नहीं कर पाते हैं।			कृषि स्तर पर प्रबन्धन कुछ नहीं करते हैं।	
d	ओलावृष्टि की आवृत्ति : ओलावृष्टि की घटना (पिछले पांच वर्षों में)	वृद्धि <input checked="" type="checkbox"/>	कमी <input type="checkbox"/>	कोई परिवर्तन नहीं <input type="checkbox"/>		
<b>34 फसलों के कीट/बीमारी</b>						
a	कीट/बीमारी की घटनाक्रम	प्रथम वर्ष (2022) <input checked="" type="checkbox"/>	द्वितीय वर्ष (2021) <input checked="" type="checkbox"/>	तृतीय वर्ष (2020) <input checked="" type="checkbox"/>	चतुर्थ वर्ष (2019) <input checked="" type="checkbox"/>	पंचम वर्ष (2018) <input checked="" type="checkbox"/>
b	किस माह में कीट/बीमारी को देखा गया?	जनवरी	अगस्त	फरवरी	जनवरी	अगस्त
c	कीट/बीमारी का प्रबन्धन कैसे किया गया? (सरकारी सहायता, निजी सहायता आदि)	जनवरी फरवरी मार्च, जुलाई अगस्त सितम्बर अक्टूबर नवम्बर दिसम्बर	जनवरी फरवरी मार्च, जुलाई अगस्त सितम्बर अक्टूबर नवम्बर दिसम्बर	जनवरी फरवरी मार्च, जुलाई अगस्त सितम्बर अक्टूबर नवम्बर दिसम्बर	जनवरी फरवरी मार्च, जुलाई अगस्त सितम्बर अक्टूबर नवम्बर दिसम्बर	जनवरी फरवरी मार्च, जुलाई अगस्त सितम्बर अक्टूबर नवम्बर दिसम्बर
d	कीट/बीमारी की आवृत्ति : कीट बीमारी का घटनाक्रम (पिछले पांच वर्षों में)	माह, गंधीकीट, झुलसा, फल छेदक, एवं विषाणुजनित रोग <input checked="" type="checkbox"/>	माह, गंधीकीट, झुलसा, फल छेदक, एवं विषाणुजनित रोग <input type="checkbox"/>	माह, गंधीकीट, झुलसा, फल छेदक, एवं विषाणुजनित रोग <input type="checkbox"/>	माह, गंधीकीट, झुलसा, फल छेदक, एवं विषाणुजनित रोग	माह, गंधीकीट, झुलसा, फल छेदक, एवं विषाणुजनित रोग
	अतिरिक्त जानकारी/सूचनाएं					
<b>35 ग्राम पंचायत में आपदा की तैयारी</b>						





	ग्राम पंचायत स्तर पर क्या आपदा प्रबन्धन/तैयारी के उपाय उपलब्ध है?	ग्राम पंचायत स्तर पर क्या आपदा प्रबन्धन/तैयारी के उपाय उपलब्ध है?		क्या ग्रामीणों तक इसकी पहुँच/उपलब्धता है?	
		हां	नहीं	हां	नहीं
आपदा तैयारी के उपाय		हां	नहीं	हां	नहीं
ग्राम आपदा प्रबन्धन योजना		<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>
ग्राम आपदा प्रबन्धन समिति		<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>
पूर्व चेतावनी प्रणाली/मौसमी चेतावनी प्रणाली/कृषि चेतावनी प्रणाली		<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>
आपातकाल अनाज बैंक		<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>
अन्य		<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>

36	अनाज भण्डारण	
a	ग्राम पंचायत के आपातकालिन खाद्य/अनाज बैंक में किस प्रकार का भोजन भण्डारित किया जाता है?	
	अनाज (विवरण दें)	Nil
	तेल	Nil
	चीनी	Nil
	अन्य खाद्य पदार्थ – उल्लेख करें	Nil
b	क्या ग्राम पंचायत में शीतगृह है, अगर है तो उसकी क्षमता क्या है?	
		Nil

37	ग्राम पंचायत में मौसम की चेतावनी, पूर्व चेतावनी प्रणाली, कृषि आधारित चेतावनी के लिए उपलब्ध जानकारी के स्रोत	
	स्थानीय कृषि अधिकारी	Nil
	समाचार पत्र/समाचार/रेडियो	<input checked="" type="checkbox"/>
	मोबाईल फोन/एप	<input checked="" type="checkbox"/>
	मौखिक	<input checked="" type="checkbox"/>
	कृषि विज्ञान केन्द्र/कृषि ज्ञान केन्द्र	Nil
	पशुपालन विभाग	Nil
	उद्यान विभाग	Nil
	अन्य	Nil





कृषि एवं संबंधित गतिविधियों पर प्रभाव (विगत पांच वर्षों में)						
38	फसल हानि					
a	घटना का वर्ष	हानि की ऋतु/मौसम खरीफ (1) रबी(2) जायद/अन्य ऋतु (3)	फसल का नाम	हानि के कारण रोग, चरम, घटनाक्रम— गर्मी, ठण्ड, वर्षा, ओलावृष्टि, मिट्टी आदि	अनुमानित हानि की मात्रा (कुन्तल)	परिणाम स्वरूप आय में हानि (औसत रु0)
	प्रथम वर्ष (2022)	2	गेंहू	रोग, वर्षा, ओले	200	440000
	द्वितीय वर्ष (2021)	1	धान	वर्षा कम	100	150000
	तृतीय वर्ष (2020)	1	धान	रोग वर्षा	80	120000
	चतुर्थ वर्ष (2019)	2	गेंहू	रोग	150	300000
	पंचवां वर्ष (2018)	2	सरसों	रोग, वर्षा	60	180000
b	क्या आप फसल बीमा के बारे में जानते हैं?	हां	नहीं			
		<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>			
	अतिरिक्त जानकारी (फसल बीमा के लाभार्थी— बड़े किसान, लघु एवं सीमान्त किसान आदि) फसल बीमा लाभार्थी का संतुष्टि स्तर क्या है?	फसल बीमा का लाभ नहीं मिलपाता है। बीमा का लाभ नहीं मिलता इसलिए किसानों ने बीमा कराना बंद कर दिया।				







39 फसल पद्धति में बदलाव					
a	सामान्य फसल	खरीफ धान	रबी गेंहू, सरसों आलू	जायद/अन्य ऋतु	
b	फसल का नाम	पारम्परिक बोआई का समय	विगत 5 वर्षों में बोआई के समय में परिवर्तन हुआ है/देखा है	अभी बोआई का समय	परिवर्तन के कारण
	गेंहू	नवम्बर	एक माह देर से	दिसम्बर	ठण्डी देर से बढ़ना
	आलू	अक्टूबर	एक माह देर से	नवम्बर	ठण्डी देर से आना
	सरसों	अक्टूबर	एक माह देर से	नवम्बर	अगैती बुवाई से माहु का प्रकोप कम होता है।
	धान	जुलाई	एक माह देर से	अगस्त	वर्षा की कमी के कारण
	गन्ना	मार्च	एक माह देर से	अप्रैल	वर्षा की कमी
c	अन्य सूचना/जानकारी (विलुप्त फसल/प्रजाति आदि उल्लेख करें)				

40 सिंचाई प्रणाली/पद्धति में परिवर्तन					
a	फसल का नाम	वर्तमान में सिंचाई पद्धति का उपयोगफव्वारा सिंचाई (1), टपक विधि (2), नहर (3), वर्षा आधारित (4), पारम्परिक (5), अन्य (6) (उल्लेखित करें)	वर्तमान में उपयोग किए गए पानी की मात्रा (रुपया/एकड़)	पूर्व में सिंचाई पद्धति का उपयोगफव्वारा सिंचाई (1), टपक विधि (2), नहर (3), वर्षा आधारित (4), पारम्परिक (5), अन्य (6) (उल्लेखित करें)	पूर्व में उपयोग किए गए पानी की मात्रा (रुपया/एकड़)
	गेंहू	बोरिंग 6 वर्षा आधारित (4),	3 हजार एकड़	(6) बोरिंग	2 हजार एकड़





				वर्षा आधारित (4),		
	धान	6 बोरिंग वर्षा आधारित (4),	3 हजार / एकड़	(6) बोरिंग		2.5 हजार एकड़
	गन्ना	6 बोरिंग वर्षा आधारित (4),	4 हजार / एकड़	वर्षा आधारित (4),		3 हजार / एकड़
b	ग्राम पंचायत में सिंचाई हेतु पम्पों की संख्या 220	डीजल आधारित	विद्युत आधारित	सौर पम्प	पारम्परिक सिंचाई विधियां	
		50	12	0	वर्षा	
c	अन्य सूचनाएं / जानकारी अगर कोई है					
<b>41 पशु पालन / पशुधन</b>						
a	ग्राम पंचायत में प्रचलित पशुधन और पशुपालन सम्बन्धित गतिविधियां श्रेणी : डेयरी (1) मुर्गी पालन (2) मत्स्य पालन (3) सूअर पालन (4) मधुमक्खी पालन (5) अन्य- स्पष्ट करें (6)		पशु पालन 6 मत्स्य पालन (3)	3 तालाब		
b	डेयरी पर प्रभाव	पशु हानि गाय (1) भैंस (2) अन्य (3) बकरी	पशु हानि की संख्या (प्रत्येक पशु को उल्लेख करें)	हानि के कारण (रोग, आयु, दुर्घटना आदि)	हानि का मौसम	उत्पादकता में कोई परिवर्तन देखा गया? वृद्धि (1) कमी (2) परिवर्तन नहीं (3)
	प्रथम वर्ष (2022)	2, 3	5, 10	रोग	सर्दी वर्षा	2
	द्वितीय वर्ष (2021)	2, 3	4, 5	रोग	शीतलहर	2
	तृतीय वर्ष (2020)	2, 3	6, 15	रोग	शीत लहर	2
	चतुर्थ वर्ष (2019)	1, 2, 3	1, 3, 10	रोग	सर्दी गर्मी	2
	पंचम वर्ष (2018))	2, 3	2, 10	रोग	सर्दी, गर्मी	2
	अन्य जानकारी / सूचनाएं					





	c	मुर्गी पालन पर प्रभाव निल	पक्षी हानि मुर्गी (1) बत्तख (2) अन्य (3)	पक्षी हानि की संख्या (प्रत्येक पक्षी का उल्लेख करें)	हानि के कारण	हानि के मौसम/ ऋतु	उत्पादकता में कोई परिवर्तन पाया गया है? वृद्धि (1) कमी (2) परिवर्तन नहीं (3)
		प्रथम वर्ष (2022)	Nil				
		द्वितीय वर्ष(2021)	Nil				
		तृतीय वर्ष (2020)	Nil				
		चतुर्थ वर्ष(2019)	Nil				
		पंचम वर्ष(2018))	Nil				
		अन्य जानकारी / सूचनाएं					
	d	अन्य पशुओं पर प्रभाव निल	पशु हानि (कृपया निर्दिष्ट करें कि कौन से हैं)	पशु हानि की संख्या (प्रत्येक पशु का उल्लेख करें)	हानि के कारण	हानि की ऋतु	उत्पादकता में कोई परिवर्तन पाया गया है? वृद्धि (1) कमी (2) परिवर्तन नहीं (3)
		प्रथम वर्ष (2022)	Nil				
		द्वितीय वर्ष(2021)	Nil				
		तृतीय वर्ष (2020)					
		चतुर्थ वर्ष(2019)					
		पंचम वर्ष(2018)					
		अन्य जानकारी / सूचनाएं					





## V. कृषि व पशुपालन

प्रमुख उगाई जाने वाले फसलें व सम्बन्धित सूचनाएं/जानकारी											
42	a	उर्वरक उपयोग			कीटनाशक उपयोग			खरपतवारनाशी			
		उपज (कु0)	उर्वरक के प्रकार	औसत प्रयुक्त मात्रा (किग्रा/एकड़)	क्या विगत पांच वर्षों में उपयोग किये गये उर्वरकों की मात्रा में वृद्धि (1) कमी (2) परिवर्तन नहीं है (3)	कीटनाशकों के प्रकार	औसत प्रयुक्त मात्रा (किग्रा/एकड़)	क्या विगत पांच वर्षों में उपयोग किये गये कीटनाशकों की मात्रा में वृद्धि (1) कमी (2) परिवर्तन नहीं है (3)	खरपतवार नाशों के प्रकार	औसत प्रयुक्त मात्रा (किग्रा/एकड़)	क्या विगत पांच वर्षों में उपयोग किये गये खरपतवार की मात्रा में वृद्धि (1) कमी (2) परिवर्तन नहीं है (3)
		फसल (अनाज, तिलहन, दलहन, उद्यान एवं फूल आदि)	गर्मी/सर्दी	480/Acr	DAP, Sulpher	50 Kg. 5 Kg.	1	Korajin, Pulice	400ML 250GM	1/2 L	1
		गन्ना	गर्मी/सर्दी	24/Acr	Urea, DAP,	100 Kg. 50 Kg.	1	फ्यूरालॉन	200ml	250ml	1
		धान	गर्मी	24/Acr	Urea, Zink Sulpher	100 Kg 5KG.	1	फ्यूरालॉन स्ट्रेप्टोसाइक्लिन	200ml 12GM	250ml 12GM	1
	b	क्या ग्राम पंचायत में फसल अवशेष जलाये जाते हैं	हां <input type="checkbox"/>	नहीं <input checked="" type="checkbox"/>	जलाये गये खेतों का कुल क्षेत्रफल (एकड़)	क्या यह फसल अवशेष पूर्व में जलाये जाते थे	अगर नहीं तो, कब से जलाना आरम्भ किया	क्या फसल अवशेष प्रबन्धन की योजनाओं को जानते/जागरूक है?			



43 जैविक खेती सम्बन्धित गतिविधियां					
फसल	क्षेत्रफल	प्रति फसल आय (₹0/कुत्तल)	बिक्री हेतु बाजार	तृतीय पक्ष द्वारा प्रमाणित / सत्यापित	
Nil					
Nil					
Nil					
Nil					
Nil					
Nil					

44 अन्य स्थाई खेती सम्बन्धी गतिविधियां (जैसे शून्य/जीरो बजट प्राकृतिक खेती)			
फसल	स्थायी गतिविधियां (कम्पोस्ट, कम्पोस्ट, मिश्रित फसले, प्राकृतिक कीट प्रबन्धन, जैव पदार्थ में वृद्धि आदि)	क्षेत्रफल (एकड़)	प्रति फसल प्राप्त आय (रूपया)
Nil			
Nil			
Nil			
Nil			
Nil			



45	कृषि वानिकी, सामाजिक वानिकी, परती भूमि विकास और अन्य वृक्षारोपण गतिविधियां	पौध रोपण गतिविधियों के प्रकार	आच्छादित क्षेत्रफल	स्थान	योजना अन्तर्गत राष्ट्रीय कृषि वानिकी मिशन (1), समन्वित वाटरशेड प्रबन्धन कार्यक्रम (2), वर्षा आधारित क्षेत्र कार्यक्रम (3), मनरेगा (4), वृक्षारोपण जन आन्दोलन (5), अन्य (6) - उल्लेख करें	मोनोवलय (1), मिश्रित प्रजाति (2)	रोपित प्रजातियां	आरम्भ दिनांक	सफलता (प्रतिशत)	कृषि वानिकी गतिविधियों के लाभ तक लोगों की पहुंच/अवसर	पिछले 10 वर्षों में पहुंच/अवसर में परिवर्तन, वृद्धि (1), कमी (2), कोई परिवर्तन नहीं (3)	परिवर्तन के कारण- लाभ में वृद्धि (1), प्रजाति सम्बन्धित (2), वन उन्मूलन (3) अन्य (4)- उल्लेख करें
		वृक्षारोपण	4 एकड़	धमस न भूमि, ताला ब			पीपल, नीम, शीषम, लिप्टिस , जामुन, नीबू, शागौन	जुलाई प्रतिवर्ष	20	व्यक्तिगत लाभ	2	खुले जानवरों के कारण वृक्षारोपण नष्ट हो जाते हैं
		Nil										
		Nil										
		Nil										
		Nil										
		Nil										



46 अपनाये गये स्थायी पशुधन प्रबन्धन तकनीक				
पशुधन के प्रकार	ग्राम पंचायत में कुल संख्या (लगभग)	अपनाई गई गतिविधियां (चारा में परिवर्तन, पोषण पूरक अर्थात् पशुआहार, खुले में चराई आदि)	प्राप्त/उत्पादित आय प्रति पशुधन /मासिक	
गाय (देशी नस्ल)	10	पशु आहार, हरा चारा	2 हजार रुपये मासिक	
गाय (संकर नस्ल)	3	पशु आहार	8 हजार रुपये मासिक	
भैंस (देशी नस्ल)	312	पशु आहार	3 हजार रुपये मासिक	
भैंस (संकर नस्ल)	0			
बकरी	80	खुले में चराई	2 हजार रुपये मासिक	
सुअर	10	खुले में चराई, बचाखुचा खाना	500 रुपये मासिक	
मुर्गी	0			
मत्स्य	3	आहार	90000 प्रतिवर्ष प्रति तालाब	
अन्य	0			

## VI. स्वच्छता एवं स्वास्थ्य

47 जल की गुणवत्ता (पेयजल या नल जल से आपूर्ति परिवार)							
A	आपूर्ति किये जाने वाले पानी की गुणवत्ता कैसी है?	उपयुक्त	अनुपयुक्त				
		<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>				
B	जल का स्वाद कैसा लगता है?	तीक्ष्ण	नमकीन	सामान्य			
		<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>			
C	आपूर्ति होने वाले जल में सामान्यतः दूषित पदार्थ क्या है?	नमकीन	गन्दा	मटमैला	बालू/कीचड़	गन्ध	जल रखने पर पीला हो जाता है
		<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
D	जल को शुद्ध करने के लिए आप किस विधि का प्रयोग करते हैं?	उबालकर	जल शोधक	आयोडीन/फिटकरी मिलाकर	सौर शुद्धीकरण	क्ले वेसल फिल्ट्रेशन	अन्य, (कृपया उल्लेख करें)
		<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>





48 ठोस अपशिष्ट उत्पादन/अपशिष्ट प्रबन्धन							
a	अपने घर में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाला अपशिष्ट पदार्थ/कचरा	सब्जी का छिलका, सूखा कचरा आदि, 5 किग्रा					
b	आपके ग्राम पंचायत में अपशिष्ट पदार्थ/कचरा कैसे इकट्ठा किया जाता है?	नहीं					
c	कचरा संग्रह कितनी बार होता है?	<input type="checkbox"/> प्रतिदिन	साप्ताहिक	<input type="checkbox"/> वैकल्पिक दिन			सफाई कर्मी द्वारा सफाई होती है।
		नहीं	नहीं				
d	क्या आपके क्षेत्र में कोई स्थान है, जहां कचरा इकट्ठा डाला जा सकता है?		<input checked="" type="checkbox"/>	यदि हां तो कृपया आपकी ग्राम पंचायत से कितनी दूरी पर है या किस स्थान पर है?	नहीं है।		
e	क्या आपके ग्राम पंचायत क्षेत्र में सामान्य कूड़ेदान रखे गये हैं?		<input checked="" type="checkbox"/>				
f	क्या आप कचरे को सूखे और गीले कचरे की श्रेणी में बांटते हैं?		<input checked="" type="checkbox"/>				
g	आप गृह स्तर पर कचरे का उपचार कैसे करते हैं?	पुनःचक्रमण	कम्पोटिंग	वर्मी कम्पोस्ट	अपशिष्ट	जलाना	अन्य (उल्लेखित करें)
		<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>			<input type="checkbox"/>	कूड़े में फेंकना

49 खुले में शौच मुक्त स्थिति				
a	क्या आपका गांव खुले में शौच मुक्त घोषित है?	<input checked="" type="checkbox"/> हां	<input type="checkbox"/> नहीं	
b	स्वयं के शौचालय वाले परिवारों की संख्या	559	<input type="checkbox"/>	
c	सामुदायिक शौचालय/इज्जत घर की संख्या	1	<input type="checkbox"/>	पंचायत घर के पास
d	क्या शौचालय का उपयोग किया जा रहा है?	हां		
e	अगर शौचालय का उपयोग नहीं किया जा रहा है तो क्यों? (साफ-सफाई का अभाव, रख-रखाव का अभाव, बहुत दूर आदि)	.....		







50	अपशिष्ट जल	घरेलू	व्यवसायिक	औद्योगिक	कृषि गतिविधियां	गंदा नाला
a	अपशिष्ट जल का क्या स्रोत है?	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
b	उत्पन्न अपशिष्ट जल की मात्रा (अनुमानित लीटर प्रतिदिन)	100L/Ghar				
c	गांव में किया गया अपशिष्ट जल उपचार, यदि कोई है तो-	0				
d	अपशिष्ट जल पुनःचक्रण या पुनः उपयोग की गतिविधि, यदि कोई है तो-	0				

51	स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा			
	स्वास्थ्य केन्द्र की उपलब्धता	हां	नहीं	उपलब्ध छत का क्षेत्रफल (वर्गमीटर)
a	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	
b	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	
c	उपस्वास्थ्य केन्द्र	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	
d	आंगनवाड़ी	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	60 M <sup>2</sup>
e	आशा	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
f	स्वास्थ्य कैम्प/मेला	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
g	डिजीटल स्वास्थ्य देखभाल	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	

52	रोग/बीमारी								
	विगत वर्ष निम्नवत् बीमारी/रोग से कितने लोग प्रभावित हुए हैं?	प्रभावित कुल व्यक्तियों की संख्या	प्रभावित आयु समूह			सामान्य उपचार का विकल्प			
			प्रभावित बच्चों की संख्या	प्रभावित व्यवस्कों की संख्या	प्रभावित वरिष्ठ नागरिकों की संख्या	स्थानीय स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं (उल्लेख करें)	घरेलू देखभाल	घर-घर जाने वाला	अन्य (उल्लेख करें)
a	वेक्टर-जनित रोग (मलेरिया, डेंगू, चिकेनगुनिया आदि)	45	20	19	6	Private Doctor	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	PHC, CHC
b	जल-जनित रोग (हैजा/डायरिया/टाईफाईड/हैपेटाइटिस आदि)	30	10	20	0	Private Doctor	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	CHC, PHC
c	श्वास सम्बन्धी रोग जो वायु प्रदूषण से होते हैं (इनडोर एण्ड आउटडोर)	26	0	6	20	Private Doctor	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	CHC, PHC





d	कुपोषण	1	1	0	0	ASHA, ANM	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	CHC, PHC
---	--------	---	---	---	---	-----------	-------------------------------------	--------------------------	-------------

## VII. उर्जा

53		
a	आपके ग्राम पंचायत में कुल कितने घर विद्युतकृत हैं	214
b	ग्राम पंचायत में निम्नलिखित अनुमानित विद्युत उपकरणों की संख्या	
	ए0सी0	0
	एयर कुलर	20
	रेफ्रिजरेटर/फ्रीज	22

54 विद्युत कटौती की आवृत्ति		
a	दिन में कुछ बार	<input checked="" type="checkbox"/>
	दिन में एक बार	<input type="checkbox"/>
	विद्युत कटौती नहीं	<input type="checkbox"/>
b	प्रतिदिन कितने घण्टे गुल रहती है?	8 – 10 H
	यदि प्रतिदिन नहीं तो सप्ताह में कितने घण्टे बिजली गुल होती है?	-----

55 वोल्टेज अस्थिरता/ उतार-चढ़ाव की आवृत्ति क्या है?		
	दिन में कुछ बार	<input checked="" type="checkbox"/>
	दिन में एक बार	<input type="checkbox"/>
	अस्थिरता/उतार-चढ़ाव नहीं	<input type="checkbox"/>

56 पावर बैकअप का मतलब विद्युत कटौती के दौरान उपयोग	संख्या
डीजल चलित जेनरेटर	0
सौर उर्जा	5
इमरजेंसी लाईट	10
इन्वर्टर	22
अन्य साधन (उल्लेख करें)	





57 नवीकरणीय/अक्षयऊर्जा के स्रोत			
a	क्या गांव में निम्नलिखित में से कोई स्थापना है?	इंस्टालेशन (स्थापना) की संख्या	कुल स्थापित क्षमता (किलोवाट)
	घर की छतों पर सौर उर्जा स्थापना	5	500 वाट
	विद्यालय की छत पर सौर उर्जा स्थापना	0	
	चिकित्सालय की छत पर सौर उर्जा स्थापना	0	
	ग्राम पंचायत भवन पर सौर उर्जा स्थापना	0	
	अन्य सौर उर्जा स्थापना	0	
	सौर स्ट्रीट लाईट	0	
	बायोगैस	2	रिलायंस द्वारा लगी हैं
	विकेन्द्रित नवीनीकरण उर्जा/मिनी ग्रीड	0	
b	क्या आप सौर उर्जा स्थापना के लिए उपलब्ध अनुदान के बारे में जानते हैं (कुछ योजनाओं/कार्यक्रमों का उल्लेख करें)	Yes	

58	भोजन बनाने हेतु प्रयुक्त ईंधन	परिवारों की संख्या	प्रति परिवार प्रयुक्त औसत मात्रा (किग्रा/महीना)
	पारम्परिक जलौनी (उपले/जलौनी लकड़ी)	80	100 किलो
	बायोगैस	2	
	एलपीजी गैस	415	14.2 किग्रा प्रति परिवार
	विद्युत	0	
	सौर उर्जा	0	
	अन्य (कोयला, मिट्टी का तेल, चारकोल आदि)	0	





59 वाहन की संख्या				
	वाहन के प्रकार	ग्राम पंचायत में वाहन संख्या (अनुमानित)	प्रयुक्त ईंधन के प्रकार	तय की गई औसत दूरी (किमी प्रतिदिन)
a	जीप	1	डीजल	50 किमी प्रतिदिन
b	कार	15	डीजल/पेट्रोल/गैस	50 किमी प्रतिदिन
c	दो पहिया वाहन	360	पेट्रोल	40 किमी प्रतिदिन
d	विद्युत चालित वाहन	0		
e	आटो	0		
f	ई-रिक्शा	4	बैटरी	80 किमी प्रतिदिन
g	अन्य			

60 कृषि यंत्र				
	कृषि यंत्र	ग्राम पंचायत में कृषि यंत्रों/मशीनों की संख्या	प्रयुक्त ईंधन के प्रकार	तय की गई औसत दूरी (किमी प्रतिदिन)
a	टैक्टर	24	डीजल	20 किमी प्रतिदिन
b	कम्बाईन हारवेस्टर	0		
c	अन्य (कृपया उल्लेख करें)	0		

61 ग्राम पंचायत में अवस्थित पेट्रोल पम्प (अगर कोई है)										
	ईंधन के प्रकार	प्रतिदिन की बिक्री	पम्प से आपूर्ति वाले गांव की संख्या	कितने प्रकार के वाहन एक दिन/महीना में पेट्रोल पम्प से ईंधन लेते हैं? (समय/अवधि का उल्लेख करें)						
				टैक्टर	कृषि यंत्र	जीप	कार	दो पहिया वाहन	आटो	ई-रिक्शा
a	नहीं है									
b										





62 औद्योगिक इकाई				
	उद्योग के प्रकार	संख्या	उर्जा के स्रोत: ग्रिड विद्युत (1), डीजल जेनरेटर (2), नवीनीकरण/अक्षय उर्जा (3)	उर्जा की खपत प्रति माह विद्युत का उपयोग (किलोवाट) ईंधन उपयोग (लीटर प्रतिदिन)
	Nil			



# अनुलग्नक III: एचआरवीसीए (HRVCA) रिपोर्ट



क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकास योजना

ग्राम पंचायत- दिलावरपुर देवकली

विकास खण्ड- भावलखेडा

जनपद - शाहजहांपुर

## ग्राम पंचायत की प्रोफाइल

दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के भावलखेडा ब्लाक में है। यह ग्राम पंचायत शाहजहांपुर हरदोई लखनऊ मार्ग पर स्थित है। इस मार्ग को अभी हॉल ही में राष्ट्रीय राज्य मार्ग का दर्जा मिला है जिसके कारण फोरलेन सुविधा उपलब्ध हो गयी है। यह ग्राम पंचायत ब्लाक मुख्यालय से 7 किमी तथा जिला मुख्यालय से लगभग 17 किमी दूर है। यहां से शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन लगभग 18 किमी दूर है। चूंकि गांव सड़क पर ही स्थित है। इसलिए आवागमन की सुविधा पर्याप्त रूप में उपलब्ध है। इस गांव से 3 किमी की दूरी पर ही रौजा पावर सप्लाई कम्पनी लिमिटेड भी स्थित है। उस कम्पनी के निर्माण में इस गांव की भूमि भी ली गयी है जिसके कारण उक्त कम्पनी गांव में अनेक प्रकार के कल्याण के कार्यक्रम चलाती रहती है उदाहरण के लिए वर्तमान में गांव में ही स्वावलम्बन कार्यक्रम कम्पनी के सौजन्य से संचालित है जिसमें युवको को अपने व्यवसाय स्थापित करने का प्रशिक्षण दिया जाता है।

दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत में दो राजस्व गांव है एक दिलावरपुर देवकली दूसरा नबादा शाहबदादपुर दोनों में परस्पर दूरी 2 किमी की है। गांव में कृषि कार्य काफी अच्छा है अनेक परिवारों की आजीविका दूध के व्यवसाय पर भी आधारित है। गांव में प्रत्येक घर में शौचालय सरकार या कम्पनी की मदद से बनाया गया।

## क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकास योजना के निर्माण की सहभागी प्रक्रियाँ



## वातावरण निर्माण –

आगामी वित्तीय वर्ष 2023–24 वित्तीय वर्ष ग्राम पंचायत दिलावरपुर देवकली क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकास योजना बनाने के क्रम में समग्र जन की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु ग्राम प्रधान श्रीमती पुष्पा देवी द्वारा पंचायत के दोनों गांव में पंचायत प्रतिनिधियों, वार्ड सदस्यों, वरिष्ठजनों, समूहसखी, आषा, आगनबाडी कार्यकर्त्री तथा ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत सभी कर्मचारी स्टाफ के साथ पंचायत घर दिलावरपुर देवकली में दिनांक 24.03.2023 को पूरे ग्राम में बैठक की सूचना दी गयी।

## ग्राम सभा की खुली बैठक

ग्राम पंचायत दिलावरपुर देवकली में क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्ययोजना निरूपण हेतु हितभागियों की ग्राम सभा की बैठक दिनांक 27.03.2023 को पंचायत भवन में आयोजित की गयी। इस बैठक में ग्राम प्रधान ग्राम विकास अधिकारी, एवं आगनबाडी, आषा, ग्रामवासी समेत कुल 85 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान ने की। सभी का स्वागत एवं परिचय ग्राम विकास अधिकारी के द्वारा किया गया है। बैठक में श्री कृष्ण गोपाल ग्राम विकास अधिकारी ने बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डाला बताया जलवायु परिवर्तन का असर पूरा विष्व झेल रहा है। इसका प्रभाव हमारी ग्राम पंचायत एवं ग्राम वासियों पर पड़ रहा है। यह बैठक दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत को क्लाइमेट



स्मार्ट ग्रामपंचायत बनाने के उद्देश्य पर कार्य करने हेतु आयोजित की गयी है। उत्तर प्रदेश में 39 जनपद जो कि जलवायु परिवर्तन के अत्यधिक प्रभाव को झेल रहे हैं। उनमें से 1 शाहजहाँपुर जनपद भी शामिल है। जनपद की ग्राम पंचायत दिलावरपुर देवकली को इस कार्य हेतु चयनित किया गया है। पहले भी हमारे ग्राम पंचायत की विकास योजना बनी है। परन्तु जलवायुगत परिवर्तन एवं आपदा सम्बन्धित समस्याओं के समाधान हेतु विकास के सभी मुद्दों के साथ जलवायु स्मार्ट ग्राम पंचायत योजना के निर्माण की प्रक्रिया पूर्ण करनी है। जिसमें हम सभी की सहभागिता होनी चाहिए। संजीव जी ने बताया कि क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम बनाने के लिए ग्रामवासियों का एवं सरकार का सहयोग होना चाहिए। स्मार्ट ग्राम बनाने के लिए ग्राम में जल,जमीन एवं वायु को शुद्ध बनाने के लिए ग्राम में अधिक



ग्रामीणों से हमारा निवेदन है कि विद्युत का उपयोग कम करें उसकी जगह पर सोलर पैनल लगवायें जिससे पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सके। खेतों में कीट नाशक एवं रासायनिक खाद का प्रयोग कम करके जैविक खाद का प्रयोग किया जाये जिससे हमारी जमीन की उर्वरा शक्ति ठीक बनी रहे। जब हमारी जलवायु एवं जमीन शुद्ध होंगे तो हमारी जलवायु भी प्रदूषित नहीं होगी हमारा ग्राम क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम बन जायेगा। इसमें आपका हमारा सभी का सहयोग जरूरी है। ग्राम स्वच्छ होने से स्वास्थ्य सम्बन्धी बीमारियां कम होती हैं। जब हमारा जल जमीन वायु शुद्ध होगी तो हमारी जल वायु भी शुद्ध हो जायेगी।

ग्राम पंचायत में 6 तालाब हैं। जिनका साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार कार्य होना चाहिए जिससे उसके जल का उपयोग खेती बाड़ी तथा पशुओं जैसे अनेक कार्यों में किया जा सके। इस प्रकार हम अपनी ग्राम पंचायत को क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत बना सकते हैं। इसमें सरकार एवं ग्राम वासियों की सहभागिता बहुत जरूरी है।



सहायक विकास अधिकारी पंचायत श्री नारायण सिंह ने बताया कि वायु मण्डल में 78 प्रतिषत नाइट्रोजन 0.03 प्रतिषत कार्बन डाई आक्साईड तथा अन्य 0.92 प्रतिषत गैसों होती हैं। जिसमें कार्बन डाई आक्साईड का लगातार वायुमण्डल में वृद्धि हो रही है। इसलिए हमारी जलवायु दूषित होती जा रही है। वनों की कटाई को रोकना चाहिए। श्री अशोक सिंह जी ने बताया जलवायु परिवर्तन का सीधा अर्थ मौसम में परिवर्तन का होना है आज का जलवायु परिवर्तन हम इंसानों के कारण हो रहा है आज हमारी जलवायु में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने बताया जल जमीन वायु शुद्ध होगी तभी ग्राम पंचायत दिलावरपुर देवकली क्लाइमेट स्मार्ट पंचायत बन पायेगी। श्री अमर

सिंह ने अपने विचार रखते हुए बताया खेतों में कई प्रकार की खाद व दवाईयां डालने से हमारी भूमि 52 प्रतिषत खराब हो चुकी है। किसानों के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है और जलवायु परिवर्तन के कारण ही पृथ्वी से कई पशु पक्षियों की प्रजाति का अन्त हो रहा है। इसी के क्रम में श्री केपी सिंह ने बताया पृथ्वी के तापमान में तेजी से वृद्धि होती जा रही है। जलवायु प्रदूषण रोकने के लिए पर्यावरण प्रदूषण को कम करना तथा साथ साथ खेती में ज्यादातर गोबर खाद का प्रयोग करना चाहिए। बैठक का समापन ग्राम प्रधान श्रीमती पुष्पा द्वारा सभी को धन्यवाद देकर किया गया।

### स्थानीय लोगों से प्राप्त ग्राम पंचायत सम्बन्धी मूलभूत आंकड़ा

विवरण	संख्या	विवरण
ग्राम पंचायत की चौहददी का क्षेत्रफल	174.66 हे.	
कुल ग्राम	2	
टोलों की संख्या	0	

महिला मुख्या परिवारों की संख्या	38	
इण्डिया मार्का हैण्डपम्प	31	
सरकारी सेवा में महिलाएं	0	

### ग्राम पंचायत समितियों का विवरण

प्रशासनिक समिति	शिक्षा समिति	नियोजन एवं विकास समिति
पुष्पा देवी- अध्यक्ष (प्रधान) करिश्मा-सदस्य अरविन्द पाल-सदस्य कीर्ति-सदस्य शिवपाल-सदस्य गयाप्रसाद राठौर-सदस्य सरला-सदस्य	पुष्पा देवी - अध्यक्ष करिश्मा-सदस्य अरविन्द पाल-सदस्य सपना पाठक-सदस्य कीर्ति वर्मा-सदस्य सरला-सदस्य गयाप्रसाद राठौर-सदस्य	पुष्पा देवी - अध्यक्ष राजाराम-सदस्य नरेन्द्र वर्मा-सदस्य सरला-सदस्य सपना पाठक-सदस्य सचिन कुमार-सदस्य गयाप्रसाद राठौर-सदस्य
निर्माण कार्य समिति	जल प्रबन्धन समिति	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण समिति
पुष्पा देवी - अध्यक्ष कीर्ति वर्मा-सदस्य राजाराम-सदस्य अरविन्द पाल-सदस्य सपना पाठक-सदस्य नरेन्द्र-सदस्य गया प्रसाद-सदस्य	पुष्पा देवी - अध्यक्ष गयाप्रसाद राठौर-सदस्य देवदत्त कीर्ति-सदस्य सरला-सदस्य नरेन्द्र-सदस्य शिवपाल-सदस्य	पुष्पा देवी - अध्यक्ष अरविन्द पाल-सदस्य देवदत्त-सदस्य शिवपाल-सदस्य सपना पाठक-सदस्य सरला-सदस्य

### ग्राम पंचायत सदस्यों की सूची

क्र.सं.	ग्राम पंचायत सदस्य का नाम
1	सचिन कुमार
2	नरेन्द्र कुमार
3	शिवपाल
4	देवदत्त
5	पिकी देवी
6	सपना पाठक
7	गयाप्रसाद
8	अरविन्दपाल
9	श्राजाराम
10	सरला देवी

## ग्राम भ्रमण (ट्रांजेक्ट वाक)–

पूर्व माध्यमिक विद्यालय से ग्राम भ्रमण शुरू होकर पूरा गांव घूमते हुए आंगनवाड़ी केन्द्र उसके बाद साहबदादपुर नवादा ग्राम में कोटेदार के यहां भ्रमण करते हुए विद्यालय में आंगनवाड़ी केन्द्र और विद्यालय के अध्यापकों से सम्पर्क किया एवं ग्राम की शिक्षा, स्वास्थ्य से जुड़ी हुई जानकारी प्राप्त की उसके बाद तालाबों को देखने गये। तालाबों में साफ सफाई नहीं थी अतः हमने प्रधान जी से कहा तालाब की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार किया जाये जिससे जल संरक्षण हो सके एवं तालाब के जल का उपयोग पशुओं के पीने के लिए एवं मत्स्य पालन में उपयोग हो सके। तीन तालाबों में मत्स्य पालन हो रहा है। उसके बाद हम लोग पूरे गांव में भ्रमण करते हुए दिलावरपुर देवकली ग्राम में आये वहां हम ग्राम वासियों से मिले। उनके साथ पंचायत भवन में बैठक की। उसके बाद मन्दिर घूमते हुए पूरे गांव का गृह भ्रमण किया। ग्राम वासियों से ग्राम पंचायत की समस्याएं एवं जानकारी प्राप्त की। उसके बाद हम लोग प्राइमरी विद्यालय पर आ गये पूरे गांव का भ्रमण करके सभी जानकारी प्राप्त की।

## ट्रांजेक्ट वाक के दौरान अवलोकन की गई स्थितियां :-

<b>बसाहट</b>	ग्राम पंचायत दिलावरपुर देवकली में गाँव के शुरू में ही पूर्व माध्यमिक विद्यालय है। माध्यमिक विद्यालय के पीछे पंचायत घर बना हुआ है पंचायत घर के बराबर में सामुदायिक शौचालय बना हुआ है। उसी के पास आंगनवाड़ी केन्द्र बना हुआ है उसके सामने पक्के मकान बने हुए हैं। आगे ग्राम में प्राइमरी विद्यालय है। अधिकतर मकान पक्के हैं बीच बीच में कुछ मकान कच्चे हैं। साहबदादपुर नवादा में प्राइमरी विद्यालय है। ग्राम पंचायत में 31 इण्डिया मार्का और 350 निजी हैण्डपम्प है।
<b>तालाब</b>	ग्राम सभा में 6 तालाब हैं तालाबों की साफ सफाई नहीं है 3 तालाबों में मत्स्यपालन होता है।
<b>हरित क्षेत्र बाग बगीचा</b>	ग्राम में वृक्षारोपण बहुत कम है गाँव में वृक्ष लगाने की आवश्यकता है।
<b>भौतिक संसाधन</b>	दो प्राइमरी विद्यालय एक दिलावरपुर देवकली एक साहबदादपुर नवादा एक पूर्व माध्यमिक विद्यालय दिलावरपुर देवकली। पंचायत भवन, आंगनवाड़ी केन्द्र, सामुदायिक शौचालय बने हुए हैं। पानी के लिए 31 इण्डिया मार्का नल है।

## समाजिक मानचित्रण:-

दिलावरपुर देवकली गांव का भ्रमण किया गया। भ्रमण करने के बाद स्कूल में ही सामाजिक मानचित्रण ग्राम वासियों की मदद से किया गया, इस प्रक्रिया में संस्था की टीम द्वारा जो लोग उपस्थित थे उनको सोशल मैपिंग के बारे में पर्याप्त जानकारी दी गयी। गांव का नक्शा अच्छे ढंग से बने इसलिए सभी लोगों को पूर्व पश्चिम उत्तर दक्षिण दिशाओं का ज्ञान कराया गया उसके बाद गांव सड़कें, बस्ती, मकान, तालाब, कुआं, सभी कुछ दर्शाने के लिए बताया गया। गांव में क्या क्या संसाधन हैं उसकी भी जानकारी ली गयी।

## जाति वर्ग अनुसार परिवारों की संख्या

जानकारी का श्रोत्र स्थानीय समुदाय/पंचायत

सामान्य जाति के घरों की संख्या	75
--------------------------------	----

अनुसूचित जाति के घरों की संख्या	164
योग	559

#### नाजुकता विषलेषण :-

आपदाओं का सामना करने से प्रभावित समुदाय सामाजिक, आर्थिक रूप से कमजोर हो जाता है। इसे जानने के लिए समुदाय, आशा, आगंनबाड़ी कार्यकर्त्री से चर्चा की गई जिसमें निम्न जानकारी प्राप्त हुई।

जल भराव— मानसून के मौसम में दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत में जल भराव की समस्या है। दिलावरपुर देवकली ग्राम के पूर्व की तरफ जहां गोबर के ढेर एवं कूड़े के ढेर हैं वहां जल भराव होता है। प्राथमिक विद्यालय साहबदादपुर नवादा के पास जल भराव होता है। जलनिकास के लिए सुदृढ नाला होना चाहिए।

#### समुदाय पर जल भराव का प्रभाव :-

ग्राम पंचायत दिलावरपुर देवकली के ग्राम दिलावरपुर में पूरब की तरफ बरसात के समय में जल भराव काफी हो जाता है जिससे आवागमन में समस्या होती है। गाँव का कूड़ा करकट एकत्र होकर तालाबों में चला जाता है। जिससे तालाबों का जल दूषित हो जाता है। जिससे गाँव में मलेरिया, डायरिया, डेंगू, टाईफाइड, वायरल फीवर, चर्मरोग, बीमारियां बढ़ती हैं।

#### समुदाय पर सूखा का प्रभाव :-

दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत में 2014 में बारिश न होने के कारण सूखा की स्थिति बन गयी थी जिससे फसलों के उत्पादन में 90 प्रतिशत की हानि हुई। उथले हैण्डपम्प और बोरिंग काम नहीं कर रहे थे। जल की समस्या काफी हो गयी थी। हर बार वर्षा कम होने से सूखा की स्थिति बनी रहती है। जिससे फसलों में कई बार पानी लगाना पड़ता है। फसलों में लागत अधिक और उत्पादन कम होता है। पेय जल प्रभावित होता है। गर्मी के दिनों में 31 इण्डिया मार्का एवं 350 निजी हैण्डपम्प का जल स्तर नीचे चला जाता है। जानवरों को चारा का सकंट हो जाता है तथा तापमान बढ़ने से पशुओं को मुंहपका, खुरपका, पेट में कीड़े, बुखार, लंगड़िया, गलाघोटू, बीमारियां हो जाती हैं। दुधारू पशुओं दुग्ध उत्पादन कम हो जाता है।

#### समुदाय पर लू का प्रभाव :-

लू के कारण पशुओं तथा बच्चों एवं मानवों का स्वास्थ्य खराब हो जाता है। मई से जून तक तापमान में अत्यधिक वृद्धि हो जाती है। गर्म हवाएं चलने लगती हैं। पशुओं को चारा एवं पेयजल हेतु पानी की समस्या हो जाती है।

#### समुदाय पर शीतलहर का प्रभाव :-

शीतलहर मानव एवं पशुओं के स्वास्थ्य के साथ साथ कृषि को भी प्रभावित करती है। गाय भैंसों के दुग्ध उत्पादन में कमी आ जाती है। शीतलहर में कृषि कार्य नहीं हो पाता है एवं मजदूरी भी नहीं मिल पाती है। बच्चों को निमोनिया रोग होने की आशंका रहती है। शीत लहर से सम्भावना 25 दिसम्बर से 15 फरवरी तक रहती है।

#### समुदाय पर ओलावृष्टि का प्रभाव:-

इस क्षेत्र में ओले पड़ते हैं जिससे फसलों के उत्पादन में हानि हो जाती है। मार्च 2023 में वर्षा के साथ ओले गिरे थे। जिससे गेहूँ की फसल में तथा सरसों की फसल के उत्पादन में लगभग 20 प्रतिशत हानि हुई।

#### समुदाय की व्यवहारगत एवं ढांचागत संरचना में कमियां

1. लोगों में सरकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों से सम्बन्धित जानकारी एवं जागरूकता का अभाव है। पशु पालन तो करते हैं किन्तु नस्ल सुधार, पशुओं का बीमा आदि की जानकारी कम है।

3. गांव में केवल 5 सोलर पेनल है। यहां 90 प्रतिषत से अधिक पक्की छते हैं जहां सौर ऊर्जा का प्रयोग किया जा सकता है। ग्रामपंचायत दिलावरपुर देवकली में सौर ऊर्जा पैनेलों को छतों पर लगाया जा सकता है।
4. मानसून के दिनों में जलजनित मच्छर मखियों की बीमारियों से आपका बढ़ जाती है। यहां टाईफाईड, मलेरिया, श्वांस सम्बन्धित बीमारियां हो जाती हैं।
5. ग्राम दिलावरपुर देवकली में जिसमें सफाई कर्मियों की कमी है। जिससे ग्राम पंचायत द्वारा गीला कचरा सूखा कचरा अलग नहीं हो पाता है। ग्राम में स्वच्छता का अभाव है। इसके लिए ग्राम वासियों को स्वच्छता के लिए जागरूक करने के लिए जागरूकता बैठक होनी चाहिए।
6. गांव में गाय, भैंस आदि पशुपालन होने के बावजूद भी गोबर का प्रयोग जैविक खाद एवं कम्पोस्ट खाद बनाने में नहीं होता है। बल्कि सड़कों के किनारे गोबर के ढेर लगाकर रखते हैं और कण्डे बनाते हैं। ग्राम में सबसे अधिक पशुपालक रहते हैं। सड़को के किनारे गोबर के ढेर लगे रहते हैं। अतः पशुपालकों को वर्मी कम्पोस्ट तथा अन्य कम्पोस्टिंग का प्रषिक्षण देकर उनके स्थान पर बेड बनवाकर देना चाहिए जिससे उनके पशुओं के गोबर का उपयोग हो सके। इसके लिए ग्रामवासियों को जागरूक करना चाहिए एवं वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाने का प्रषिक्षण देना चाहिए। जिससे दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत स्वच्छ हो सके और फसलों का उत्पादन भी बढ़ सके।
7. गांव में आंगनबाड़ी भवन बना है। जिसमें आंगनबाड़ी मिथलेश कुमारी कार्यकर्त्री और मीना देवी सहायिका है। साहबदादपुर नवादा में आंगनबाड़ी केन्द्र विद्यालय में लगता है। अतः साहबदादपुर नवादा में आंगनबाड़ी केन्द्र बनना चाहिए।
8. स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य उप केन्द्र दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत में नहीं है। अतः दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत में उप स्वास्थ्य केन्द्र बनना चाहिए।
9. गांव की मुख्य सड़क मार्ग से साहबदादपुर नवादा सम्पर्क जगह जगह पर टूटा है। एवं गांव के अन्दर भी सड़के जगह टूटी एवं जल भराव से प्रभावित है।
10. शिक्षा के लिए दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत में 2 प्राइमरी विद्यालय एक जूनियर विद्यालय है। उच्च शिक्षा के लिए एक इण्टर कॉलेज की आवश्यकता है जिससे किषोरियों को शिक्षा के लिए दूर न जाना पड़े जिससे ग्राम का साक्षरता प्रतिषत बढ़ सके।
11. पूर्व माध्यमिक, प्राथमिक विद्यालय दिलावरपुर देवकली में विद्यालय के अन्दर 11000 केबी की विद्युत लाइन है जिसे विद्यालय से हटाकर बाहर करना चाहिए। जिससे विद्यार्थियों को बरसात के समय में कोई खतरा न हो।
12. ग्राम सभा में 6 तालाब स्थित हैं। तालाबों में साफ सफाई नहीं है। गांव का कचरा भी जल निकासी के समय तालाबों में ही चला जाता है। तालाबों की साफ सफाई फिल्टर के माध्यम से होना चाहिए, और जीर्णोद्धार होना चाहिए जिससे तालाब का जल, पशुओं के पीने के लिए प्रयोग किया जा सके। तथा जल संरक्षण भी हो सके। तीन तालाबों में मत्स्य पालन भी होता है।
13. ग्राम सभा में सर्दी, गर्मी और बरसात तीनों मौसम का मिला जुला प्रभाव रहता है। कभी रवी की फसल में बिनमौसम बरसात होने से फसल की बढ़वार रुक जाती है। कभी खरीफ की फसल में कम पानी बरसने से फसलों की पैदावार में कमी हो जाती है। मौसम के कारण फसलों में नुकसान होने से फसलों के उत्पादन में हानि हो जाती है।
14. ग्राम में बृक्षारोपण बहुत कम है बाग भी बहुत कम है ग्राम पंचायत दिलावरपुर में बृक्षारोपण में ध्यान देना चाहिए। इसके लिए ग्रामपंचायत में नर्सरी की व्यवस्था होनी चाहिए। ग्राम पंचायत के पास भूमि भी उपलब्ध है। ग्रामपंचायत के ग्रामवासी बृक्षारोपण करके जलवायु को प्रदूषित होने से बचा सकते।
15. स्वच्छता की दृष्टि से दिलावरपुर ग्राम पंचायत में आरआरसी सेन्टर कूड़ा एकत्र केन्द्र बनना चाहिए। ग्राम में जगह जगह गोबर के ढेर लगे हुए हैं। गोबर के ढेरों को हटाने के लिए

16. ग्राम पंचायत में 350 निजी हैण्डपम्प है तथा 31 इण्डिया मार्का नल है। पानी का स्वाद अच्छा है। लेकिन ज्यादा देर रखने पर पीला पड़ जाता है। समुदाय के लोग यही जल पीते हैं। जिससे पेट सम्बन्धी बीमारी होने का भय रहता है। अतः जल की टेस्टिंग बहुत जरूरी है। जिससे पता लग सके कि जल में कौन सा हानिकारक तत्व है जिसकी जांच होनी चाहिए।
17. तापमान बढ़ने से पशुओं को मुंह पका, खुरपका, लंगड़िया बीमारियां हो जाती है जिससे दुग्ध का उत्पादन कम हो जाता है।

#### समुदाय की क्षमता विष्लेषण-

आपदाओं के सन्दर्भ में गांव को क्लाइमेट स्मार्ट बनाने की दृष्टि से स्वयं में कितना सक्षम है। इसकी जानकारी हेतु समुदाय के साथ मिलकर जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली आपदाओं एवं खतरों के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी जो निम्नवत् है।

दिलावरपुर देवकली ग्राम पंचायत शाहजहांपुर हरदोई मार्ग पर स्थित है। इस ग्रामपंचायत में ग्रामीणों की सुविधा के लिए एक सामुदायिक शौचालय है। 2 प्राथमिक विद्यालय, एक जूनियर स्कूल है। 90 प्रतिषत घर पक्के हैं। सुरक्षित पेयजल हेतु पंचायत में 31 इण्डियामार्का नल 350 नल घरों में लगे हैं। इसके अलावा ग्राम पंचायत में छोटे बड़े 6 तालाब भी हैं। एक खेल का मैदान है।



## प्रवृत्ति/परिवर्तन, मुख्य चुनौतियां/झटके एवं तनाव

ग्राम पंचायत दिलावरपुर देवकली में सभी मौसम सर्दी गर्मी बरसात का प्रभाव रहता है। 30 वर्ष पूर्व सर्दी नवम्बर माह से फरवरी माह तक रहती थी। किन्तु अब सर्दी दिसम्बर जनवरी तक ही रहती है। पहले बरसात जून से सितम्बर तक रहती थी। मगर अब बरसात जुलाई के अन्त से सितम्बर के शुरू तक ही रहती है। पहले गर्मी अप्रैल से लेकर अक्टूबर तक रहती थी किन्तु अब गर्मी मार्च से 15 नवम्बर तक रहती है।



आपदा जोखिम प्रोफाइल के अन्तर्गत से निम्न सूचनाओं का संकलन किया है जो निम्न है

गांव को प्रभावित करने वाली आपदाओं की पहचान करना समुदाय के साथ उन आपदाओं के बारे में विस्तृत रूप में चर्चा एवं विचार विमर्ष किया जिससे उनकी दैनिक दिनचर्या, रोजगार, शिक्षा, पेयजल, समुदाय में साफ सफाई आदि पर एक सूची प्राप्त की गई है। इस गांव की प्रमुख समस्या समय से वर्षा न होने के कारण सूखा की स्थिति बन जाती है। एवं असमय की वर्षा से फसलों में हानि हो जाती है।

## जलवायु परिवर्तन जनित आपदा के जोखिम/खतरों का मानचित्रण

आपदाओं के आधार पर होने वाले नुकसान तथा प्रभावित समुदाय से विस्तृत जानकारी प्राप्त आपदाओं का ग्राम पंचायत दिलावरपुर एवं देवकली के पर्यावरण के साथ ही मानव जीवन एवं स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ रहा है, जल भराव, सूखा, कम वर्षा, ओले, शीतलहर से प्रतिवर्ष नुकसान सहना पड़ रहा है। जो निम्न है।

क्रम	आपदा	जोखिम क्षेत्र	जोखिम	आबादी	घर	संसाधन
1	जल भराव	स्वच्छता	पानी की बजह से कूड़ा निकल नहीं पाता है। और बरसात के समय पर जगह जगह कूड़ा एकत्र हो जाता है।	26 परिवार	प्राइमरी विद्यालय साहबदादपुर नवादा के आसपास जल भराव रहता है। दिलावरपुर देवकली गांव में पूर्व की ओर जहां कण्डे के ढेर और गोबर के ढेर हैं उसके आसपास जल भराव हो जाता है।	जिससे बच्चों को स्कूल आने जाने में समस्या होती है। जिससे ग्रामवासियों को आने जाने में परेशानी होती है।
		स्वास्थ्य	जलजनित बीमारियों का होना	30 लोग प्रभावित	15 घर	बच्चे, बुजुर्गजन
		शिक्षा	पानी भराव से बच्चे विद्यालय नहीं जा पाते हैं जिससे विद्यालय में	250	26 घर	प्राथमिक विद्यालय साहबदादपुर नवादा

			है			
2	सूखा	पेयजल	जल स्तर का नीचे जाना पेयजल की कमी	सम्पूर्ण ग्राम पंचायत	559	पानी की कमी
		कृषि	उपज का प्रभावित होना	सम्पूर्ण ग्राम पंचायत	559	फसलों में पैदावार कम
		खेती पर प्रभाव	सब्जी उत्पादन	सम्पूर्ण ग्राम पंचायत	559	सिंचाई लागत अधिक
		पशु पालन	जानवरों को चारा का संकट तापमान बढ़ने से विभिन्न बीमारियों का होना एवं दुग्ध उत्पादन कम होना	300	50	दुग्ध उत्पादन कम हो जाता है।
		आजीविका	स्थानीय स्तर पर मजदूरी न मिलना	620	110	फसलों में नुकसान होने के कारण कुछ लोग कार्य के लिए बड़े शहरों में चले जाते हैं और सर्दियों के मौसम में वापस आ जाते हैं।
3	लू लगना	स्वास्थ्य	मानव एवं पशुओं को लू लगने से उनके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता	सम्पूर्ण ग्रामपंचायत	559	सरकारी स्वास्थ्य सेवा ग्राम स्तर पर उपलब्ध नहीं है। उपकेन्द्र नहीं है टीकाकरण होता है।
4	शीत लहर	स्वास्थ्य एवं कृषि पशु पालन	मानव एवं पशुओं को ठंड लगना, फसल में नुकसान,	सम्पूर्ण ग्राम पंचायत	559	ठंड लगने के कारण पशुओं की मृत्यु हो जाती है
5	ओलावृष्टि	फसल एवं मानव स्वास्थ्य	फसल का नुकसान, मानव स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव	सम्पूर्ण पंचायत	559	कच्चे घर क्षतिगृस्त, अचानक ओलों के पड़ने से महिलाओं एवं पुरुषों को चोट लगने का भय 2023 मार्च में फसल के उत्पादन में लगभग 20 प्रतिषत हानि की सम्भावना

आजीविका के साधन पर आपदा का प्रभाव दिलावरपुर देवकली ग्रामपंचायत का आजीविका का प्रमुख साधन कृषि, मजदूरी, पशु पालन है। सूखा के समय फसल नष्ट हो जाती है या हानि होती है तब



आजीविका हेतु ग्रामवासी मजदूरी के लिए बड़े नगरों में जाते हैं। और सर्दी के मौसम में अपने घर वापस आ जाते हैं।

#### आपदाओं का ऐतिहासिक समय एवं घटनाक्रम :-

ग्राम पंचायत दिलावरपुर देवकली में ऐतिहासिक समय रेखा आपदाओं एवं उसके प्रभाव को जानने के बाद समुदाय के साथ यह भी जानने का प्रयास किया कि ये आपदायें इस ग्राम पंचायत को कब कब प्रभावित कर रही है। जल भराव, सूखा, लू, शीतलहर, ओलावृष्टि का प्रकोप ही ग्राम पंचायत को झेलना पड रहा है। इसी के साथ विगत दो वर्षों से कोरोना नामक बीमारी आपदा हो गई है। इस बीमारी के बचाव के लिए पूरे देश में लॉकडाउन लग जाने के कारण लोग अपने घरों में ही रहे। इसका सबसे अधिक प्रभाव खेती पर पडा सबकुछ बन्द हो जाने के कारण बड़े पैमाने पर लोगो की आजीविका प्रभावित हुई।

क्रम	वर्ष	आपदा/खतरा	घटनाओं का कारण	मृतकों की संख्या	प्रभावित लोगों की संख्या	आर्थिक क्षति	न्यूनीकरण हेतु किया गया कार्य
1	2014	सूखा	बारिश कम हुई	0	पूरा ग्राम पंचायत प्रभावित	20 हे0 खेत प्रभावित	पेयजल हेतु हैण्डपम्प रिवोर एवं समरसेबिल लगाना, कृषि सिंचाई हेतु निजी ट्यूबवेल बोरिंग
2	2015	शीतलहर	सर्दी अधिक पड़ी	0	पूरा ग्राम पंचायत प्रभावित	10 हे0 खेत प्रभावित	कोई कार्य नहीं
3	2016	जल भराव	अधिक बारिश होने के कारण	0	400	8 हे0 खेत प्रभावित	भूमि का मिट्टी डालकर उच्चीकरण किया गया।
4	2018	सूखा	बारिश कम हुई	0	पूरा ग्राम पंचायत प्रभावित	18 हे0 खेत प्रभावित	पेयजल हेतु हैण्डपम्प रिवोर एवं समरसेबिल लगाना, कृषि सिंचाई हेतु निजी ट्यूबवेल बोरिंग

5	2020	ओलाबृष्टि	बारिश के साथ ओला	0	पूरी ग्राम पंचायत	10 हे0 खेत प्रभावित	कोई कार्य नहीं
6	2022	सूखा	बारिश कम हुई	0	पूरा ग्राम पंचायत प्रभावित	22 हे0 खेत प्रभावित	पेयजल हेतु हैण्डपम्प रिवोर एवं समरसेबिल लगाना कृषि सिंचाई हेतु निजी ट्यूबेल बोरिंग
7	2023	ओलाबृष्टि	बारिश के ओला	0	पूरी ग्राम पंचायत	15 हे0 खेत प्रभावित	कोई कार्य नहीं
8	2023	जल भराव	नीचा क्षेत्र होने के कारण जल भराव	0	प्राथमिक विद्या. साबहदादपुर नबादा के पास एवं दिलावरपुर ग्राम में पूरब की ओर जल भराव	प्राथमिक विद्यालय साबहदादपुर नबादा दिलावरपुर ग्राम में पूरब की ओर	कोई कार्य नहीं

**आपदा का इतिहास** – 2014 में वर्षा न होने के कारण सूखा पड़ गया। परिणामस्वरूप सभी फसलों में 90 प्रतिशत की हानि हो गयी। वर्ष 2022 में वर्षा कम हुई जिसके कारण धान की फसल में 20 प्रतिशत की हानि हुई एवं 2023 मार्च में ओले पड़ने से गेहूँ एवं सरसों की फसल के उत्पादन में लगभग 20 प्रतिशत हानि होने की सम्भावना है। प्रतिवर्ष वर्षा समय से न होकर आगे सर्दियों में होती है जिससे फसलों के उत्पादन में प्रतिवर्ष लगभग 20 प्रतिशत हानि हो जाती है। मानसून के दिनों में वर्षा असमय होने के कारण धान की फसल में ट्यूबेल द्वारा धान में पानी लगाया जाता है। जिससे फसलों में लागत अधिक आती है और लाभ कम होता है।

**आजीविका के साधनों पर आपदाओं का प्रभाव :-**

क्रम	आजीविका के प्रकार	आपदा	आपदा का प्रभाव			प्रभाव
			अधिक	मध्यम	कम	
1.	कृषि	जल भराव				❖ ग्राम में जल भराव के

					❖ विद्यार्थियों को जल भराव के कारण विद्यालय जाने में परेशानी होती है। कम दिन के जलभराव वाले क्षेत्र की पैदावार भी प्रभावित होती है। धान की नर्सरी जल भराव के कारण प्रभावित हो जाती है।
		सूखा			<ul style="list-style-type: none"> <li>❖ खेत की फसलें पानी वर्षा न होने के कारण फसल सूख जाती है</li> <li>❖ सिंचाई खर्च अधिक आता है।</li> <li>❖ फसलों की बढवार नहीं होती है।</li> <li>❖ सभी फसलों का उत्पादन कम हो जाता है।</li> <li>❖ रोगों व कीटों का प्रकोप हो जाता है।</li> </ul>
		षीतलहर			<ul style="list-style-type: none"> <li>❖ फसलें झुलस जाती है।</li> <li>❖ सरसों में माहू का प्रकोप बड़ जाता है।</li> <li>❖ फसलों की बढवार प्रभावित हो जाती है।</li> </ul>
		ओलावृष्टि			<ul style="list-style-type: none"> <li>❖ ओलावृष्टि से फसलों के उत्पादन में हानि हो जाती है। कच्चे मकान क्षतिग्रस्त हो जाते हैं।</li> <li>❖ छोटे पशु प्रभावित होते हैं।</li> </ul>
2.	मजदूरी	सूखा			<ul style="list-style-type: none"> <li>❖ कृषिगत मजदूरी का कार्य नहीं मिलता है।</li> <li>❖ खानपान पर प्रभाव पड़ता है।</li> </ul>

						षहरों में जाना पड़ता है।
		शीतलहर				❖ काम नहीं मिल पाता है। ❖ स्वास्थ्य खराब रहता है।
3.	पशुपालन	सूखा				❖ पशुओं में दुग्ध उत्पादन कम हो जाता है। ❖ गाय भैंसों के नहलाने के लिए पानी की कमी हो जाती है। चारा कम हो जाता है।
		शीतलहर				❖ पशु चारे की समस्या हो जाती है। ❖ पशुओं में बीमारियां हो जाती हैं। ❖ पशुओं में दुग्ध उत्पादन कम हो जाता है।

### आपदाओं का मौसमी कलैण्डर

तापदा	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
जल भराव												
बाढ़												
सूखा												
भूकम्प												
टाग												
ओलावृष्टि												
शीतलहर												
आंधी तूफान												
लू												

आपदायमान चित्रण मौसमी कलैण्डर बनाने से पूर्व समुदाय से चर्चा हुई जिससे स्पष्ट हुआ कि वर्षा के दिनों में कमी तथा सर्दी कम दिनों तक पड़ती है एवं गर्मी के दिनों में बृद्धि तथा तापमान बढ़ता ही चला जा रहा है। असमय वर्षा से फसलों के उत्पादन में हर वर्ष हानि हो जाती है। प्राथमिक विद्यालय साहबदादपुर नवादा में स्कूल के आसपास और पीछे जलभराव हो जाता है। जिससे विद्यार्थियों को आने जाने में असुविधा होती है। दूसरा जल भराव दिलावरपुर देवकली गांव में पूर्व की तरफ है। जहां गोबर के ढेर लगे रहते हैं। ग्राम में स्वच्छता कम है अतः स्वच्छता के लिए सफाईकर्मियों की संख्या बढ़ाई

विवरण	संख्या	सम्पर्क व्यक्ति	गांव से दूरी
प्राथमिक विद्यालय दिलावरपुर देवकली	1	श्रीमती सीमा सक्सेना श्रीमती दीप्ती तिवारी	0किमी
पूर्व माध्यमिक विद्यालय दिलावरपुर देवकली	1	श्रीमती पूनम दुवे	0किमी
प्राथमिक विद्यालय साहबदादपुर नवादा	1	श्री राजेश कुमार इंचार्ज श्रीमती रीता	2किमी
पंचायत भवन	1		
सरकारी राशन वितरण की दुकान	1	श्री शैलेन्द्र पाठक	2किमी
पीएचसी सेहरामउ	1	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	4किमी
तहसील	1	स्दर	10 किमी
विकास खण्ड	1	भावलखेड़ा	6 किमी
पोस्ट आफिस	1	कनेंग	3 किमी
बैंक	1	चौढ़ेरा	4 किमी
सीएचसी	1	भावलखेड़ा	15 किमी

#### प्राकृतिक संसाधन उपलब्धता संख्या एवं दूरी

क्रमांक	प्राकृतिक संसाधन	दूरी	संख्या / रकबा	विवरण / नाम / सम्पर्क संख्या	मोबाईल नं.
1	तालाब 1	0 किमी	0.5 हे.	मत्सय पालन	9956356886
2	तालाब 2	50 मी	0.5 हे.	मत्सय पालन	9956356886
3	तालाब 3	100 मी	0.4 हे.	मत्सय पालन	9956356886
4	तालाब 4	100 मी	0.4 हे.	खाली हैं	9956356886
5	तालाब 5 नवादा	1.5 किमी	0.35 हे.	खाली हैं	9956356886
6	तालाब 6 नवादा	1.5 किमी	0.7 हे.	खाली हैं	9956356886

#### मानव संसाधन

1	ग्रामप्रधान	श्रीमती पुष्पा देवी 9621370999	
2	शिक्षक	श्रीमती पूनम दुवे 8840060552	
3	आंगनबाड़ी	मिथलेश	
4	आशा	सरिता देवी	
5	एएनएम	मंजू अवस्थी	
6	सहायक विकास अधिकारी पंचायत	नरायण सिंह 8808057191	
7	ग्राम विकास अधिकारी	कृष्ण गोपाल 7905923821	

#### वित्तीय संसाधन 2022-23

कार्य का नाम	ग्राम का नाम	स्वीकृत	व्यय	पूर्ण / प्रगति
पंचम राज्यवित्त आयोग 2022-23				
आनंद के मकान के सामने	दिलावरपुर	167000	165661	पूर्ण

पंचायत सहायक मानदेय	दिलावरपुर देवकली	72000	18000	प्रगति पर
स्वयं सहायता समूह भुगतान		108000	36000	प्रगति पर
तकनीकी निदेशक प्रशासनिक पंचायती राज			3825	प्रगति पर
कृष्णपाल के मकान के पास नल रिवोर	दिलावरपुर देवकली	40000	37700	प्रगति पर है
किष्ण पाल के मकान से इंटरलाकिंग व नाली			95977	प्रगति पर है

### क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकास कार्य योजना वर्ष 2023-24 :-

क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत विकास योजना बनाने हेतू समुह चर्चा की गई ग्राम पंचायत में वर्तमान स्थिति उससे सम्बन्धित समस्याएं उन समस्याओं के निराकरण हेतू जानकारी प्राप्त की गई। क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत दिलावरपुर देवकली की कार्य योजना तालिका

क्रम	कार्य का क्षेत्र	कार्य का नाम	कार्य का विवरण	परिसम्पत्ति का स्थान	अनुमानित धनराशि	अवधि	योजना का परिव्य
1.	मानव विकास एवं सामाजिक सुरक्षा, साफ सफाई एवं स्वच्छता सेक्टर-॥	नाला निर्माण	दिलावरपुर देवकली में गाँव के पूर्व रामाधार के मकान से तालाब तक नाला निर्माण लम्बाई माप 250 मी० x 1 मी० चौड़ाई	दिलावरपुर देवकली रिलायंस पाईप लाइन की मुख्य सड़क ।	12 लाख	अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक	अन्य स्रोत ।
2	मानव विकास एवं सामाजिक सुरक्षा, साफ सफाई एवं स्वच्छता सेक्टर-॥	नाली का निर्माण	षिवषरन के मकान से अवधेष के मकान तक नाली निर्माण लम्बाई 180 मी०	दिलावरपुर देवकली	6 लाख	"	अन्य स्रोत ।
3.	मानव विकास एवं सामाजिक सुरक्षा, साफ सफाई एवं स्वच्छता सेक्टर-॥	नाली निर्माण	जुनियर स्कूल के पास लम्बाई 100 मी० x 1 मी० चौड़ाई	दिलावरपुर देवकली	8 लाख	"	अन्य स्रोत ।
4.	मानव विकास एवं	नाली निर्माण	कृष्ण मुरारी के मकान से	दिलावरपुर देवकली	1.5 लाख	"	अन्य स्रोत ।

	सफाई एवं स्वच्छता सेक्टर-॥						
5.	मानव विकास एवं सामाजिक सुरक्षा, साफ सफाई एवं स्वच्छता सेक्टर-॥	नाला निर्माण	प्राथमिक विद्यालय के तालाब तक नाला निर्माण लम्बाई 300 मी0	साहबदादपुर नबादा	15 लाख	"	अन्य स्रोत ।
6.	मानव विकास एवं सामाजिक सुरक्षा, साफ सफाई एवं स्वच्छता सेक्टर-॥	नाली निर्माण	षिवकुमार के मकान से मिथिलेश के मकान तक नाली निर्माण लम्बाई 200 मी0	साहबदादपुर नबादा	8 लाख	"	अन्य स्रोत ।
7.	मानव विकास एवं सामाजिक सुरक्षा, साफ सफाई एवं स्वच्छता सेक्टर-॥	नाली निर्माण	सुबेदार के मकान से नत्थू के मकान तक ल0 100 मी0	बहटी चौराहा	5.5 लाख	"	मनरेगा / अन्य स्रोत ।
8.	मानव विकास एवं सामाजिक सुरक्षा, साफ सफाई एवं स्वच्छता सेक्टर-॥	RRC सेन्टर	गाँव के पूरव कूड़ा कचरा प्रबन्धन केन्द्र ।	दिलावरपुर देवकली	8 लाख	"	SBM/G/, अन्य स्रोत ।
9	मानव विकास एवं सामाजिक सुरक्षा, साफ सफाई एवं स्वच्छता सेक्टर-॥	नाली निर्माण	राजीव मिश्रा के मकान से बाग तक ल0 110 मी0	साहबदादपुर नबादा	5 लाख	"	अन्य स्रोत ।

	सुरक्षा, साफ सफाई एवं स्वच्छता सेक्टर-॥		रोड के दोनो तरफ ल० <b>150x2 = 300</b> मी०				
11	मानव विकास एवं सामाजिक सुरक्षा, साफ सफाई एवं स्वच्छता सेक्टर-॥	नाली मरम्मत	रामसागर के मकान से विक्रम की दुकान तक दोनो तरफ ल० 250 मी०	दिलावरपुर देवकली	5 लाख	"	अन्य स्रोत।
12	मानव विकास एवं सामाजिक सुरक्षा, साफ सफाई एवं स्वच्छता सेक्टर-॥	नाली मरम्मत	घनष्याम के मकान से धनीपाल के मकान तक ल० 250 मी०	दिलावरपुर देवकली	5 लाख	"	अन्य स्रोत।
13.	मानव विकास एवं सामाजिक सुरक्षा, साफ सफाई एवं स्वच्छता सेक्टर-॥	नाली मरम्मत	स्कूल से तालाब तक ल० 500 मी०	दिलावरपुर देवकली	10 लाख	"	अन्य स्रोत।
14.	मानव विकास एवं सामाजिक सुरक्षा, साफ सफाई एवं स्वच्छता सेक्टर-॥	नाली मरम्मत	स्कूल से तालाब तक कार्य ल० 600 मी०	साहबदादपुर नबादा	12 लाख	"	मनरेगा / अन्य स्रोत।
15.	बुनियादी आधारभूत संरचना एवं पर्यावरण	CC रोड मरम्मत	विक्रम की दुकान से तेजराम की दुकान तक ल० <b>500x3 =1500</b> मी०	दिलावरपुर देवकली	15 लाख	"	15 वित्त / अन्य स्रोत



	एंव पर्यावरण			साहबदादपुर नबादा			
17	बुनियादी आधारभूत संरचना एंव पर्यावरण	कूडेदान डस्टबिन उपलब्ध कराना	स्कूल / आंगनवाडी केन्द्र सार्वजनिक जगह / दुकानों के पास डस्टबिन की व्यवस्था कराना	दिलावरपुर देवकली 12, और साहबदादपुर नबादा 8 जगहों पर	2.5 लाख	"	अन्य स्रोत
18	बुनियादी आधारभूत संरचना एंव पर्यावरण	तालाब जीर्णोद्धार	6 तालाबों का जीर्णोद्धार दिलावरपुर 4 नबादा 2	1 तालाब 0.5 हे., 2 तालाब 0.5 हे., 3 तालाब 0.4 हे., 4 तालाब 0.4 हे., 5 तालाब 0.35 हे., 6 तालाब 0.7 हे.,	90 लाख	"	अन्य स्रोत।
19.	बुनियादी आधारभूत संरचना एंव पर्यावरण	बाउन्ड्री बाल	पंचायत भवन , आंगनवाडी केन्द्र की बाउन्ड्री बाल ल0 125x उ.2=250 मी0	दिलावरपुर देवकली	8 लाख	"	मनरेगा / अन्य स्रोत।
20.	बुनियादी आधारभूत संरचना एंव पर्यावरण	बाउन्ड्री बाल	अम्बेडकर पार्क बाउन्ड्री बाल ल0 150x उ. 2=300 मी0	दिलावरपुर देवकली	9 लाख	"	मनरेगा / अन्य स्रोत।
21.	बुनियादी आधारभूत संरचना एंव पर्यावरण	बाउन्ड्री बाल	सामुदायिक भवन 200 मी0 बाउन्ड्री बाल	दिलावरपुर देवकली	12 लाख	"	मनरेगा / अन्य स्रोत।
22.	बुनियादी आधारभूत संरचना एंव पर्यावरण	इन्टर लॉकिंग	सत्यपाल के मकान से रिलायंस पाईप लाइन तक 300 मी0	दिलावरपुर देवकली	15 लाख	"	मनरेगा / अन्य स्रोत।
23	बुनियादी आधारभूत	वृक्षारोपण	1200 छायादार, फलदार, वृक्षों	दिलावरपुर देवकली,	30 लाख	"	मनरेगा / अन्य स्रोत।

24	बुनियादी आधारभूत संरचना एवं पर्यावरण	सौर ऊर्जा द्वारा प्रकाश की व्यवस्था	150 घरों की छतों पर सौर ऊर्जा के पैनल प्रकाश की व्यवस्था के लिए	150 लाभार्थी घर	30 लाख	”	”
25	बुनियादी आधारभूत संरचना एवं पर्यावरण	नर्सरी का निर्माण	पॉली हाउस / नेट हाउस बनाकर नर्सरी तैयार करना	दिलावरपुर देवकली में 20 डिस्मिल ग्राम पंचायत की जमीन पर	3 लाख	”	”
26	बुनियादी आधारभूत संरचना एवं पर्यावरण	गौशाला निर्माण	दिलावरपुर देवकली एवं साहबदादपुर नवादा में 2 टीन शेड और 2 कमरें	2 शेड, 2 कमरे दिलावरपुर देवकली, 2 शेड, 2 कमरे साहबदादपुर नवादा	90 लाख	”	”

उपरोक्त तथ्यों के आधार पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव ग्रामपंचायत दिलावरपुर देवकली में सर्दी, गर्मी एवं बरसात में रहता है। सबसे अधिक प्रभाव जुलाई से सितम्बर तक वर्षा कम होने से फसलें नष्ट हो जाती है। जलवायु परिवर्तन की दृष्टि से ग्राम में अधिक से अधिक वृक्षारोपण किया जाये वृक्षारोपण के लिए ग्राम में नर्सरी की व्यवस्था होनी चाहिए। ग्राम में सोलर पैनल लगाने चाहिए। पशुओं के गोबर से वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाने का प्रशिक्षण ग्राम वासियों को देना चाहिए। बैटरी चलित वाहनों पर सरकार को सब्सिडी देकर ग्राम वासियों को बैटरी चलित वाहनों के उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इस प्रकार हमारी ग्राम पंचायत दिलावरपुर देवकली क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत बन जायेगी।

संस्था का नाम :- विनोबा सेवा आश्रम बरतारा (शाहजहाँपुर)

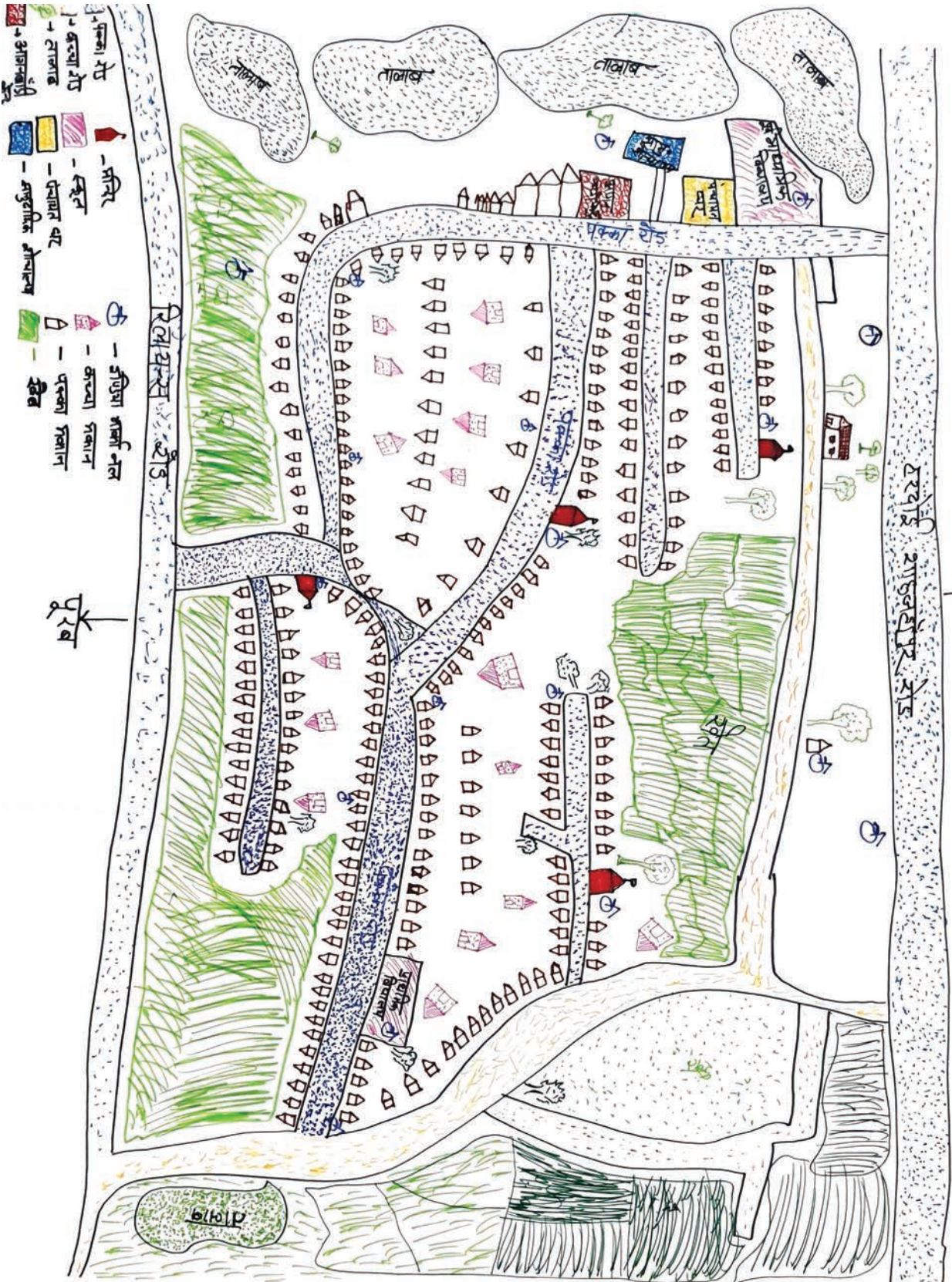
सर्वे टीम के नाम

1. संजीव प्रकाश
2. के.पी. सिंह
3. अशोक सिंह
4. अमर सिंह

शास्र पंचाथत - दललवारपुर इलाका देवकली

पडललर

दरदरदर शास्रकरीर रीड



# अनुलग्नक IV: लक्ष्य, लागत, उत्सर्जन से बचाव और अनुक्रमण क्षमता का अनुमान

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियाँ	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मुला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
----------	----------------------	---	---	------------------------------------

## हरित क्षेत्रों और जैवविविधता का विस्तार

1	वृक्षारोपण गतिविधियाँ	<p><b>चरण 1:</b> वर्तमान में ग्राम पंचायत में हो रही गतिविधियों के सामान (प्रधान के साथ परामर्श के दौरान जानना अनिवार्य है)</p> <p><b>चरण 2:</b> भूमि की उपलब्धता के आधार पर वृक्षारोपण लक्ष्य को 500-1000 तक बढ़ाना।</p> <p><b>चरण 3:</b> भूमि की उपलब्धता के आधार पर लक्ष्य को 500-1000 तक और बढ़ाना।</p>	<p>वृक्षारोपण (तैयारी, पौधारोपण, श्रम आदि)<sup>1</sup> = ₹70 प्रति पेड़ (पौधे डीओईएफसीसी, उत्तर प्रदेश सरकार से निःशुल्क उपलब्ध हैं)</p> <p>ट्री गार्ड (धातु)<sup>2</sup></p> <p>= ₹1,200 प्रति इकाई</p> <p>वृक्षारोपण का रखरखाव: ₹1.5 लाख/हेक्टेयर</p>	<p>सागौन की प्रजातियों के आधार पर अनुक्रमण की क्षमता का अनुमान - प्रति पेड़ 5.6 से 10 टन कार्बन डाइऑक्साइड (tCO<sub>2</sub>e)</p> <p>कृषि वानिकी के लिए वृक्षारोपण घनत्व 100 पेड़/हेक्टेयर माना जाता है</p>
2	आरोग्य वन	<ul style="list-style-type: none"> <li>300-400 हेक्टेयर से कम क्षेत्र वाले ग्राम पंचायत के लिए, 0.1 हेक्टेयर क्षेत्र के साथ एक आरोग्य वन का सुझाव दिया जा सकता है।</li> <li>लगभग 1000 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाली ग्राम पंचायत के लिए, भूमि की उपलब्धता के आधार पर 0.2-0.5 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले एक आरोग्य वन का सुझाव दिया जा सकता है।</li> </ul>		
3	कृषि वानिकी	<p>(यह व्यक्तिपरक हो सकता है और कृषि-वानिकी गतिविधियाँ चरण 1 से शुरू की जा सकती हैं )</p> <p><b>चरण 2:</b> कुल कृषि भूमि का 40% ; साथ ही + प्रति हेक्टेयर 100 पेड़ लगाया जाना</p> <p><b>चरण 3:</b> शेष कृषि भूमि ; साथ ही + प्रति हेक्टेयर 100 पेड़ लगाया जाना</p>	<p>कृषि वानिकी की लागत<sup>3</sup> = ₹40,000/हेक्टेयर<sup>4</sup></p>	

1 वृक्षारोपण दिशानिर्देशों और ग्राम पंचायत से प्राप्त सुझावों के अनुसार लागत

2 लागत बाजार भाव के अनुसार

3 कृषि वानिकी दिशानिर्देशों पर उप-मिशन, सतत कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन के अनुसार लागत

4 <https://link.springer.com/article/10.1007/s42535-022-00348-9>

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
----------	----------------------	---	---	------------------------------------

## सतत कृषि

1	सूक्ष्म सिंचाई-ड्रिप एवं स्प्रिंकलर (छिड़काव) सिंचाई	<p><b>चरण 1:</b> कुल कृषि भूमि का 30% सम्मिलित किया जाना</p> <p><b>चरण 2:</b> कुल कृषि भूमि का 70% सम्मिलित किया जाना</p> <p><b>चरण 3:</b> कुल कृषि भूमि का 100% सम्मिलित किया जाना</p>	<b>₹1 लाख प्रति हेक्टेयर</b>	
2	बांधों का निर्माण	<p><b>चरण 1:</b> सम्मिलित की जाने वाली कुल कृषि भूमि का 50%</p> <p><b>चरण 2:</b> सम्मिलित की जाने वाली कुल कृषि भूमि का 100%</p> <p><b>चरण 3:</b> मेड़ों का रखरखाव</p> <p>- मेड़ों का निर्माण कृषि क्षेत्रों की परिधि पर किया जाता है</p> <p>- ग्राम पंचायत में किसानों के पास विभिन्न आकारों की भूमि होती है। अनुमान : सभी खेत वर्गाकार होते हैं।</p>	<b>1 मी. मेड़बंदी के लिए<sup>5</sup> = ₹150 रुपये</b>	
3	कृषि तालाबों का निर्माण	<p><b>चरण 1:</b> 5-10 तालाब</p> <p><b>चरण 2:</b> 15-20 तालाब चरण : यदि आवश्यक हो तो अधिक + तालाबों का रखरखाव</p> <p>1 कृषि तालाब की क्षमता = 300 m<sup>3</sup></p> <p>ग्राम पंचायत में बड़े खेतों की संख्या + तालाबों की आवश्यकता पर निर्भर करता है (प्रधान से की गई बातचीत के आधार पर)</p>	1 कृषि तालाब का निर्माण <sup>6</sup> = <b>₹90,000</b>	

5 एचआरवीसीए में ग्राम पंचायत से प्राप्त इनपुट के अनुसार लागत

6 एचआरवीसीए में ग्राम पंचायत से प्राप्त सुझावों के अनुसार लागत

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मुला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
4	जैविक खेती की ओर कदम बढ़ाना	<p><b>चरण 1:</b> कुल कृषि भूमि का 15% सम्मिलित किया जाना</p> <p><b>चरण 2:</b> कुल कृषि भूमि का 40% सम्मिलित किया जाना</p> <p><b>चरण 3:</b> कुल कृषि भूमि का 100% सम्मिलित किया जाना</p>	<p>a. प्रशिक्षण और प्रदर्शन (3 सत्र): <b>₹60,000</b></p> <p>b. प्रमाणीकरण (विशेषज्ञ परामर्श के आधार पर): <b>₹33,000</b></p> <p>c. फसल प्रणाली का परिचय- जैविक बीज खरीद; नाइट्रोजन संचयन संयंत्र लगाना--&gt; प्रति एकड़ लागत = <b>₹2,500</b></p> <p>d. एकीकृत खाद प्रबंधन- तरल जैव उर्वरक की खरीद और उसका उपयोग; तरल जैव कीटनाशकों की खरीद और उसका उपयोग; प्राकृतिक कीट नियंत्रण तंत्र की स्थापना; फॉस्फेट युक्त जैविक खाद---&gt; प्रति एकड़ लागत = ₹2,500</p> <p>e. गणना (प्रति एकड़ परिवर्तन की लागत) = a + b + c + d = ₹1,00,000 कुल लागत<sup>7</sup>: क्षेत्र (हेक्टेयर) * e-&gt;2.471 * 1,00,000 = <b>₹2,47,100</b></p>	

## जल निकायों का प्रबंधन तथा कायाकल्प

1	वर्षा जल संचयन (आरडब्ल्यूएच) संरचनाएं	<p><b>चरण 1:</b> सभी सरकारी/पीआरआई भवनों में</p> <p><b>चरण 2:</b> सभी पीआरआई भवनों + पुनर्भरण गड्डों में वर्षा जल संचयन संरचनाओं (आरडब्ल्यूएच) की स्थापना (एचआरवीसीए में सुझाई गई )</p> <p><b>चरण 3:</b> 1000 वर्ग फुट के आवासीय भवनों में आरडब्ल्यूएच संरचनाओं की स्थापना + सभी नए भवनों में आरडब्ल्यूएच प्रणाली को शामिल करना</p>	<p>10 m<sup>3</sup> क्षमता वाली 1 वर्षा जल संचयन संरचना की लागत<sup>8</sup> = <b>₹35,000</b> 1 पुनर्भरण गड्डे की लागत<sup>11</sup> = <b>₹35,000</b></p>	
---	---------------------------------------	---	---	--

7 यूपी राज्य जैविक प्रमाणीकरण एजेंसी ( UPSOCA\_Tariff\_20March.pdf (apeda.gov.in) ) और राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (NMSA) दिशानिर्देश

8 छत पर वर्षा जल संचयन दिशानिर्देश, भारतीय मानक (IS 15797:2008)

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मुला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
2	जल निकायों का रखरखाव  (यदि ये वृक्षारोपण समग्र हरित स्थान को बढ़ने के प्रयासों का हिस्सा हैं, जैसा कि ऊपर बताया गया है तो लागत की दोगुनी गणना नहीं की जाएगी)	<b>चरण 1:</b> जल निकायों की सफाई, गाद निकालना और बाड़ लगाना + जल निकायों की परिधि के आसपास वृक्षारोपण (1000) (ट्री गार्ड के साथ) <b>चरण 2:</b> जल निकायों के आसपास अतिरिक्त 100 वृक्षारोपण (वृक्ष रक्षकों के साथ) + जल निकायों का निरंतर रखरखाव <b>चरण 3:</b> जल निकायों का निरंतर रखरखाव	अनुमानित लागत <sup>9</sup> : 1. 1 तालाब का जीर्णोद्धार (सफाई, गाद निकालना, जलग्रहण क्षेत्र में वृद्धि, आदि) = <b>₹7 लाख</b> 2. 1 रिटेंशन तालाब (300 मीटर <sup>3</sup> क्षमता) का निर्माण = : <b>₹7 लाख</b> 3. ट्री गार्ड के साथ वृक्षारोपण = <b>₹1,200 प्रति यूनिट</b> 4. रखरखाव की लागत: a. 1 तालाब/जल निकाय = <b>₹3, 75,000</b> b. 1 प्रतिधारण तालाब = <b>₹50,000</b> c. ट्री गार्ड वाला पेड़ = <b>₹20 प्रति यूनिट</b>	
3	जल निकासी के बुनियादी ढांचे को बढ़ाना	<b>चरण 1:</b> मौजूदा नालियों की सफाई और गाद निकालना + जल निकासी के बुनियादी ढांचे को बढ़ाना (नए नालों का निर्माण) <b>चरण 2 और 3:</b> चरण 1 में जारी गतिविधियाँ जारी जायें	अधिकतर एचआरवीसीए दस्तावेज़ में दी गई लागतों को देखें	

9 एचआरवीसीए में जीपी से प्राप्त इनपुट के अनुसार लागत

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मुला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
----------	----------------------	---	---	------------------------------------

## सतत और उन्नत गतिशीलता

1	मौजूदा सड़क बुनियादी ढांचे को बढ़ाना	<b>चरण 1:</b> सड़क मरम्मत/रख-रखाव कार्य + सड़क आरसीसी/इंटरलॉकिंग कार्य <b>चरण 2 और 3:</b> सड़कों का निरंतर रखरखाव	सड़क रख-रखाव /मरम्मत की प्रति किमी लागत <sup>10</sup> : <b>₹50,00,000 प्रति किलोमीटर</b>	
2	माध्यम आकर के सार्वजनिक परिवहन (आईपीटी) को बढ़ाना	ग्राम पंचायत की आवश्यकतानुसार सुझावों के अनुसार ई-ऑटोरिक्शा	1 ई-ऑटोरिक्शा की कीमत: ~₹3,00,000 उपलब्ध सब्सिडी: प्रति वाहन 12,000 रुपये तक	
3	ई-ट्रैक्टर और ई-माल वाहन किराए पर लेने की सुविधा	<b>चरण 1:</b> डीजल ट्रैक्टरों और माल परिवहन वाहनों के इलेक्ट्रिक विकल्पों को बढ़ावा देना + किसानों को ई-वाहनों के दीर्घकालिक लाभों के बारे में जागरूक करना <b>चरण 2 &amp; 3:</b> निरंतर जागरूकता	1 ई-ट्रैक्टर की कीमत = ₹6,00,000 1 कमर्शियल ई-वाहन की कीमत = ₹5 से 10 लाख	

10 प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) दर/किमी के अनुसार लागत और एचआरवीसीए में जीपी से प्राप्त इनपुट



क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
----------	----------------------	---	---	------------------------------------

## सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

1	अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली स्थापित करना	<p><b>चरण 1:</b></p> <p>a. ग्राम पंचायत की घर-घर कचरा संग्रहण प्रणाली के तहत 100% घरों को शामिल करना</p> <p>b. मौजूदा कचरा का 100% एकत्र करने के लिए इलेक्ट्रिक कचरा वैन की व्यवस्था</p> <p>c. कूड़ादानों की स्थापना</p> <p>d. अन्य हितधारकों (एसएचजी, स्थानीय स्कैप डीलर, स्थानीय व्यवसाय और एमएसएमई) के साथ साझेदारी बनाना</p>	<p>कुल उत्पन्न कचरा = प्राथमिक डेटा, यदि उपलब्ध नहीं है, तो ग्राम पंचायत में उत्पन्न प्रति व्यक्ति औसत कचरा लगभग 80 ग्राम प्रति दिन लें;</p> <p>बायोडिग्रेडेबल/जैविक अपशिष्ट- 58%</p> <p>गैर-बायोडिग्रेडेबल/अकार्बनिक अपशिष्ट - 42%</p> <p>आवश्यक ई-कचरा वैन की संख्या<sup>11</sup> = कुल उत्पन्न कचरा/प्रत्येक वैन की क्षमता (310 किग्रा)</p> <p>कूड़ेदानों की संख्या = एचआरवीसीए से या उचित स्थानों की पहचान करके अनुमान लगाया जा सकता है</p> <p>स्थान (पीआरआई भवन, सार्वजनिक भवन, पार्क, आदि)</p>	
		<p><b>चरण 2:</b></p> <p>a. ग्राम पंचायत-स्तरीय पुनर्चक्रण और प्लास्टिक श्रेडर इकाई</p> <p>b. अतिरिक्त कूड़ादानों की स्थापना</p> <p>c. अतिरिक्त इलेक्ट्रिक कचरा वैन की व्यवस्था</p> <p>d. मौजूदा सुविधाओं/बुनियादी ढांचे का रखरखाव</p> <p>e. साझेदारी को बढ़ाना</p>	<p>प्लास्टिक श्रेडर इकाई की संख्या = 1 प्रति पंचायत</p> <p>अतिरिक्त कूड़ादान = एचआरवीसीए से या उचित स्थानों (पीआरआई भवन, सार्वजनिक भवन, पार्क, आदि) की पहचान करके अनुमानित करना ।</p>	
		<p><b>चरण 3:</b></p> <p>a. रखरखाव कार्य</p> <p>b. साझेदारी को बढ़ाना</p>	<p>लागत<sup>12</sup>: 1. 1 इलेक्ट्रिक कचरा वैन = ₹95,000 से 1,00,000 2. 1 कूड़ादान/कंटेनर<sup>13</sup> = ₹15,000 3. प्लास्टिक श्रेडर यूनिट<sup>14</sup>= ₹50,000 प्रति यूनिट</p>	

11 लागत बाजार भाव के अनुसार

12 लागत बाजार भाव के अनुसार

13 एसबीएम दिशानिर्देशों और एचआरवीसीए रिपोर्ट में इनपुट के अनुसार लागत

14 लागत बाजार भाव के अनुसार

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
2	जैविक अपशिष्ट का प्रबंधन	<p><b>चरण 1:</b></p> <p>a. सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से कम्पोस्ट और वर्मी-कम्पोस्ट गड्डों की स्थापना</p> <p>b. पंचायत, समुदाय के सदस्यों और किसान समूहों के बीच साझेदारी मॉडल:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>कम्पोस्ट का उत्पादन एवं विक्रय</li> <li>कृषि अपशिष्ट की बिक्री</li> </ol>	<p>कुल उत्पन्न बायोडिग्रेडेबल/जैविक कचरा = प्राथमिक डेटा</p> <p>घरों, वाणिज्यिक दुकानों, सरकारी/पीआरआई भवनों, सार्वजनिक भवनों और खुले स्थानों आदि से जैविक कचरा = xxx किलोग्राम प्रति दिन (प्राथमिक डेटा के अनुसार)</p> <p>संभावित खाद की मात्रा (किलो प्रति दिन) जो उत्पन्न की जा सकती है<sup>15</sup> = xxx किग्रा/दिन जैविक अपशिष्ट / 2 प्रति वर्ष __ किलोग्राम कृषि अपशिष्ट की आवधिक खाद बनाना (प्राथमिक डेटा के अनुसार)</p>	
		<p><b>चरण II और III:</b></p> <p>a. रखरखाव और कम्पोस्ट गड्डों की क्षमता बढ़ाना</p> <p>b. साझेदारी को बढ़ाना</p>	<p>लागत<sup>16</sup>:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>कम्पोस्ट गड्डों की लागत संदर्भ: 30 वर्मीकम्पोस्टिंग और 15 नाडेप कम्पोस्ट गड्डे = ₹4,50,000</li> <li>ठोस अपशिष्ट प्रबंधन यार्ड (जैविक और अजैविक दोनों प्रकार के कचरे के लिए) लागत संदर्भ<sup>17</sup>: ₹35,00,000</li> </ol>	
3	एकल-उपयोग-प्लास्टिक पर प्रतिबंध	<p><b>चरण 1:</b></p> <ol style="list-style-type: none"> <li>सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध</li> <li>जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता-निर्माण कार्यक्रम</li> <li>रस अभियान और लाइफ मिशन का लाभ उठाना</li> <li>पंचायत, महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों के बीच साझेदारी मॉडल</li> </ol>	विनिर्माण के क्षेत्र में 100 महिलाओं की भागीदारी	

17 <https://www.biocycle.net/connection-co2-math-for-compost-benefits/#:~:text=In%20the%20process%20of%20making%20compost%20the%20microbes,food%20waste%20turns%20into%2050%20kg%20of%20>

16 एचआरवीसीए में जीपी से प्राप्त इनपुट के अनुसार लागत

17 एचआरवीसीए में जीपी से प्राप्त इनपुट के अनुसार लागत

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
		<p><b>चरण 2:</b></p> <p>a. निरंतर जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम</p> <p>b. पंचायत और आस-पास के गांवों में महिलाओं, एसएचजी, एमएसएमई और व्यक्तिगत उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाना</p>	अतिरिक्त 200 महिलाएं	
		<p><b>चरण 3:</b></p> <p>a. निरंतर जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम</p> <p>b. पंचायत और आसपास के गांवों में महिलाओं, एसएचजी, एमएसएमई और व्यक्तिगत उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाना</p>	अतिरिक्त 300 महिलाएँ	

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मुला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
----------	----------------------	---	---	------------------------------------

## स्वच्छ, सतत, किफ़ायती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुंच

सौर छतें	<p><b>चरण 1:</b> सरकारी/पीआरआई भवन (पंचायत भवन, स्कूल, आंगनवाड़ी, पीएचसी, सीएचसी, सीएससी आदि)</p> <p>अनुमान- छत के 70% क्षेत्र की सोलर रूफटॉप लगाने के लिए उपलब्धता</p>	<p>सौर क्षमता की गणना के लिए एमएनआरआई सोलर रूफटॉप पोर्टल<sup>18</sup> का उपयोग करें।</p> <p>वार्षिक स्वच्छ बिजली का उत्पादन (किलोवाट में) = स्थापित क्षमता (किलोवाट) * 310 (धूप वाले दिन) * 24 (घंटे) * 0.18 (सीयूएफ)</p> <p>(प्रत्येक पीआरआई भवन के लिए इसकी गणना कर और कुल जोड़ें)</p> <p>स्थापित क्षमता- उपरोक्त वेबसाइट से कुल स्थापित क्षमता=पंचायत भवन+स्कूल 1+स्कूल 2....+कोई अन्य पीआरआई भवन</p> <p>प्रति किलोवाट लागत = ₹50,000</p> <p>प्रति दिन उत्पादित स्वच्छ बिजली की इकाइयों की संख्या = उत्पादित बिजली/365</p>	<p>उत्पन्न वार्षिक बिजली (किलोवाट)*</p> $0.82 / 1000 = \text{___ टन CO}_2$
	<p><b>चरण 2 और 3:</b></p> <p>परिवार</p> <p>अनुमान- छत के 70% क्षेत्र की सोलर रूफटॉप लगाने के लिए उपलब्धता</p> <p>मानी गई स्थापित क्षमता - 3 किलोवाट पॉवर</p> <p><b>चरण 2:</b> स्थापित करने के लिए कुल पक्के घरों का 40%</p> <p><b>चरण 3:</b> स्थापित करने के लिए कुल पक्के घरों का 100%</p>	<p>प्रति परिवार औसत स्थापित क्षमता = 3 किलोवाट पॉवर</p> <p>परिवार स्तर पर स्थापित कुल क्षमता = परिवारों की संख्या * 3 किलो वाट पॉवर</p> <p>वार्षिक स्वच्छ बिजली का उत्पादन (किलोवाट में)= पारिवारिक स्तर पर स्थापित कुल क्षमता (किलोवाट) * 310 (धूप वाले दिन) * 24 (घंटे) * 0.18 (सीयूएफ)</p> <p>प्रति किलोवाट लागत = ₹50,000<sup>19</sup></p> <p>प्रति दिन उत्पादित स्वच्छ बिजली की इकाइयों की संख्या= वार्षिक उत्पादित बिजली/365</p>	

18 [https://solarrooftop.gov.in/rooftop\\_calculator](https://solarrooftop.gov.in/rooftop_calculator)

19 एमएनआरआई और मौजूदा बाजार दरों को अनुसार लागत

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मूला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
2	कृषि-फोटोवोल्टिक	<p><b>चरण 2:</b> उपयुक्त कृषि क्षेत्र का 25%</p> <p><b>चरण 3:</b> उपयुक्त कृषि क्षेत्र का 50% उपयुक्त कृषि क्षेत्र – दलहनों और सब्जियों के अंतर्गत क्षेत्र (मूल्य 10 हेक्टेयर से कम रखें)</p>	<p>प्रति हेक्टेयर 250 किलोवाट स्थापित कुल स्थापित क्षमता = क्षेत्रफल (हेक्टेयर) * 250 किलोवाट पॉवर</p> <p>वार्षिक स्वच्छ बिजली का उत्पादन (किलोवाट में)=कुल स्थापित क्षमता (किलोवाट) *310 (धूप वाले दिन)*24 (घंटे)*0.18 (सीयूएफ)</p> <p>प्रति किलोवाट लागत = ₹1 लाख<sup>20</sup></p> <p>प्रति दिन उत्पादित स्वच्छ बिजली की इकाइयों की संख्या= वार्षिक उत्पादित बिजली/365</p>	
3	सौर पंप	<p><b>चरण 1:</b> 20% डीजल पम्पों का बदला जाना</p> <p><b>चरण 2:</b> 50% डीजल पम्पों का बदला जाना</p> <p><b>चरण 3:</b> 100% डीजल पम्पों का बदला जाना</p>	<p>स्थापित क्षमता = 5.5 किलोवाट प्रति पंप</p> <p>कुल स्थापित क्षमता = बदले गए पंपों की संख्या * 5.5 किलोवाट</p> <p>वार्षिक स्वच्छ बिजली उत्पन्न= कुल स्थापित क्षमता (किलोवाट) *310 (दिन)*24 (घंटे)*0.18 (सीयूएफ)</p> <p>प्रति दिन उत्पादित स्वच्छ बिजली की इकाइयों की संख्या= वार्षिक उत्पादित बिजली/365</p> <p>प्रति पंप लागत = ₹3 से 5 लाख<sup>21</sup></p>	<p>डीजल की खपत को कम करना =390 लीटर/ प्रति/वर्ष</p> <p>प्रति वर्ष कम कुल डीजल खपत = बदले गए पंपों की संख्या * 390</p> <p>उत्सर्जन से बचाव = प्रति पंप प्रति वर्ष 1.05 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन (CO<sub>2</sub>e)</p>

20 स्थापना/लगाने की लागत बाजार दर के अनुसार

21 लागत बाजार दरों और पीएमकेएसवाई दिशानिर्देशों के अनुसार

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मुला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
4	रसोई में स्वच्छ ईंधन का प्रयोग	<p><b>चरण 1:</b> 25% घरों में बायोगैस स्थापित करने के लिए मवेशी + शीर्ष आय वर्ग में 25% घरों में सौर इंडक्शन कुकस्टोव + 50% परिवार जो वर्तमान में बायोमास का उपयोग करते हैं उनके पास बेहतर चूल्हों की उपलब्धता</p> <p><b>चरण 2:</b> 50% घरों में बायोगैस स्थापित करने के लिए मवेशी + 50 शीर्ष आय वर्ग के % घरों में सौर इंडक्शन चूल्हे + वर्तमान में बायोमास का उपयोग करने वाले 100% घरों में बेहतर चूल्हों की उपलब्धता</p> <p><b>चरण 3:</b> 100% घरों में बायोगैस स्थापित करने के लिए मवेशी + शीर्ष आय समूहों में 100% घरों में सौर इंडक्शन और खाना पकाने का चूल्हे की उपलब्धता</p>	<p>1 बायोगैस प्लांट की लागत = ₹50,000</p> <p>2 से 3 m<sup>3</sup> बायोगैस संयंत्र की लागत, बिना बैटरी वाले डबल बर्नर वाले सोलर कुकस्टोव की लागत = ₹45,000</p> <p>1 बेहतर चूल्हे की लागत = ₹3,000<sup>22</sup></p>	
5	ऊर्जा दक्षता (ईई)	<p><b>चरण 1:</b> सभी सरकारी/पीआरआई भवनों को सभी फिक्स्चर और पंखों को ऊर्जा कुशल फिक्स्चर और पंखों से बदलना + सभी परिवारों के 1 तापदीप्त/सीएफएल बल्ब को एलईडी बल्ब से या 1 फ्लोरोसेंट ट्यूब लाइट को एलईडी ट्यूब लाइट से बदलना</p> <p><b>चरण 2:</b> सभी तापदीप्त/सीएफएल बल्बों को एलईडी बल्ब से और सभी फ्लोरोसेंट ट्यूब लाइटों को एलईडी ट्यूब लाइट से बदला जाना + सभी परिवारों में 1 पारपरिक पंखे को ईई पंखे से बदला जाना ।</p> <p><b>चरण 3:</b> सभी परिवारों में सभी पंखों को ईई पंखों से बदला जाएगा</p>	<p>1 एलईडी बल्ब की लागत = ₹70</p> <p>1 एलईडी ट्यूबलाइट की लागत = ₹220</p> <p>1 ईई पंखे की लागत = ₹1,110<sup>23</sup></p>	
6	सौर स्ट्रीटलाइट्स	<p>प्रधान से प्राप्त जानकारी के आधार पर हाई-मास्ट सोलर स्ट्रीट लाइट - प्रत्येक सरकारी / पीआरआई भवन, तालाब/झील, हरित स्थान/पार्क/खेल का मैदान/उद्यान/आरोग्य वन के लिए 1 (या आवश्यकता के अनुसार अधिक)।</p>	<p>1 हाई-मास्ट की लागत = ₹50,000</p> <p>1 सौर एलईडी स्ट्रीट लाइट की लागत = ₹10,000<sup>24</sup></p>	

22 बाजार दर के अनुसार लागत

23 विद्युत मंत्रालय द्वारा उजाला योजना दिशानिर्देशों के अनुसार लागत ( <https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specialdocs/documents/2022/jun/doc202261464801.pdf> )

24 बाजार दर के अनुसार लागत

क्र. सं.	सुझायी गई गतिविधियां	विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य निर्धारित करने हेतु व्यापक दिशानिर्देश (ग्राम पंचायत के आधार पर परिवर्तन हो सकता है)	संख्यावार लक्ष्य का अनुमान लगाने के लिए टारगेट/फार्मुला	अनुक्रमण क्षमता / उत्सर्जन से बचाव
----------	----------------------	---	---	------------------------------------

## आजीविका एवं हरित उद्यमशीलता को बढ़ाना

1	सौर ऊर्जा चालित कोल्ड स्टोरेज का निर्माण एवं किराये पर देना	कोल्ड स्टोरेज की स्थापना	क्षमता: 1 इकाई = 5 - 10 मीट्रिक टन सब्जियों और फलों/और/या दूध और दूध उत्पादों के उत्पादन पर आधारित लागत: <b>₹8-15 लाख प्रति यूनिट</b>	
---	---	--------------------------	--	--

# अनुलग्नक V: प्रासंगिक एसडीजी और लक्ष्य

## एसडीजी 2: जीरो हंगर



**लक्ष्य 2.3:** भूमि, अन्य उत्पादक संसाधनों और इनपुट, ज्ञान, वित्तीय सेवाओं, मूल्यवर्धन और गैर-कृषि रोजगार के लिए बाजार और अवसर तक सुरक्षित और समान अभिगम सहित, छोटे पैमाने के खाद्य उत्पादकों, विशेष रूप से महिलाओं, स्वदेशी लोगों, पारिवारिक किसानों, चरवाहों और मछुआरों की कृषि उत्पादकता और आय को दोगुना करना।

**लक्ष्य 2.4:** वर्ष 2030 तक, सतत खाद्य उत्पादन प्रणाली सुनिश्चित करना तथा लचीली कृषि पद्धतियों को लागू करना जो उत्पादकता और उत्पादन को बढ़ाती हैं, जो पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में मदद करती हैं, जो जलवायु परिवर्तन, चरम मौसम, सूखा, बाढ़ और अन्य आपदाओं के अनुकूलन की क्षमता को सुदृढ़ करती हैं एवं जो भूमि और मिट्टी की गुणवत्ता में उत्तरोत्तर सुधार करती हैं।

**लक्ष्य 2.a; अनुच्छेद 10.3.e.:** सतत सिंचाई कार्यक्रमों का विकास

## एसडीजी 3: अच्छा स्वास्थ्य और खुशहाली



**लक्ष्य 3.3:** एड्स, तपेदिक, मलेरिया और उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों की महामारी को समाप्त करना तथा हेपेटाइटिस, जल-जनित रोगों और अन्य संचारी रोगों से मुकाबला करना।

**लक्ष्य 3.9:** खतरनाक रसायनों और वायु, जल और मिट्टी के प्रदूषण और संदूषण से होने वाली मौतों और बीमारियों की संख्या में काफी कमी लाना।

## एसडीजी 6: स्वच्छ जल और स्वच्छता



**लक्ष्य 6.1:** पीने के पानी तक सार्वभौमिक और न्यायसंगत पहुंच प्राप्त करना।

**लक्ष्य 6.3:** वर्ष 2030 तक, प्रदूषण को कम करके, डंपिंग को समाप्त करके और खतरनाक रसायनों और सामग्रियों की रिहाई को कम करके, अनुपचारित अपशिष्ट जल के अनुपात को आधा करके और वैश्विक स्तर पर रीसाइक्लिंग और सुरक्षित पुनः इस्तेमाल को बढ़ाकर पानी की गुणवत्ता में सुधार करना।

**लक्ष्य 6.4:** सभी क्षेत्रों में जल-इस्तेमाल दक्षता में पर्याप्त वृद्धि करना और स्थायी निकासी सुनिश्चित करना

**लक्ष्य 6.5:** सभी स्तरों पर एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन लागू करना

**लक्ष्य 6.8:** स्थानीय समुदायों की भागीदारी को समर्थन और सुदृढ़ करना

**लक्ष्य 6.a :** अपशिष्ट जल उपचार, पुनर्चक्रण और पुनः इस्तेमाल प्रौद्योगिकियों सहित जल और स्वच्छता संबंधी गतिविधियों और कार्यक्रमों में विकासशील देशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और क्षमता निर्माण सहायता का विस्तार करना।



## एसडीजी 7: किफायती एवं स्वच्छ ऊर्जा



- लक्ष्य 7.1:** किफायती, विश्वसनीय और आधुनिक ऊर्जा सेवाओं तक सार्वभौमिक अभिगम सुनिश्चित करना।
- लक्ष्य 7.2:** ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाना
- लक्ष्य 7.3:** ऊर्जा दक्षता में सुधार की वैश्विक दर को दोगुना करना
- लक्ष्य 7.a :** नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता और उन्नत और स्वच्छ जीवाश्म-ईंधन प्रौद्योगिकी सहित स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान और प्रौद्योगिकी तक अभिगम की सुविधा के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना, और ऊर्जा अवसंरचना और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी में निवेश को बढ़ावा देना।
- लक्ष्य 7.b:** विकासशील देशों में उनके समर्थन कार्यक्रमों के अनुसार सभी के लिए आधुनिक और सतत ऊर्जा सेवाओं की आपूर्ति के लिए अवसंरचना का विस्तार और प्रौद्योगिकी का उन्नयन।

## एसडीजी 8: अच्छा कार्य और आर्थिक विकास



- लक्ष्य 8.3:** विकास-उन्मुख नीतियों को बढ़ावा देना जो उत्पादक गतिविधियों, सही रोजगार सृजन, उद्यमिता, रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देती हैं, और वित्तीय सेवाओं तक अभिगम सहित सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यमों की औपचारिकता और विकास को प्रोत्साहित करती हैं।

## एसडीजी 9: उद्योग, नवाचार और अवसंरचना



- लक्ष्य 9.1:** गुणवत्तापूर्ण, विश्वसनीय, सतत और लचीला बुनियादी ढाँचा विकसित करना

## एसडीजी 11: संधारणीय शहर और समुदाय



- लक्ष्य 11.2:** सभी के लिए सुरक्षित, किफायती, सुलभ और सतत परिवहन प्रणाली
- लक्ष्य 11.4:** विश्व की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की रक्षा और सुरक्षा के प्रयासों को सुदृढ़ करना
- लक्ष्य 11.7:** वर्ष 2030 तक, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों, वृद्ध व्यक्तियों और विकलांग व्यक्तियों के लिए सुरक्षित, समावेशी और सुलभ, हर और सार्वजनिक स्थानों तक सार्वभौमिक अभिगम प्रदान करना।

## एसडीजी 12: सतत खपत और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित करना



- लक्ष्य 12.2:** प्राकृतिक संसाधनों का सतत प्रबंधन और कुशल इस्तेमाल प्राप्त करना
- लक्ष्य 12.4:** वर्ष 2020 तक, सहमत अंतरराष्ट्रीय ढांचे के अनुसार रसायनों और उनके पूरे जीवन चक्र में सभी अपशिष्टों का पर्यावरणीय रूप से सुदृढ़ प्रबंधन प्राप्त करना, और मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर उनके प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए हवा, पानी और मिट्टी में उनकी रिहाई को काफी कम करना।

- लक्ष्य 12.5:** वर्ष 2030 तक रोकथाम, कमी, पुनर्चक्रण और पुनः इस्तेमाल के माध्यम से अपशिष्ट उत्पादन को काफी हद तक कम करना।
- लक्ष्य 12.5:** वर्ष 2030 तक रोकथाम, कमी, पुनर्चक्रण और पुनः इस्तेमाल के माध्यम से अपशिष्ट उत्पादन को काफी हद तक कम करना।
- लक्ष्य 12.8:** वर्ष 2030 तक, सुनिश्चित कर कि हर जगह लोगों के पास सतत विकास और प्रकृति के साथ सद्भाव में जीवन शैली के लिए प्रासंगिक जानकारी और जागरूकता हो।

## एसडीजी 13: जलवायु संबंधी कार्रवाई



- लक्ष्य 13.1:** सभी देशों में जलवायु संबंधी खतरों और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति लचीलापन और अनुकूली क्षमता को सुदृढ़ करना।
- लक्ष्य 13.2:** जलवायु परिवर्तन उपायों को राष्ट्रीय नीतियों, रणनीतियों और योजना में एकीकृत करना।
- लक्ष्य 13.3:** जलवायु परिवर्तन शमन, अनुकूलन, प्रभाव में कमी और प्रारंभिक चेतावनी पर शिक्षा, जागरूकता बढ़ाने और मानव और संस्थागत क्षमता में सुधार करना।

## एसडीजी 15: भूमि पर जीवन



- लक्ष्य 15.1:** अंतरराष्ट्रीय समझौतों के तहत दायित्वों के अनुरूप स्थलीय और अंतर्देशीय मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र और उनकी सेवाओं, विशेष रूप से जंगलों, आर्द्रभूमि, पहाड़ों और शुष्क भूमि के संरक्षण, बहाली और सतत इस्तेमाल को सुनिश्चित करना।
- लक्ष्य 15.2:** वर्ष 2020 तक सभी प्रकार के वनों के स्थायी प्रबंधन के कार्यान्वयन को बढ़ावा देना, वनों की कटाई को रोकना, नष्ट हुए वनों को पुनर्स्थापित करना और विश्व स्तर पर वनीकरण और पुनर्वनीकरण में पर्याप्त वृद्धि करना।
- लक्ष्य 15.3:** वर्ष 2030 तक, मरुस्थलीकरण से निपटना, मरुस्थलीकरण, सूखे और बाढ़ से प्रभावित भूमि सहित खराब भूमि और मिट्टी को बहाल करना, और भूमि क्षरण-तटस्थ दुनिया को प्राप्त करने का प्रयास करना। लक्ष्य 15.5: प्राकृतिक आवासों के क्षरण को कम करने, जैवविविधता के नुकसान को रोकने के लिए तत्काल और महत्वपूर्ण कार्रवाई करना।
- लक्ष्य 15.9:** वर्ष 2020 तक, पारिस्थितिकी तंत्र और जैवविविधता मूल्यों को राष्ट्रीय और स्थानीय योजना, विकास प्रक्रियाओं, गरीबी उन्मूलन रणनीतियों में एकीकृत करना।

# अनुलग्नक VI: वृक्षारोपण गतिविधियों के लिए उपयुक्त प्रजातियाँ

पौधों का नाम	प्रजाति (फैमिली)	स्थानीय नाम	उपयोग/औषधीय गुण
<b>इमारती लकड़ी के पेड़</b>			
अकेसिया निलोटिका	फैबेसी	बबूल	गाड़ियों के फ्रेम और पहियों, उपकरणों और औजारों जैसे उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है।
फ़िकस रिलिजियोसा	मोरसी	पीपल	इसमें औषधीय गुण और इसका धार्मिक महत्व है।
आज़ादिराक्टा इंडिका ए. जस	मेलियासी	नीम	नीम के पेड़ के सभी भाग - पत्ते, फूल, बीज, फल, जड़ और छाल का उपयोग पारंपरिक रूप से उपचार के लिए किया जाता रहा है। इसकी लकड़ी फर्नीचर के लिए आदर्श है, क्योंकि यह मजबूत और दीमक प्रतिरोधी दोनों है।
डालबर्गिया सिस्सो	फैबेसी	शीशम	इसके कई उपयोग हैं, हवाई और समुद्री जहाज में, कोयले के रूप में भोजन को गर्म करने और पकाने के लिए, संगीत वाद्ययंत्र बनाने आदि
मधुका लॉगिफोलिया	सैपोटेसी	महुआ	यह विभिन्न उपयोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण इमारती लकड़ी प्रदान करता है।
शोरिया रोबस्टा	डिप्टेरोकार्पेसी	साल	इसका उपयोग रलवे स्लीपर, जहाज और पुलों के निर्माण के लिए किया जाता है।
सिनामोमम तमाला	लौरसी	भारतीय तेज पत्ता	यह विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं को ठीक करने में मदद करता है और खाना पकाने में इसका उपयोग किया जाता है।
<b>फल और जंगली खाद्य पौधे</b>			
मैंगीफेरा इंडिका	एनाकार्डिएसी	आम (मैंगो)	इसके सभी भागों का उपयोग पारंपरिक उपचार में किया जाता है
आर्टोकार्पस हेटरोफिलस	मोरसी	कटहल, (जैकफ्रूट)	इसकी लकड़ी का उपयोग फर्नीचर बनाने के लिए किया जाता है। पौधे के कई हिस्से, जिनमें छाल, जड़ें, पत्तियां और फल शामिल हैं, पारंपरिक और लोक चिकित्सा में अपने औषधीय गुणों के लिए जाने जाते हैं।

पौधों का नाम	प्रजाति (फैमिली)	स्थानीय नाम	उपयोग/औषधीय गुण
सिडियम गुजावा	मायर्टेसी	अमरूद (गुआवा)	यह विभिन्न गैस सम्बन्धी रोगों के लिए एक सामान्य और लोकप्रिय पारंपरिक उपचार है।
एगारिकस कैम्पेस्ट्रेस एल	एगारिकेसी	धरती का फूल	एक प्रकार का मशरूम।
अंकोलसाल्विफोलियम (एलएफ) वांग	अलंगियासी	ढेरा (एको)	इसके पके फल खाए जाते हैं।
अमोर्फोफैलस पेओनीफोलियसडेनस्ट	अरसी	हाथीपाँव, जिमी कंद	इसे सब्जी के रूप में खाया जाता है।
क्रोटोलारियाजंशिया एल.	फैबेसी	सनई	हल्की उबली हुई कलियाँ सब्जी के रूप में खाई जाती हैं।
मणिलकारा हेक्सेंड्रा (रोक्सब) डब	सैपोएटेसी	खिरनी	इससे प्राप्त फलों से अचार और सॉस बनाया जाता है।
यूजेनिया जाम्बोलाना	मायर्टेसी	जामुन	इसकी जड़, पत्तियाँ, फल और छाल में असंख्य औषधीय गुण होते हैं।
एगल मार्मेलोस	रूटेसी	बेल	कच्चे फल, जड़, पत्ती और शाखा का उपयोग औषधि बनाने के लिए किया जाता है।
मोरस रूबरा	मोरसी	शहतूत	शहतूत को कच्चा खाया जा सकता है और इसका उपयोग जैम, प्रिजर्व, पाई बनाने के लिए भी किया जाता है। इनमें औषधीय गुण भी होते हैं।

## औषधीय गुणों वाले पेड़

विथानियासोमिफेरा	सोलानेसी	अश्वगंधा	यह विभिन्न प्रकार के रोगों में उपयोगी है।
बकोपा मोनिएरी	प्लांटैगिनेसी	ब्राह्मी	इसका उपयोग विभिन्न सांस रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता है।

पौधों का नाम	प्रजाति (फैमिली)	स्थानीय नाम	उपयोग/औषधीय गुण
एंद्रोग्राफीस पैनिकुलता	एकैथेसी	कालमेघ	यह प्रतिरक्षा को बढ़ाने में मदद करता है और इसका उपयोग सामान्य सर्दी, साइनसाइटिस और एलर्जी के लक्षणों को ठीक करने के लिए किया जाता है।
राउवोल्फिया सर्पेन्टिना	एपोसिनेसी	सर्पगंधा	इसका उपयोग कई अलग-अलग बीमारियों के उपचार के लिए किया जाता है।

## औषधीय गुणों वाले लुप्तप्राय पेड़

एकोरस कैलमस एल.	अरसी	बाख, बाल, घोर्बच	ब्रोंकाइटिस, खांसी और सर्दी के इलाज के लिए एक उपयोगी जातीय औषधीय पौधा।
ऐस्पेर्गस ऐडसेंडेंसरोक्सबी	लिलिएसी	शतावरी	हार्मोन असंतुलन से संबंधित स्थितियों के उपचार में मदद करता है।
सेलास्ट्रस पैनिकुलैटस वाइल्ड ।	सेलास्ट्रेसी	उमजैन , मुजहानी , मलकांगनी, ककुंदन	विभिन्न प्रकार की बीमारियों के उपचार में उपयोगी है।

## अन्य पेड़

पोपुलस सिलियाटा	सैलिकैसी	सेमल, कपोक	इसकी पत्तियों का उपयोग पशुओं के चर और हर्बल चाय के लिए किया जाता है।
यूकेलिप्टस ग्लोब्युलस	मायर्टेसी	तैलपत्र	खांसी और सामान्य सर्दी के उपचार के लिए दवाओं में उपयोग किया जाता है और आवश्यक तेल बनाने के लिए भी उपयोग किया जाता है।



# विद्यालय - दिलावरपुर देवकली

विकास क्षेत्र- भावलखेड़ा, जनपद-शाहजहाँपुर यू-डाइस कोड -09221314701

स्वच्छ  
भारत  
मिशन

शिक्षार्थ  
आइये

भाग सं-348



